रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर राहुल गांधी फैलाना चाहते हैं अराजकता : राजनाथ - 7

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- एफटीए में डेयरी और एमएसएमई के हितों पर ध्यान - 10

न्यूयॉर्क का मेयर बनते ही ममदानी ने ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर दी चुनौती- 11

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी-20 में गिल की निगाह बड़े स्कोर पर- 12

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

14.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.21

सूर्यास्त 05.23

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 02:55 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 6 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 277, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

नई दिल्ली में विश्व कप विजेता भारतीय महिला टीम और ट्रॉफी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

चैंपियन बेटियों से मिले प्रधानमंत्री

तीन हार के कठिन दौर से गुजरने के बाद दृढ़ता और शानदार वापसी के लिए सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी

● खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान अपने अनुभवों को प्रधानमंत्री के साथ किया साझा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम से अपने निवास पर मुलाकात की। उन्होंने विश्व कप में लगातार तीन हार के कठिन दौर से गुजरने के बाद दृढ़ता और शानदार वापसी के लिए खिलाड़ियों की तारीफ भी की।

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार हार के बाद सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग के बारे में भी खिलाड़ियों से बात की और इतिहास रचने के लिए उनकी सराहना भी की। कप्तान हरमनप्रीत ने 2017 में ट्रॉफी के बिना मोदी से हुई मुलाकात को भी याद किया। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि अब वे और सफलता अर्जित करके आगे भी मिलते रहना चाहेंगे। उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें प्रेरित किया है और उन सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहे हैं। भारत ने नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार आईसीसी खिताब जीता है। बातचीत के दौरान दीप्ति शर्मा ने प्रधानमंत्री को बताया कि वह 2017 से उनसे मिलने का इंतजार कर रही थी। प्रधानमंत्री ने उनके इंस्टाग्राम बायोडाटा पर जय श्रीराम और उनके हाथ पर हनुमान जी के टैटू का जिक्र किया तो दीप्ति ने मुस्कुराकर कहा कि इससे उन्हें ताकत मिलती है।

कप्तान हरमनप्रीत ने मोदी से पूछा, वह हर समय वर्तमान में कैसे रह पाते हैं

हरमनप्रीत ने पूछा कि वह हर समय वर्तमान में कैसे रह पाते हैं, इस पर पीएम ने कहा कि यह उनके जीवन का हिस्सा और आदत बन गई है। उन्होंने टीम के यादगार पलों का भी जिक्र किया जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ 2021 में हरलीन देयोल का शानदार कैच शामिल है। मोदी ने मजाकिया लहजे में फाइनल में अमनजोत के कैच का भी जिक्र किया जो दो बार संभलने के बाद तीसरी बार में लपका था। कहा कि कैच लपकने से पहले गेंद दिख रही होगी लेकिन बाद में ट्रॉफी दिख गई होगी।

ब्रीफ न्यूज

नेटवर्क समस्या से एअर इंडिया की चेक-इन प्रणाली प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली तथा देश के कुछ अन्य हवाई अड्डों पर बुधवार को टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एअर इंडिया की चेक-इन प्रणाली प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एअरलाइंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि तीसरे पक्ष द्वारा प्रबंधित कनेक्टिविटी नेटवर्क की समस्या के कारण कुछ हवाई अड्डों पर चेक-इन प्रणाली प्रभावित हुई है। इसके कारण एयर इंडिया समेत कुछ विमान सेवा कंपनियों की उड़ानों में देरी हो रही है। जिसे बाद में ठीक कर लिया गया।

सीमा विवाद को लेकर हिंसक झड़प, कई घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के खुर्दा जिले में दो गांवों के निवासियों के बीच बुधवार को सीमा विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में कई लोग घायल हो गए और तीन से चार दुकानों में आगजनी की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा हटाए जाने के कुछ दिन बाद हुई। इस मुद्दे पर पहले भी हिंसा हो चुकी थी, जिसके बाद इस क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की गई थी।

धमकाया, अवैध कब्जा किया तो खैर नहीं

सीएम योगी की माफिया को चेतावनी, कब्जामुक्त कराई जमीन पर बनाए गए फ्लैट परिवारों को सौंपे

● मुख्यमंत्री ने लाभार्थी परिवारों से की मुलाकात, उन्हें गृह प्रवेश का सामान किया भेंट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में महिला को फ्लैट का आवंटन पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

अमृत विचार: धमकाया, अवैध कब्जा किया तो लेने के देने पड़ जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया और उनके गुर्गों को इस चेतावनी के साथ दुर्बल आय वर्ग के 72 परिवारों को दिए फ्लैट की चाबी सौंपी। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर मुख्यमंत्री ने लखनऊ में माफिया से मुक्त कराई गई भूमि पर सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना का लोकार्पण किया। जियामऊ, डालीबाग स्थित एकता वन में आयोजित समारोह में सीएम ने दुर्बल आय वर्ग के परिवारों को फ्लैट के आवंटन पत्र वितरित किए।

इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह केवल आवास वितरण नहीं, बल्कि संदेश है कि माफिया से छीनी गई भूमि पर गरीबों का आशियाना बनेगा। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए चेतावनी है जो माफिया को शागिर्द बनाते हैं, उनकी कब्र पर फातिहा पढ़ते हैं, वे गरीबों का शोषण करवाते हैं। अब यूपी में ऐसा नहीं चलेगा। योगी ने कहा कि अगर कोई गरीबों की जमीन पर कब्जा करेगा, अगर कोई सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करके समाज को डराने-धमकाने का काम करेगा, तो लेने के देने पड़ जाएंगे। यह सरकार जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि यही नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की पहचान है, जहां विकास के साथ धर्म, संस्कृति और परंपरा का संगम है।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थी परिवारों से मुलाकात की, उन्हें गृह प्रवेश का सामान भेंट किया, नन्हीं बच्चियों को गोद में लेकर दुलार किया और चॉकलेट बांटी। इस दौरान आवास परिसर में सीएम योगी ने वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 8000 आवेदनों में 5700 आवेदन योग्य लोगों का था, इसमें से 72 को पहले आवंटन मिला है। मुख्यमंत्री ने सभी 72 लाभार्थियों को आवास की सुविधा मिलने पर उन्हें और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि इन लोगों को अब अपना सिर उठाकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिला है। यह प्रधानमंत्री आवास योजना से कवर होगा तो यह और सस्ता व लाभकारी होगा।

सभी जिलों में खुलेगा सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉयमेंट सेंटर

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉयमेंट सेंटर खुलेगा। क्लस्टर विकसित कर युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट कर उनके लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। जिससे नौजवान रोजी-रोटी की तलाश में बाहर न जाएं। वहीं, राज्यसभा सांसद और उप्र. के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने यहां कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में वह माफियागिरी समाप्त हो चुकी है। कुछ अपराधी मारे जा चुके हैं, कुछ जेल में हैं, कुछ प्रदेश छोड़ भाग गए हैं और कुछ अब माला जप रहे हैं। योगी सरकार में कानून राज स्थापित हुआ है, इसलिए आज निवेशक भी उत्तर प्रदेश पर भरोसा कर रहे हैं। कभी जहां रंगदारी और अपहरण उद्योग चलता था, वहीं आज 40 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आ रहा है।

दरोगा ने बसपा नेता को पीटा, छत से नीचे फेंका अस्पताल में मौत

संवाददाता तिलहर/शाहजहांपुर

● बेटे को पकड़ने गई थी पुलिस, दरवाजा तोड़ घर में घुसने का आरोप

● पत्नी ने थाने में दरोगा समेत एक सिपाही पर दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : पुलिस ने मंगलवार शाम बसपा नेता के बेटे की तलाश में उसके घर पर दबिश दी। आरोप है दरोगा ने मकान की छत पर उन्हें पीटा और छत से धकेल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

मृतक की पत्नी की तहरीर पर दरोगा राहुल सिसौदिया और एक अन्य साथी पर गैर इरादन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। वहीं मरने से पहले बसपा नेता का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह दरोगा पर मारपीट और छत से फेंकने का आरोप लगा रहे है। सत्यभान कटरा नंबर तीन से बसपा के जोन प्रभारी थे। तिलहर थाना क्षेत्र के गांव मौजमपुर निवासी रेखा देवी पत्नी सत्यभान ने बताया उसके पुत्र अभिषेक के खिलाफ धारा 307 के तहत अमन शुक्ला, पिंकी शुक्ला, रमनपाल, रामगोपाल निवासी निजामगंज थाना तिलहर ने मुकदमा दर्ज कराया था। मंगलवार शाम 7:30 बजे दरोगा राहुल सिसौदिया अपने एक साथी के साथ बाइक से आए। आरोप है दरोगा और उसके साथी ने दरवाजा तोड़कर घर में घुस गए और बेटे अभिषेक के बारे में पूछा। इसके बाद दोनों लोग छत पर चढ़ गए। आरोप है दरोगा और उसके साथी ने उनके पति सत्यभान सिंह (47) को पकड़ लिया और जाति सूचक शब्द कहते हुए मारने पीटने लगा था।

सत्यभान की मौत में दरोगा और उसके एक साथी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस अपने स्तर से विवेचना कर रही है।

– ज्योति यादव, सीओ तिलहर

बिहार : पहले चरण का मतदान आज, कई दिग्गज मैदान में

पटना, एजेंसी

● तेजस्वी, सम्राट व विजय सिन्हा समेत 1,314 उम्मीदवार

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए गुरुवार को 121 सीटों पर मतदान डाले जाएंगे। इस चरण में कुल 3.75 करोड़ मतदाता 1,314 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला करेंगे।

बिहार संग्राम

इस चरण में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव और भाजपा के उम्मीदवार एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ-साथ 16 मंत्रियों की किस्मत भी दांव पर है। राजद के नेता तेजस्वी यादव राघोपुर सीट से लगातार तीसरी जीत दर्ज करने की कोशिश में हैं। उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के सतीश कुमार हैं, जिन्होंने 2010 में जदयू के टिकट पर तेजस्वी की मां और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को पराजित किया था। जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने तेजस्वी के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान किया था, लेकिन बाद में मैदान में उतरने से परहेज किया, उनकी पार्टी ने चंचल सिंह को उम्मीदवार बनाया।

ट्रेन की चपेट में आने से 6 महिलाएं कटीं

● मिर्जापुर में ट्रैक पार कर गंगा स्नान करने जा रही थीं तभी हुआ हादसा

मिर्जापुर। मिर्जापुर में चुनार रेलवे स्टेशन पर बुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से छह महिलाओं की मौत हो गई। रेलवे के उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई जब यात्री 13309 चौपन प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन से पटरी वाली तरफ उतर गए। उन्होंने कहा कि इस दौरान वे सामने से आ रही 12311 नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। त्रिपाठी ने बताया कि ये लोग कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए यहां आए थे।

आस्था की डुबकी

अयोध्या में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर सरयू नदी में आस्था की डुबकी लगाता श्रद्धालुओं का सैलाब। ● अमृत विचार

यूपी बोर्ड : परीक्षाएं 18 फरवरी से, पहला पेपर हिंदी का

लखनऊ। एशिया के सबसे बड़े शिक्षा बोर्ड के रूप में शामिल उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) बोर्ड परीक्षाओं की तिथि बुधवार को घोषित कर दी है। परिषद की सचिव भावना सिंह के स्तर से जारी आदेश के अनुसार, आगामी वर्ष की परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक चलेंगी।

माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट दोनों परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी।

पहली पाली सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी। हाईस्कूल (कक्षा 10) की परीक्षा का पहला प्रश्नपत्र हिंदी का होगा, जो 18 फरवरी को पहली पाली में आयोजित किया जाएगा। इंटरमीडिएट (कक्षा 12) की परीक्षा का आरंभ भी 18 फरवरी को सामान्य हिंदी विषय से होगा।

गर्व के पल | अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में हुए मेयर पद के लिए चुनाव

भारतवंशियों का परचम, ममदानी बने न्यूयॉर्क के मेयर

न्यूयॉर्क, एजेंसी

जोहरान ममदानी

आफताब पुरेवैल

गजाला हाशमी

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में मंगलवार को मेयर पद के लिए चुनाव हुए जिनमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने पसंदीदा नेता को चुना लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए हुए चुनाव में देखने को मिला जिसमें भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने विजयी होकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर पद पर आसीन होने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए हैं। वहीं, सिनसिनाटी शहर में आफताब पुरेवैल भी दूसरी बार मेयर चुने गए। वर्जीनिया में गजाला हाशमी लेफ्टिनेंट गवर्नर चुनी गईं।

ममदानी ने 9,48,202 वोट (50.6 प्रतिशत) प्राप्त कर न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का चुनाव जीता, जिसमें 83 प्रतिशत वोट पड़े। वह कई महीनों से न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव की दौड़ में सबसे आगे थे और मंगलवार को उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। कुओमो को 7,76,547 वोट (41.3 प्रतिशत) मिले जबकि स्लिवा को 1,37,030 वोट मिले। उनकी प्रचार टीम ने कहा था, जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के कामकाजी वर्ग के लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करने के वास्ते मेयर पद का चुनाव लड़ रहे हैं।

युवा नेता ममदानी को युवाओं और कामकाजी वर्ग के न्यूयॉर्कवासियों के बीच भरपूर समर्थन मिला, जो देश में कठिन आर्थिक और राजनीतिक माहौल के बीच महंगाई और नौकरी की असुरक्षा के बोझ तले दबे हुए हैं। भारतीय मूल के ममदानी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं।

बहराइच में डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, चार लोगों की मौत

संवाददाता, बहराइच

● मृतकों में पति-पत्नी व उनका तीन साल का पुत्र शामिल

अमृत विचार : लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर घने कोहरे के बीच फखरपुर थाना क्षेत्र में मदन कोठी के पास बुधवार सुबह करीब छह बजे गिट्टी लदा अनियंत्रित डंपर बाइक को रौंदते हुए सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसे में बाइक सवार दंपति समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दंपति व उनका तीन साल का पुत्र भी शामिल है। सूचना मिलते ही मौके पर फखरपुर पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे और डंपर के नीचे दबे शवों को बाहर निकाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने डंपर समेत चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

फखरपुर से बहराइच की ओर जा रहे डंपर चालक आगे जा रही रोडवेज बस को देख नहीं सका। टक्कर से बचने के प्रयास में ट्रक चालक ने पहले वाहन को बाईं ओर मोड़ा, फिर दाईं ओर घुमा दिया। इसी बीच रोडवेज बस का पिछला हिस्सा डंपर से टकरा गया, जिससे वह अनियंत्रित हो गया। उसी समय विपरीत दिशा से आ रही बाइक डंपर की चपेट में आ गई। डंपर उसे घसीटते हुए सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसे में बाइक सवार चारो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। शवों की शिनाख्त चन्द्र किशोर (35) निवासी मानिकपुर भगवानपुर, थाना नानपारा व सीनू (28) पत्नी करन व करन (32) पुत्र राजकुमार सहित विक्की (3) पुत्र करन निवासी ललुही थाना खैरीघाट के रूप में हुई। ये लोग बाइक से सबाराबंकी के कोटवाधाम में कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित मेले में जा रहे थे। अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

महादेव सट्टेबाजी एप मामले में फरार आरोपी का पता लगाए ईडी

नई दिल्ली : शीर्ष कोर्ट ने ईडी को महादेव सट्टेबाजी ऐप के सह-संस्थापक रवि उप्पल का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने कहा कि सफेदपोश अपराध के आरोपियों के लिए अदालतों और जांच एजेंसियों को खिलौना बनाने नहीं दिया जा सकता है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी उप्पल के कानून से बचने पर गंभीर नाराजगी जताई और कहा, यह अदालत के विवेक को झकझोरता है, अब कुछ करना ही होगा। बताया जाता है कि भारत में प्रवर्तन एजेंसियों से बच रहा उप्पल दुबई से किसी अज्ञात स्थान पर भाग गया है।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

देव दीपावली पर लाखों दीपों से जगमगाया गंगा घाट : देव दीपावली की शुरुआत बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नमो घाट पर पहला दीप जलाकर की। उनके साथ पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने भी दीप प्रज्ज्वलित कर मां गंगा को नमन किया। इसके बाद सभी विशिष्ट अतिथियों ने क्रूज पर सवार होकर मां गंगा की आरती के साथ घाटों पर सजी देव दीपावली के अद्भुत नजारे का अवलोकन किया।

काशी में लाखों श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान

राज्य ब्यूरो, लखनऊः

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर वाराणसी में गंगा घाटों पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र नदी में आस्था की डुबकी लगाई।

- **कार्तिक पूर्णिमा पर नदी के घाटों पर उमड़े लोग**

बुधवार तड़के से ही अस्सी घाट से राजघाट तक और गंगा-गोमती के संगम पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। सूर्य की पहली किरण के साथ गंगा में पूर्णिमा का स्नान शुरू हुआ। देश-विदेश से आए लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पुण्य अर्जित किया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वाराणसी के विभिन्न घाटों पर देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने विधि-विधान के साथ गंगा में डुबकी लगाकर आस्था व्यक्त की। गंगा आरती, भजन-कीर्तन और दीपदान के दृश्य ने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर यह अपने चरम पर दिखाई दिया।

कार्तिक पूर्णिमा पर काशी में गंगा घाट पर पवित्र स्नान करते देशी-विदेशी श्रद्धालु।

न्यूज ब्रीफ

आरोग्य मंदिर संचालन को 10.9 करोड़ स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : भारत सरकार द्वारा 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर कंपोनेंट के मद में दो अरब 20 करोड़ 30 लाख 85 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। उक्त क्रम में ही चिकित्सा विभाग द्वारा 1013 अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर और नए स्वीकृत 147 अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के संचालन के लिए 10 करोड़ 90 लाख रुपये जारी किए गए हैं।

टीवी चैनल के लिए सपा के 89 प्रवक्ता घोषित

अमृत विचार, लखनऊ : टीवी चैनल में समाजवादी पार्टी का पक्ष रखने के लिए सपा ने राजधानी लखनऊ के लिए 17 प्रवक्ताओं के साथ कुल 89 प्रवक्ताओं की घोषणा कर दी है। पार्टी हाई कमान द्वारा प्रवक्ताओं की सूची जिलेवार जारी की गयी है। पार्टी प्रवक्ता के अनुसार, बिहार चुनाव के अलावा आगामी चुनाव और राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा के लिए अधिकृत प्रवक्ता घोषित किए गए हैं।

बिजली कर्मियों का 14 को ध्यानाकर्षण प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : यूपीपीसीएल प्रबंधन द्वारा उपकेंद्रों के परिचालन और अनुरक्षण कार्य में तैनात लगभग 25 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों की छंटनी के विरोध में बिजली कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। इस मुद्दे सहित कई अन्य लंबित समस्याओं को लेकर निविदा संविदा कर्मचारी संघ 14 नवम्बर को प्रदेशभर में ध्यानाकर्षण प्रदर्शन करेगा। राजधानी में यह कार्यक्रम मध्यांचल वितरण निगम के एमडी कार्यालय के सामने आयोजित होगा। संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने 18 सितम्बर को जारी अपने ही आदेशों की अनदेखी की है। छटनी के बाद उपकेंद्रों के लिए कर्मचारियों की नई तैनाती से संबंधित मानक समिति की रिपोर्ट पांच माह बाद भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने बताया कि 55 वर्ष की आयु का हवाला देकर कर्मचारियों को हटाना पूरी तरह मनमाना कदम है।

1675 वाहनों के चालान, 38 सीज

अमृत विचार, लखनऊ : यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर बुधवार शहर में 1675 वाहनों का चालान किया गया। यातायात माह के तहत ट्रैफिक पुलिस की टीमों ने शहर के विभिन्न चौराहों/तिराहों पर वाहनों की जांच की। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान दो पहिया वाहन पर हेलमेट न पहनने पर 815, नो-पार्किंग का उल्लंघन करने पर 209, दोषपूर्ण नम्बर प्लेट पर 91, बिना बीमा पर 21, रांग साइड पर 54 और ट्रिपलिंग पर 200 वाहनों का चालान किया गया। इसके अलावा 38 वाहन सीज कर उन्हें संबंधित थानों में खड़ा करा दिया गया। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने बताया कि वाहनों की जांच के दौरान ट्रैफिक पुलिस की टीमों ने वाहन स्वामियों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरुक भी किया।

एसआईआर को गंभीरता से ले पसमांदा समाज

अमृत विचार, लखनऊ : पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीस मंसूरी ने सभी नागरिकों, विशेषकर मुसलमानों से अपील की है कि वे एसआईआर प्रक्रिया को गंभीरता से लें और अपने दस्तावेज़ों के साथ अपना नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि 2003 की सूची में नाम वाले लोगों के लिए प्रक्रिया सरल है। अनीस मंसूरी ने कहा कि एसआईआर केवल फॉर्म भरने का काम नहीं है, बल्कि यह अपने लोकतांत्रिक अधिकार को मजबूत करने का अवसर है। इसे गंभीरता से लें और वोट के साथ अपनी पहचान जोड़ें।

पहले पशुओं का चारा खाया, अब आए तो गरीबों का राशन खा जाएंगे

बिहार की चुनावी जनसभा में मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर कसा तंज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में तमाम व्यस्तताओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को भी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार करने पहुंचे। योगी ने वहां भाजपा के विकास कार्यों को गिनाया तो राजद-कांग्रेस गठबंधन पर करारा प्रहार भी किया। मुख्यमंत्री सूचना परिसर लखनऊ से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, योगी ने वहां कहा कि कांग्रेस व राजद झूठे वायदे कर रहे हैं, पहले यह पशुओं का चारा खाए, अब अवसर दिया तो गरीबों का राशन खा जाएंगे। योगी ने अपील की कि कांग्रेस-राजद की घोषणा पर विश्वास न करना, क्योंकि जो राम का नहीं, वह हमारे किसी काम का नहीं। जो रामद्रोही है, वह हमारा भी विरोधी है। रामद्रोही रामराज्य नहीं ला सकता, वह जंगलराज ही लाएगा।

योगी के मुताबिक, बिहार में आज एनआईटी, आईआईएम, एम्स, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज आदि की लंबी श्रृंखला है। बिहार का नौजवान दुनिया में फिर से अपनी मेधा की छाप छोड़ रहा है और बिहार के विकास में भी योगदान दे रहा है। 11 वर्ष में मोदी जी ने विकास व विरासत का सम्मान किया है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की विकास योजनाओं को भी गिनाया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2005 के पहले बिहार में अपराध, जातीय संघर्ष, माओवाद, नक्सलवाद था। यूपी-बिहार के नाम पर देश-दुनिया में सम्मान नहीं मिलता था। बिहार में लालू प्रसाद यादव के शासन में 60 से अधिक जातीय नरसंहार, 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, संभ्रांत व्यक्ति सुरक्षित नहीं थे। बिहार के 30-40 फीसदी लोगों की आबादी गोरखपुर व वाराणसी में है, क्योंकि उस समय जंगलराज था, लेकिन नीतीश बाबू के नेतृत्व में 20 वर्ष में सुशासन की सुदृढ़ नींव रखी गई। बिहार में रोड, रेल, एयर कनेक्टिविटी के साथ अब वाटरवे की कनेक्टिविटी बिहार से होते हुए यूपी को जोड़ रही है। किसानों के उत्पाद हों या बिहार का मखाना, जल मार्ग से दुनिया के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है।

बिहार में आयोजित चुनावी सभा में संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

- **बोले, ठगी की दुकान खोलकर चुनाव के बहाने आपके बीच आए हैं महागठबंधन वाले**

जंगलराज फिर नहीं आने देना है : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस व राजद ने बिहार के नागरिकों के सामने पहचान, बहन-बेटियों, व्यापारियों व उद्यमियों के सामने सुरक्षा का संकट खड़ा किया था तो किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया। आज जो लोग घोषणाएं कर रहे हैं, वह लोग महागठबंधन बनाकर ठगी की दुकान खोलकर चुनाव के बहाने आपके बीच आए हैं, फिर से जंगलराज नहीं आने देना है।

गुरु नानक देव के संदेश देश की सामाजिक व्यवस्था की नींव : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व पर राजधानी लखनऊ के डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

- **556वें प्रकाश पर्व पर सिख गुरुओं के सम्मान में मुख्यमंत्री ने शीश नवाया**

इस दौरान उन्होंने सिख गुरुओं के सम्मान में अपना शीश नवाया और दर्शन किए। समारोह में कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री का स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी भारत के एक उच्च कोटि के आध्यात्मिक महापुरुष थे, जिन्होंने 500 वर्ष पहले समाज के संगठन, समानता और सेवा का जो संदेश दिया, वही आज भारत की सामाजिक व्यवस्था की नींव है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उस काल में जब देश बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं की बर्बरता झेल रहा था, जब मंदिर तोड़े जा रहे थे, आस्था पर प्रहार हो रहे थे, तब भी गुरु नानक देव जी बिना भय, बिना दबाव समाज को मार्गदर्शन दे रहे थे। उन्होंने मिल-बांटकर खाने, गरीबों की मदद करने और एकजुट समाज बनाने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर समाज में एकता और धर्म की मजबूती का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज जब कुछ क्षेत्रों में धर्मांतरण जैसी गतिविधियां दिखाई देती हैं, तो हमें सिख पंथ की मूल भावना- एकता, संगठन और सेवा को और सशक्त करना होगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हम मजबूत रहेंगे, तो हर कोई हमारी आस्था का सम्मान करेगा। सिख गुरुओं और महापुरुषों का बलिदान हमारे लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई दी।

गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व पर लखनऊ में आयोजित समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट करते सिख समुदाय के लोग।

बिहार में भाजपा को 30 वर्ष की सरकार का हिसाब देना है : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे बिहार में इंडिया गठबंधन के पक्ष में बदलाव की बयार चल रही है। पूरा देश बिहार की तरफ देख रहा है। बिहार की जनता ने हमेशा देश को संदेश देने का काम किया है। बिहार में सरकार बदलेगी। इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। नयी सरकार में नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिलेगा।

सपा प्रमुख ने बुधवार को बिहार में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में चार चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बिहार की जनता केंद्र की भाजपा सरकार के 10 साल और प्रदेश की एनडीए सरकार के 20 सालों का हिसाब देगी। बिहार में भाजपा को 30 सालों की सरकार का हिसाब देना है। भाजपा ने बिहार को महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और पलायन के अलावा कुछ नहीं दिया है। भाजपा ने बिहार के बजट की लूट की है। बिहार का बजट बिहार के विकास पर खर्च होना चाहिए। बिहार से भाजपा का बंडलराज खत्म करना है।

अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार के चुनाव में जनता के बीच तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनने को लेकर उत्साह है। तेजस्वी यादव सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेंगे। सभी को नौकरी और रोजगार मिलेगा, सभी को सम्मान और न्याय मिलेगा। हर घर को 200 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे।

बिहार में मायावती की एंट्री, चुनावी सभा आज

अमृत विचार, लखनऊ : बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में अब बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया और उप्र. की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की भी एंट्री हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बाद अब मायावती भी बिहार के रण में उतरने जा रही हैं। बसपा प्रमुख गुरुवार को कैमूर जिले के भभुआ में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगी। यह सभा भभुआ हवाई अड्डे के समीप आयोजित की जाएगी, जिसमें पड़ोसी जिलों और आसपास के विधानसभा क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों के पहुंचने की संभावना है। बसपा इस बार बिहार विधानसभा चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ रही है और लगभग सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और मायावती के भतीजे आकाश आनंद, राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर रामजी गौतम, तथा अनिल सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता लगातार बिहार में प्रचार अभियान में जुटे हुए हैं। बसपा की इस सक्रियता से चुनावी माहौल में नया उत्साह और सियासी हलचल बढ़ गई है। मायावती की भभुआ रैली बसपा के लिए बिहार में नए राजनीतिक समीकरणों की दिशा तय कर सकती है।

श्रमिकों की बेटियों के विवाह पर मिलेंगे 85 हजार रुपये

प्रदेश सरकार ने बढ़ाई कन्या विवाह सहायता राशि, आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन और निशुल्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने निर्माण श्रमिकों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। राज्य के भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित कन्या विवाह सहायता योजना में आर्थिक सहायता राशि में बढ़ोतरी की गई है। अब सामान्य विवाह के लिए 65 हजार रुपये, अंतर्जातीय विवाह के लिए 75 हजार रुपये और सामूहिक विवाह के लिए 85 हजार रुपये प्रति जोड़े की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त 15 हजार रुपये आयोजन के लिए अलग से उपलब्ध कराया जाएगा।

- **सामान्य विवाह पर 65,000 रुपये, अंतर्जातीय विवाह पर 75,000, सामूहिक विवाह पर 85,000 रुपये तक की सहायता**
- **आयोजन के लिए मिलेंगे अलग से 15,000 रुपये**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि श्रमिक परिवार समाज की रीढ़ हैं। उनकी बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग देना सरकार का मानवीय कर्तव्य है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी श्रमिक बेटी बिना चिंता के अपने जीवन का नया अध्याय शुरू कर सके। इसी क्रम में सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की संपूर्ण व्यवस्था श्रम विभाग एवं बोर्ड द्वारा की जाएगी, ताकि श्रमिक परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। विवाह आयोजन में सुरक्षा, आवास, परिवहन और भोजन की सभी व्यवस्थाएं विभाग द्वारा सुनिश्चित की जाएंगी।

बोर्ड की सचिव पूजा यादव ने बताया कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का उद्देश्य हर पंजीकृत श्रमिक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कन्या विवाह सहायता राशि में वृद्धि से श्रमिक परिवारों को सीधा और ठोस लाभ मिलेगा। वर्तमान में 1.88 करोड़ से अधिक श्रमिक बोर्ड में पंजीकृत हैं।

पंजीकृत श्रमिक मात्र 20 रुपये एकमुश्त पंजीकरण शुल्क और 20 रुपये वार्षिक अंशदान देकर योजनाओं के पात्र बन सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन एवं निःशुल्क है। श्रमिक www.upbocwboard.in वेबसाइट या जन सेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

नर्सिंग कॉलेजों की खाली सीटों पर होगी सीधी भर्ती

अमृत विचार, लखनऊ : नर्सिंग कॉलेजों में जीएनएम पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए कॉलेज प्रशासकों को छूट मिल गयी है। कॉमन इंट्रेंस परीक्षा और काउंसिलिंग के माध्यम से सभी सीटें फुल न होने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने छूट दी है। उप्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी के रजिस्टार डॉ.अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि जो अथ्यर्थी इंट्रेंस परीक्षा दिए हैं और दाखिला नहीं पाए हैं, उन्हें पुनः मौका मिलेगा। मालूम हो कि प्रदेश में आठ सरकारी और 450 निजी नर्सिंग कॉलेज हैं। इनमें कुल 20648 सीटों में अभी तक 5082 सीटें रिक्त हैं।

आयुष्मान के क्लेम में मरीज व डॉक्टर के फोटो भी लगेंगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत योजना) को डिजिटली सुदृढ़ बना दिया गया है। अब क्लेम प्रस्तुत करते समय अस्पतालों को मरीज और डॉक्टर की तस्वीरें पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है। एनआईएचए (नेशनल इन्फॉर्मेशन हेड क्वार्टर एजेंसी) और एसआईएलए (सिस्टम इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड लॉजिस्टिक एजेन्सी) ने इसे तकनीकी रूप से सशक्त बनाया है। सुरक्षा के उपायों से इन पोर्टल्स में सेंधमारी आसान नहीं होगी।

उप्र. में योजना संचालन की नोडल एजेंसी (स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड) की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बुधवार को बताया कि अब आयुष्मान भारत योजना से जुड़े सभी पोर्टलों पर आधार-आधारित ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया गया है। इससे योजना में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी। इसके अलावा पोर्टलों पर उपयोगकर्ताओं के पासवर्ड सुरक्षित रखने के अलावा बायोमेट्रिक सत्यापन भी लागू कर दिया गया है। जिससे पोर्टल्स पर दो-स्तर से सत्यापन और डेटा सुरक्षा में वृद्धि होगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा आर्टिफिशियन इंटेलिजेंस तकनीकी का उपयोग कर अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत दावों की पहचान की जाएगी। संदिग्ध कार्ड्स के भौतिक सत्यापन के लिए जिला अधिकारियों को भेजा जाएगा। मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बताया कि नियमों के सख्त होने से मरीजों को इलाज में गुणवत्ता और प्रामाणिकता मिलेगी।

- **धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए ई-केवाईसी व बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य**

आयोजन | **सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 से विधानसभा क्षेत्र स्तर पर शुरू होंगी पदयात्राएं**

यात्रा समापन तक साथ रहेंगे भाजपा के 1000 कार्यकर्ता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 नवंबर से विधानसभा स्तर पर प्रारंभ होने वाली पदयात्राएं प्रत्येक विधानसभा में 8 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए शहर, गली, गांव तक पहुंचेगी। भाजपा के 1000 से अधिक कार्यकर्ता यात्रा प्रारंभ स्थान से लेकर समापन तक साथ रहेंगे। इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठन, व्यापारी संगठन, एनजीओ, मजदूर, किसान, अधिवक्ता, शिक्षक, युवा तथा महिलाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले संगठन भी पदयात्रा में साथ चलेंगे।

- **पार्टी पदाधिकारियों ने तैयारी को लेकर किया वर्चुअल संवाद**

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह के साथ प्रदेश, क्षेत्र एवं जिला टीम के साथ बुधवार को वर्चुअल संवाद किया। सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 नवम्बर से विधानसभा स्तर क्षेत्र पर प्रारंभ होने वाली पदयात्राओं की तैयारियों की समीक्षा के साथ प्रभावी कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। सुनील बंसल ने कहा कि पद यात्राओं में प्रत्येक 2 किलोमीटर पर पड़ाव रहेगा। इस तरह पूरी यात्रा के दौरान कुल 4 पड़ाव होंगे। प्रथम पड़ाव पर पौधरोपण के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। द्वितीय पड़ाव पर किसी खिलाड़ी, साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी नेता, अभिनेता, अधिवक्ता जैसे किसी विशिष्ट व्यक्ति का उद्बोधन होगा। जबकि तृतीय पड़ाव पर गायन, नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सरदार पटेल के योगदान का मंचन किया जाएगा।

पार्टी नेताओं के साथ वर्चुअल संवाद करते धर्मपाल सिंह, साथ में अन्य।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान में मुस्तैदी से जुटें

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बुधवार को मतदाता पुनरीक्षण अभियान की बैठक को सम्बोधित करते कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पदाधिकारी तथा जनप्रतिनिधि को अभियान में मुस्तैदी से जुटना है और हर गांव, हर घर, हर व्यक्ति तक पहुंचकर सभी पात्र लोगों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाना है। धर्मपाल सिंह बाराबंकी में मंडल अध्यक्षों एवं विधानसभा संयोजको को सम्बोधित कर रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

कुशीनगर, अमृत विचार : कप्तानगंज थाना क्षेत्र में बुधवार की शायं दाड़ी टोला के समीप तेज रफ्तार ट्रक के चपेट में आने से ठेले पर फुल्की बेच रहे युवक की मौत हो गई वहीं एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां डाक्टरों ने युवक को मृत्यु घोषित कर दिया।मृतक की पहचान विजय राठौड़ जनपद झांसी के रूप में हुई। मृतक मथौली नगर पंचायत में रहकर ठेले पर घूम कर फुलकी बेचता था। घायल व्यक्ति का इलाज जारी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई में जुट गई।

महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह व प्रभारी निरीक्षक ढेबरूआ नारायन लाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में बुधवार को पुलिस ने क्षेत्र के गांवों में चौपाल लगाकर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया। मिशन शक्ति केन्द्र थाना शोहरतगढ़ व ढेबरुआ की टीम ने महिलाओं के उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। मुसीबत के समय पुलिस से सहायता लेने के बारे में बताया। साथ ही महिलाओं के हित में चल रहीं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत लेदवा, मनिकौरा, सेमरहवा में चौपाल लगाकर मिशन शक्ति व साइबर क्राइम, मिशन शक्ति केन्द्र, बहू-बेटी सम्मेलन एवं नये कानून के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। इस दौरान थाना शोहरतगढ़. के उप निरीक्षक राजकुमार यादव, महिला आरक्षी मंजू सरोज सहित थाना ढेबरुआ के उप निरीक्षक कुंज बिहारी, हेड कांस्टेबल बृजेश कुमार, महिला कांस्टेबल आरती मिश्रा मौजूद रहीं।

बाणगंगा नदी के घाट पर स्नान पर्व संपन्न

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के निर्देशन में एवं एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़.मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़.नवीन कुमार सिंह द्वारा कार्तिक पूर्णिमा स्नान के दृष्टिगत शोहरतगढ़.पुलिस द्वारा बाणगंगा नदी के घाट पर श्रद्धालुओं द्वारा आस्था पूर्ण स्नान को सकुशल सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत राजमार्ग-730 शोहरतगढ़.-ढेबरुआ पर विशेष पुलिस व्यवस्था की गई थी।

कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में लगाई आस्था की डुबकी

सरयू और राप्ती नदी के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने किया स्नान

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि पर हजारों श्रद्धालुओं ने बुधवार को जिले के सरयू नदी और राप्ती नदी के घाटों पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई। इसके साथ ही कथा सुनकर कढ़ाई चढ़ाया और दान भी किया। सर्वाधिक स्नान करने वालों की भीड़ धनघटा क्षेत्र के बिडहर घाट पर रही। कार्तिक पूर्णिमा हो या माघी अमावस्या, इस पर्व पर सरयू नदी और राप्ती नदी में स्नान करने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को धनघटा क्षेत्र के बिड़हर घाट स्थित सरयू नदी पर स्नान करने वालों की भारी मात्रा में मौजूदगी रही। यहां पर अंबेडकर नगर, आजमगढ़, बस्ती, गोरखपुर आदि जनपदों से स्नान करने के लिए श्रद्धालु पहुंचे थे। सुबह 4:00 से हर हर गंगे जय घोष के साथ लोग गोता लगाना शुरू कर दिए। जो दोपहर तक चलता रहा। तहसील धनघटा प्रशासन के मुताबिक सरजू नदी में करीब 15 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने विभिन्न घाटों पर पहुंचकर स्नान किया। इसी प्रकार मेंहदावल विकास खंड क्षेत्र के करमैनी में स्थित राप्ती नदी के घाट पर श्रद्धालुओं ने स्नान किया। मेंहदावल तथा कैंपियरगंज पुलिस ने स्नान घाट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। जहां, सुबह होते ही श्रद्धालु पहुंचकर राप्ती नदी में स्नान किए। इसके साथ ही लोगों ने गोदान कर पुण्य कमाया। प्रकाश प्रबंधन के साथ ही सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन तत्पर दिखाई दिया।पूर्णिमा मेला के कारण इस मार्ग पर आवागमन बाधित रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूर्णिमा पर्व के अवसर पर राप्ती नदी में स्नान किया। नदी के तट पर लगे मेले में लोगों ने जमकर खरीदारी किया। इस मौके पर महिलाएं जहां अपनी जरूरत के सामान खरीदते हुए देखे गए वहीं पर बच्चों ने खिलौना खरीद कर अपने मनोरंजन का साधन प्राप्त किया।

बिड़हर घाट स्थित सरयू नदी में स्नान करने के बाद पुण्य दान करते श्रद्धालु। अमृत विचार

कथा सुना और कढ़ाई चढ़ाकर मांगी मन्नतें

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालु स्नान करने के बाद माता गंगा जी को कपूर जलाकर कथा सुने, कढ़ाई चढ़ाया और गोदान करके पुण्य अर्जित किए। पंडित दीनदयाल मिश्र ने बताया कि इस पवित्र अवसर पर गंगा तट पर स्नान ध्यान करने का महत्व ही कुछ और होता है। गंगा जी पापों का का नाश करती हैं।

सुरक्षा का रहा पुख्ता इंतजाम

मेले में चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात रहे। पुलिस ने बड़े वाहनों को रोककर जहां मेला क्षेत्र में जाम की समस्या उत्पन्न होने नहीं दी वहीं मेले में शांति व्यवस्था बहाल रही। मेला क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी तो थी ही साथ ही साथ पुल पर खड़ा होकर पुलिस के जवान निगरानी करते हुए देखे गए। जबकि, बिडहर घाट पर स्नान करने वालों की संख्या अनुमान से ज्यादा थी। लेकिन, धनघटा, नेतवापुर में किए गए रूट डायवर्जन के कारण कहीं पर जाम की समस्या उत्पन्न नहीं हुई। धनघटा और नेतवापुर में बैरियर लगाकर पुलिस ने मेला क्षेत्र में चार पहिया वाहनों का प्रवेश वर्जित कर दिया था।

छोटी गंडक किनारे उमड़ा श्रद्धा का जन सैलाब

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार की सुबह जिले के विभिन्न नदियों में लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई और दान पुण्य कर सुख समृद्धि की कामना की। हेतिमपुर में छोटी गंडक के किनारे श्रद्धा का सैलाब दिखा। हजारों श्रद्धालुओं ने नदी के पवित्र जल में स्नान कर दान पुण्य किया। जिले की पवित्र नारायणी नदी, बांसी नदी, छोटी गंडक नदी में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान ध्यान किया।

बांसी मेले में बाहर से आए झूला, सर्कस, जादूगर आदि आकर्षण का केंद्र बने रहे। जिसमें खासकर बच्चों एवं युवाओं की अच्छी खासी भीड़ देखी गई। बांसी मेले में आए श्रद्धालुओं के निशुल्क भोजन और विश्राम व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।सेवरही में बांसी नदी के शिवा घाट व पिपराघाट में बांसी व नारायणी नदी के संगम स्थल पर श्रद्धालुओं ने स्नान किया। इसके अलावा पांडेयपट्टी, गौरी घाट, बीरवट व अहिरौली दान में भी लोगों ने स्नान और दान किया। बांसी घाट पर श्रद्धालुओं ने की गंगा आरती की, घाटों पर मेला जैसा माहौल रहा। नगर पंचायत की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इंतजाम कराया गया था। पुलिस प्रशासन व्यवस्था को लेकर चौकस नजर आया।थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। छोटी गंडक नदी के हेतिमपुर अथरहां, सिकटिया, दुबौली, सहित अन्य घाटों पर लोगों ने स्नान के बाद दान किया। इस दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

छोटी गंडक नदी के हेतिमपुर स्थित घाट पर स्नान करते श्रद्धालु।

श्रद्धालुओं ने किया स्नान, पुलिस रही मुस्तैद

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को शोहरतगढ़ क्षेत्र स्थित बाणगंगा बैराज बांध के पास बाणगंगा नदी में देव दीपावली मनाई गई। इस दौरान स्नान और पूजन के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े। भोर से ही आस-पास के कई गांवों जैसे नकथर, छतहरी, परसिया, छतहरा, गड़ाकुल, शोहरतगढ़, नीबी दोहनी, नारायनपुर, मेड़वा, परसोहिया नानकार, कोमर, झरुवा, भेलौजी, खमरिया, पतियापुर, मकड़ौर और मसीना बगुलहवा सहित तमाम जगहों से लोग समूहों में बाणगंगा नदी तट पर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई, दीपदान किया और भगवान शंकर, विष्णु तथा गंगा माता की पूजा-अर्चना की। पुरुष, महिलाएं और बच्चे सभी ने उत्साहपूर्वक इस पर्व में भाग लिया। संध्या के समय नदी तट दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। सुरक्षा व्यवस्था के लिए शोहरतगढ़ थाना अध्यक्ष नवीन कुमार सिंह और निरीक्षक सुबाष यादव भारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। पुलिस टीम ने श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थित तरीके से स्नान और पूजन कराने में सहयोग किया।

साहित्यकार रामदास मिश्र को दी श्रद्धांजलि

कुशीनगर, अमृत विचार: निराला शब्द संवाद मंच कुशीनगर द्वारा बुधवार को डॉ ओमप्रकाश द्विवेदी ओम की अध्यक्षता में प्रख्यात साहित्यकार डॉ रामदरश मिश्र को श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित साहित्यकारों ने दिवगंत प्रोफेसर डॉ रामदरश मिश्र के प्रति शब्दांजलि अर्पित की। संचालन डॉ संजय मिश्र ने किया। मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर डॉ सुधाकर तिवारी ने डॉ रामदरश मिश्र हिंदी साहित्य के साधक थे, सरस्वती के उपासक थे। श्रद्धांजलि सभा में डॉ रामनरेश दूबे, राजकुमार भट्ट बावरा, डॉ माधुरी तिवारी, डॉ स्नेहा प्रदीप मिश्रा , भूपेन्द्र राय गंवार ने अपने सम्बोधन में प्रोफेसर मिश्र के कृतित्व की चर्चा की और शब्दांजलि दी।

मोरंग-बालू लादने को बिहार जा रहा ट्रक डड़वा चौराहे से चोरी

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने एसीजेएम कोर्ट के आदेश पर बुधवार को एक ट्रक की गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज किया है। यह ट्रक 26 अगस्त 2025 की रात बस्ती से मोरंग-बालू लादने बिहार जा रहा था, जो रास्ते में डड़वा चौराहा के पास से रहस्यमय तरीके से गायब हो गया था।

बेलहर थाना क्षेत्र के समन्थ गांव निवासी जलालुद्दीन शाह पुत्र मुस्तफा शाह के मुताबिक उन्होंने न्यायालय में अपने ट्रक की गुमशुदगी के संबंध में कोर्ट में अर्जी दाखिल किया था। बताया कि ट्रक उनके पुत्र शमीम के नाम से है। जबकि वह खुद ट्रक को चलते हैं। 26 अगस्त की रात में लगभग 9:30 बजे ट्रक का इंजन कोतवाली क्षेत्र के डड़वा चौराहा के पास अचानक गर्म होकर बंद हो गया। कई प्रयासों के बाद भी जब ट्रक स्टार्ट नहीं हुआ, तो वह मिस्त्री की तलाश में टेमा बाजार चले गए। देर रात जब वे करीब 11:30 बजे वापस लौटे तो ट्रक मौके से गायब मिला। उन्होंने तत्काल काटे पुलिस चौकी पर सूचना दी, लेकिन वहां मौजूद सिपाही ने अगले दिन थाना कोतवाली खलीलाबाद जाकर रिपोर्ट देने की सलाह दी। जलालुद्दीन ने अगले दिन यानी 27 अगस्त को थाना खलीलाबाद में लिखित तहरीर दी, परंतु पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बजाय जांच की बात कही। कई दिनों तक थाना के चक्कर लगाने के बाद कार्रवाई न होने पर उन्होंने न्यायालय की शरण ली।

धूमधाम से मना गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। सिख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव का 556वें प्रकाश पर्व बुधवार को जनपद में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान शहर के गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। वहीं, लोगों ने गुरुदेव के उपदेश को आत्मसात करते हुए सेवा, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अमृत वेले सुबह 4 बजे जपजी साहिब पाठ से हुआ। तत्पश्चात प्रातः 6 बजे सिख संगत द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई, जो गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा से प्रारंभ होकर समय माता मंदिर, राम जानकी मंदिर, गोला बाजार, बैंक चौराहा होते हुए पुनः गुरु घर में संपन्न हुई।

प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालुओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। संगत ने गुरु वाणी का मधुर कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण किया। शहर की गलियां सतगुरु नानक प्रगटया, मिट्टी धुंध जग चानन होया... के जयघोष से गूंज उठीं। प्रभात फेरी के उपरांत शब्द कीर्तन, अरदास तथा अटूट लंगर सेवा का आयोजन किया गया। इसमें श्रद्धालुओं ने प्रेम और समर्पण भाव से भाग लिया। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के प्रधान सरदार अजीत सिंह ने बताया कि सायंकाल दीवान सजाया गया। जिसमें गुरु महाराज के शब्द कीर्तन, पाठ साहिब की समाप्ति, लंगर और जमकर आतिशबाजी हुई। संगत ने गुरु नानक देव के उपदेश नाम जपो, कीरत करो, वंड छको... को आत्मसात करते हुए सेवा, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। पूरा गुरुद्वारा पूरे दिन भक्ति, आनंद और एकता की भावना से ओतप्रोत रहा। इस अवसर पर सरदार सतविंदर पाल सिंह 'जज्जी', प्रीतपाल सिंह, हरभजन सिंह, मदन सिंह, परविंदर सिंह, मनजीत सिंह, जसविंदर सिंह, सुखमन सिंह, हरप्रीत सिंह, अमरजीत सिंह, आशु सिंह, सिमरत सिंह, हर्ष सिंह, सिमरदीप सिंह, प्रभजोत सिंह, सचदीप सिंह, त्रिलोचन सिंह, मानक सिंह, परमजीत सिंह राणा, शैंकी सिंह, श्रेष्ठ जायसवाल, अगम सिंह, अमृत सिंह, आदि मौजूद थे।

शहर में प्रभात फेरी के दौरान भजन- कीर्तन करते सिख पंथ के लोग।

- **शहर में सिख धर्म के लोगों ने निकाली भव्य प्रभात फेरी**

जिले में पहुंची नकली नोटों की खेप

मेंहदावल(संतकबीरनगर)

अमृत विचार। दीपावली के आसपास जिले में नकली नोटों की बड़ी खेप पहुंचने से खुफिया तंत्र की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि मेंहदावल नगर के एक युवक ने महाराष्ट्र से करीब दस लाख रुपये के नकली नोट लाकर क्षेत्र में खपाने की कोशिश की। दीपावली की रात जुए में हार-जीत के दौरान जब वही नोट बाजार में खर्च करने पहुंचे, तो पूरा मामला खुल गया।

सूत्रों के अनुसार, मेंहदावल क्षेत्र का एक युवक दीपावली की रात जुआ खेला और उसमें कई नोट हार गया। कुछ दिन बाद जुआ जीतने वाले युवक ने मेंहदावल कस्बे की एक दुकान पर उन्हीं नोटों से खरीदारी करने की कोशिश की, लेकिन दुकानदार को नोट पर शक हुआ। जांच करने पर पता चला कि नोट नकली हैं। मंगलवार की देर शाम क्षेत्र के नायक टोला मोहल्ले का एक युवक बस स्टेशन स्थित एक पान की दुकान से फुटकर ले रहा था, जिसमें उसे 200-200 रुपये के दो नोट और 100 रुपये का एक नोट मिला। रात करीब 9:30 बजे जब उसने उसी नोट से किराने की दुकान पर सामान खरीदा, तो दुकानदार ने बताया कि नोट नकली है। युवक ने तुरंत बस स्टेशन स्थित पान की दुकान पर फोन कर रुपये वापस करने की मांग की। इस बीच, जुए में हारने वाले युवक के घर लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन वह तब तक घर छोड़कर फरार हो चुका था। चर्चा है कि फरार युवक महाराष्ट्र से नकली नोटों की खेप लेकर आया था और दीपावली से पहले ही उसने विभिन्न स्थानों पर इन्हें खपाने की कोशिश भी की थी। बताया जा रहा है कि जुए में करीब ढाई लाख रुपये तक नकली नोट हारने की बात सामने आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले में नकली नोटों का नेटवर्क धीरे-धीरे फैल रहा है, जबकि खुफिया तंत्र और पुलिस प्रशासन इसकी भनक तक नहीं लगा पाए हैं। इससे जिले की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वहीं, सीओ सर्वदमन सिंह का कहना है कि अभी तक इस संबंध में मेंहदावल पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। यदि मामला सत्य पाया गया तो जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मेंहदावल कस्बा में खरीदारी करने आए युवक द्वारा दिया गया 100 का नकली नोट।

छठ यात्रियों की वापसी के लिए पूजा विशेष गाड़ियों का संचालन

गोरखपुर, अमृत विचार। छठ महापर्व के बाद यात्रियों की वापसी यात्रा के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा 05511/05512 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा वाया गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी का संचलन सहरसा से 7 नवम्बर को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 8 नवम्बर को किया जायेगा। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एस.एल.आर.डी. का 01, शयनयान श्रेणी के 06 तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 12 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे। इसके अलावा 05513/05514 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा वाया गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी का संचलन सहरसा से 8 नवम्बर को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 9 नवम्बर को किया जायेगा। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 14 तथा शयनयान श्रेणी के 08 कोचों सहित कुल 24 कोच लगाये जायेंगे। इसके अलावा 05517/05518 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा वाया गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी का संचलन सहरसा से 9 नवम्बर को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 10 नवम्बर को किया जायेगा। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 07 तथा शयनयान श्रेणी के 11 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

शिक्षा की गुणवत्ता, संवर्धन और अधिगम परिणामों के उन्नयन का संकल्प दोहराया

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। निपुण भारत मिशन अंतर्गत विजन एवं रणनीति कार्यशाला का आयोजन गत दिनों शहर के होटल में आयोजित हुआ। इसमें सिद्धार्थनगर तथा बलरामपुर जनपदों के खण्ड शिक्षा अधिकारियों, एसआरजी, एआरपी और डायट मेंटर्स ने प्रतिभाग किये। कार्यशाला की शुरुआत में सिद्धार्थनगर के बीएसए शैलेश कुमार व बलरामपुर बीएसए शुभम शुक्ला ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर, दीप प्रज्ज्वलित किया। कार्यशाला में राज्य परियोजना कार्यालय के टीम कंसल्टेंट शुभम जगपत और करिश्मा ने बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मक दक्षता एवं अभिनव शिक्षण-पद्धतियों पर एजेंडा आधारित बिंदुओं पर चर्चा करते हुए बेसिक शिक्षा की गुणवत्ता संवर्धन एवं अधिगम परिणामों के उन्नयन का संकल्प दोहराया। इस दौरान परख 2024 के परिणामों और आगामी रणनीति पर चर्चा, बालवाटिका के प्रभावी संचालन, संदर्शिका आधारित संरचित पेडागोजी, निपुण विद्यालय हेतु वार्षिक विशिष्ट लक्ष्यों पर चर्चा, सपोर्टिव सुपरविजन में शिक्षकों की हैंडहोल्डिंग व डिजिटल संसाधनों के प्रयोग की एसओपी पर विस्तृत जानकारी साझा की गई। इस दौरान बीएसए शैलेश कुमार ने कहा कि कार्यशाला आयोजन की यह पहल बाल शिक्षा को ज्ञान, कौशल एवं आत्मविश्वास की नवीन दिशा प्रदान करने वाला है। यह एक दूरदर्शी, परिणामोन्मुख एवं सतत् विकासोन्मुख प्रयास है। कार्यक्रम का संचालन एसआरजी अंशुमान सिंह ने किया। इस दौरान बीईओ महेंद्र प्रसाद, नीरज सिंह, कमला प्रसाद, रमेश कुमार, रामचन्द्र मौर्य, राम कुमार सिंह, संजय कुमार, अशोक सिंह, जिला समन्वयक अमित शुक्ला, उत्कर्ष श्रीवास्तव, विष्णु त्रिपाठी, शिवम पाठक, मारुति नन्दन, आनंदप्रकाश, पशुपतिनाथ दूबे, वैभव श्रीवास्तव, अरुण त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

कार्यशाला का शुभारंभ करते अतिथि।

निर्माणाधीन अग्निशमन केंद्र का लिया जायजा

संतकबीरनगर। डीएम आलोक कुमार एवं एसपी संदीप कुमार मीना ने बुधवार को संयुक्त रूप से धनघटा तहसील क्षेत्र के सिरसी गांव में निर्माणाधीन अग्निशमन केंद्र जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, भवन की संरचना, उपयोग हो रही सामग्री तथा कार्य की प्रगति का विस्तार से जायजा लिया। डीएम आलोक कुमार ने संबंधित कार्यदायी संस्था और विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य निर्धारित मानकों और समय सीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों, जल निकासी व्यवस्था, बिजली फिटिंग तथा फायर उपकरणों की स्थापना संबंधी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए, ताकि केंद्र शीघ्र संचालित होकर आपात स्थिति में नागरिकों को त्वरित राहत और सहायता उपलब्ध करा सके।

आकर्षण

हजारों किलोमीटर दूर से उड़कर आते हैं विदेशी मेहमान, नवंबर से फरवरी तक रहता है बसेरा

विदेशी परिंदे बने बखिरा मोती झील के मेहमान

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। सर्द हवाओं की आहट के साथ ही जनपद का प्रसिद्ध बखिरा पक्षी विहार एक बार फिर से विदेशी मेहमानों के कलरव से गुलजार हो उठा है। झील की लहरों पर प्रवासी पक्षियों की जलक्रीड़ा और उनकी मधुर चहचहाहट ने इस प्राकृतिक धरोहर की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए हैं। यह दृश्य अब पर्यटकों के लिए आकर्षण का बड़ा केन्द्र बन चुका है। लगभग 29 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैली यह झील संतकबीरनगर और गोरखपुर की सीमाओं को जोड़ती है। स्थानीय लोग इसे मोती झील के नाम से भी जानते हैं। हर वर्ष नवंबर से फरवरी तक यहां हजारों प्रवासी पक्षी डेरा डालते हैं। यूरोप, साइबेरिया, तिब्बत और चीन से आने वाले लालसर, हवासील, पोचार्ड, सुर्खाब, गोजू, पिंटेल जैसी कई प्रजातियां झील की शोभा बढ़ाती हैं। इनके साथ-साथ कैमा, वाटरहेन, राईटर, बगुला और सारस जैसी स्थानीय प्रजातियां भी आम तौर पर देखी जाती हैं। झील के दक्षिणी छोर पर वन विभाग द्वारा निर्मित वॉच टॉवर से लगातार निगरानी की जाती है ताकि पक्षियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। सर्दियों के इन महीनों में बखिरा झील सचमुच एक प्राकृतिक स्वर्ग में तब्दील हो गई है। जहां, प्रकृति और परिंदों का यह अद्भुत संगम हर आगंतुक को मंत्रमुग्ध कर देता है। बखिरा रेंज की क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रीति पांडे ने बताया कि वन विभाग की टीमें दिन-रात गश्त करती हैं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलते ही तत्काल कार्रवाई की जाती है। पक्षियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बखिरा पक्षी विहार में सुरक्षा और निगरानी करते वन विभाग कर्मी।

बाइकों की टक्कर में दो लोग घायल, गंभीर

संतकबीरनगर, अमृत विचार। मेंहदावल थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग कौवाठोर के पास दो बाइक सवारों की आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के लिए उन्हें मेंहदावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। चंदन चौरसिया (35) निवासी जनपद देवरिया करमैनी से मेंहदावल की तरफ बाइक से आ रहे थे। कौवाठोर के पास सन्नी सिंह (28) निवासी उत्तर पट्टी की बाइक से उनकी टक्कर हो गई। घटना में दोनों लोग सड़क पर गिर गए। वहां से गुजर रहे एसडीएम मेंहदावल संजीव कुमार राय ने एंबुलेंस के माध्यम से दोनों घायलों को उपचार के लिए मेंहदावल सीएचसी भेजवाया।

टीएससीटी का जिला एवं ब्लॉक कार्यकारणी सम्मान समारोह संपन्न

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: टीचर सेल्फ केयर टीम की स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने पर जिले और ब्लॉक कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों की बैठक कसया के एक निजी होटल में संपन्न हुई। बैठक में वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष अखिलेश मिश्रा ने टीएससीटी द्वारा संचालित सभी योजनाओं के बारे में उपस्थिति सभी ब्लॉक पदाधिकारियों के बीच साझा। किया। विगत 5 वर्षों से दिन रात अथक परिश्रम करके शिक्षकों का सहयोग कराने वाले ब्लॉक पदाधिकारियों और सक्रिय सदस्यो को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर जिला टीम द्वारा सम्मानित किया गया। अपने अपने ब्लॉक में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 9 सदस्यों को जिला सह संयोजक मनोनीत किया गया जिसमें हाटा ब्लॉक से ब्लॉक संयोजक पिंटू कुमार दूबे को जिला टीम में जिला सह संयोजक के पद पर भी मनोनीत किया गया। बैठक में जिले के सभी ब्लॉकों के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। जिला संयोजक अखिलेश कुमार यादव ने सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया और प्रवक्ता अशफाक अहमद ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को सम्मानित करते पदाधिकारी।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

8 को आएगी 1300 एमटी यूरिया

अमृत विचार, लखनऊ : जिले को रबी फसल के लिए आवंटित 1300 एमटी यूरिया की रैक शनिवार को आएगी। रैक आलम नगर स्टेशन के रैक प्वाइंट पर लगेगी। अपर जिला कृषि अधिकारी हर्षित त्रिपाठी ने बताया कि यूरिया की खेप आने पर निजी विक्रेताओं को दी जाएगी। रैक गुजरात से आएगी।

चलती बस में धुआं उठते देख पुलिस ने रोका

अमृत विचार, उन्नाव : बागेश्वर धाम सरकार से बस से दर्शन कर श्रद्धालु हरदोई लौट रहे थे। तभी बुधवार सुबह चार बजे बस उन्नाव-हरदोई मार्ग पर चंदन खेड़ा गांव के पास पहुंची ही थी कि बस में अचानक शार्टसर्किट होने से धुंआ निकलने लगा। प्वाइंट पर तैनात पीआरवी कांस्टेबल रवि नागर ने बस से चीख-पुकार सुनी तो बस का पीछा किया। उसने बस को रुकवाकर श्रद्धालुओं को बाहर निकाला ओर दूसरे वाहन से सभी को उत्मानपुर पेट्रोल पंप पहुंचाया। बस में 60 श्रद्धालु थे। बस ठीक होने पर श्रद्धालु गंतव्य को रवाना हो गए। सभी ने पुलिस टीम का आभार भी जताया। प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि सभी को सुरक्षित भेज दिया गया है।

श्रद्धालुओं से भरा ऑटो पलटा, छह घायल व दो रेफर

अमृत विचार, उन्नाव : कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए जाते समय बीती रात तीन बजे तेज रफ्तार ऑटो बिल्हौर मार्ग स्थित मदारनगर के पास पलट गया। इसमें एक वृद्धा सहित आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों में से पांच सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने युवक व महिला को गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हरदोई जिला के बेनीगंज क्षेत्र अन्तर्गत गांव भगतन पुरवा निवासी अनुज (25) पुत्र राम केशन, उसकी पत्नी अनीता (22), रिश्तेदार किरन (45) पत्नी रामखेलावन निवासी कटोली थाना कछोना, दुलारी (60) पत्नी दयाराम व पिंकी (21) पत्नी अमित निवासी भीरी थाना कछोना हरदोई व अमित ऑटो से गांव से गंगा स्नान के लिए बांगरमऊ क्षेत्र के नानामऊ गंगा तट जा रहे थे। अनुज व किरन को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

रिटायर्ड एसजीपीजीआई कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

बेटियों ने हत्या का लगाया आरोप, बिजनौर थाना क्षेत्र का मामला

संवाददाता, सरोजनीनगर

- रिश्तेदार दंपति के खिलाफ दी तहरीर

अमृत विचार: बिजनौर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एसजीपीजीआई से सेवानिवृत्त कर्मचारी राजेंद्र प्रसाद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। बेटियों ने अपने पिता की हत्या का आरोप लगाते हुए रिश्तेदार महिला और उसके पति के खिलाफ बिजनौर थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रसूलपुर इटुरिया मौलवी खेड़ा निवासी राजेंद्र प्रसाद (65) करीब चार वर्ष पहले एसजीपीजीआई से सेवानिवृत्त हुए थे। पत्नी के निधन के बाद वह बिजनौर में अपने मकान में रहते थे। उनके साथ रिश्तेदार निर्मला और एसजीपीजीआई का सफाईकर्मी पति प्रेम कुमार भी रहते हैं। मंगलवार रात राजेंद्र की अचानक तबीयत बिगड़ने पर निर्मला और प्रेम कुमार उन्हें पीजीआई लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। राजेंद्र की मौत की खबर मिलते ही उनकी बेटियां श्रीलता, शशि लता, प्रेमलता और सुमन लता अस्पताल पहुंची।

बेटियों का आरोप है कि निर्मला और उसके परिवार के लोग उनके पिता के साथ आए दिन मारपीट करते थे और मकान हड़पने की नीयत से उनकी हत्या की गई। उन्होंने बताया कि पिता ने मकान की जमीन निर्मला के नाम से खरीदी थी, लेकिन कुछ दिन पहले उन्होंने आधा मकान अपने नाम करवाने की बात कही थी, जिससे विवाद बढ़ गया था। इंस्पेक्टर शिव शंकर महादेवन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला हार्ट अटैक का प्रतीत होता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट होगा।

दो दिन से लापता युवक का शव गोमती में मिला

- अमृत विचार, लखनऊ : सआदतगंज क्षेत्र में दो दिन से गायब युवक का शव बुधवार को मड़ियांव स्थित गोमती नदी में उतराता मिला। युवक घरवालों से झगड़कर घर से गुस्से में निकला था। वापस न लौटने पर परिजन ने सआदतगंज कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज करायी थी। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा ने बताया कि बुधवार शाम करीब 5 :30 बजे सूचना मिली कि पीपा पुल के पास गोमती नदी में एक अज्ञात युवक का शव मिला है। मौके से पहुंची पुलिस ने शव को स्थानीय गोताखोरों की मदद से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शव दो से तीन दिन पुराना था। पुलिस ने शव की शिनाख्त के प्रयास किए। इस दौरान शव की पहचान लकड़मण्डी सआदतगंज निवासी अमन प्रजापति (22) पुत्र रमेश चंद प्रजापति के रूप में हुई। अमन रविवार को घर से नाराज होकर कहीं चला गया था। सआदतगंज इंस्पेक्टर संतोष आर्या ने बताया कि अमन शराब पीने का आदी थी। लापता होने वाले दिन अपना मोबाइल बेच दिया था। जिसकी वजह से परिजन ने डांटा था। इसके बाद वह घर से नाराज होकर निकल गया था। पिता रमेश चंद ने गुमशुदगी लिखवाई थी।

जन्मदिन पर उठी सातवीं के छात्र की अर्थी

अमृत विचार, लखनऊः निगोहां के मस्तीपुर गांव में बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद कक्षा 7 के छात्र अंश का शव घर पहुंचा। बुधवार को अंश के जन्मदिन की तैयारी चल रही थी। विधवा मां पूनम रोती हुए कह रही थी कि आज तो अंश का जन्मदिन मनाना था। ऊपर वाले से उसकी लंबी उम्र की दुआ करनी थी, लेकिन उसी की अर्थी विदा करनी पड़ रही है। यह देखकर वहां मौजूद हर किसी की आंखें नम हो गईं।

बताया जा रहा है कि पूनम के पति नरेश ने करीब ढाई साल पहले फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी। उसके बाद से पूनम अपने दोनों बेटों 12 वर्षीय अंश और 8 वर्षीय आदर्श की परवरिश के लिए लखनऊ के पीजीआई इलाके में घरों में चौका-बर्तन कर रही थीं। मंगलवार सुबह बच्चों के लिए खाना बनाकर काम पर चली गई थीं। शाम करीब चार बजे लौटीं तो कमरे में अंश साड़ी के फंदे से लटका मिला था।

सीएचसी में युवक व उसके नवजात बच्चे की हुई मौत

संवाददाता, हरपालपुर, हरदोई

- अस्पताल की छत से गिरकर पिता की हुई मौत, कुछ देर बाद वहीं भर्ती उसके नवजात बच्चे ने दम तोड़ा

अमृत विचार। पत्नी का प्रसव कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आया युवक संदिग्ध हालात में छत से गिरकर घायल हो गया। डॉक्टर ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। उधर पत्नी के प्रसव के बाद जन्मे उसके बच्चे की भी कुछ देर बाद मौत हो गई।

अरवल थाना क्षेत्र के से दहेलिया गांव निवासी संजीव (30) मंगलवार रात पत्नी बबली को प्रसव के लिए हरपालपुर सीएचसी लेकर आया था। चिकित्सक डॉक्टर अजीत मणि के अनुसार संजीव शराब के नशे में था और इसी दौरान सीएचसी की छत नीचे गिर गया। घायल अवस्था में उसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उधर उसकी पत्नी बबली ने पुत्र को जन्म दिया, लेकिन जन्म के कुछ ही देर बाद नवजात की मौत हो गई। स्टाफ नर्स के अनुसार बताया कि प्रसूता बबली के पूरे शरीर में सूजन थी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आनंद पांडेय ने बताया कि अस्पताल मरकरी लाइट लगी हुई है। युवक शराब के नशे में था।

परमिट की आड़ में अवैध कटान, रिपोर्ट

- **अमृत विचार, हरदोई :** पिहानी वन रेंज क्षेत्र के दौलतपुर गांव में लकड़कट्टों ने परमिट से अधिक पेड़ों पर आरा चला दिया। गोपामऊ के वन रक्षक प्रभारी राहुल कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर तीन लोगों पर केस दर्ज कराया है। ग्राम पीलवान खेड़ा में परमिट से अधिक पेड़ों काटे गए हैं। वन रक्षक और सेक्शन प्रभारी ने मौके पर पहुंच कर देखा तो पता चला कि गांव दौलतपुर स्थित सईदा खातून पत्नी शरीफ निवासी मोहल्ला कन्नौजी पूर्वी कस्बा गोपामऊ की भूमि पर लगे कलमी आम के पांच पेड़ों के कटान और ढुलाई का परमिट बना था।

श्रद्धालुओं से भरी ट्राली खाई में पलटी, कई घायल

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार: करीब 40 श्रद्धालुओं को गंगा स्नान कराने के बाद बेरियाघाट से लौट रही ट्रैक्टर-ट्राली वाहन को ओवर टेक करने के प्रयास में खाईं में पलट गई। आसपास मौजूद लोगों ने ट्राली के नीचे दबे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला और एम्बुलेंस-108 से सीएचसी पहुंचाया। जहां से कुछ को मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बुधवार को 40 श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्राली से गंगा स्नान कर बेरियाघाट पहुंचे। स्नान के बाद राघौपुर मटियामऊ होते हुए माधौगंज की तरफ से लौट रहे थे। सेलापुर रोड रेलवे क्रासिंग ईंट-भट्ठे के पास ओवर टेक करने में बेकाबू हुई ट्रैक्टर-ट्राली खाईं में जा गिरी। करीब 14 श्रद्धालु उसके नीचे दब गए। श्रद्धालुओ की चीख-पुकार सुन कर वहां पहुंचे आस-पड़ोस के तमाम लोगों ने श्रद्धालुओं को बाहर निकाला। मल्लावां पुलिस पहुंची और श्रद्धालुओं को एम्बुलेंस-108 से सीएचसी माधौगंज पहुंचाया गया।

जहां से लखीमपुर जिले के मोतीपुर की किरन देवी, सकैता की दीपा, डेल्हीपुरवा की पिंकी, उसी गांव की रिंकी और बृजमोहन के अलावा सैदापुर निवासी नीरज कुमार, आगोशापुर की मिथिलेश कुमारी, सहजनी निवासी उदित शुक्ल की पत्नी प्रांशु शुक्ला, सीतापुर ज़िले के अछुआपुर तंबौर की रहने वाली पूजा व पिंकी को मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं लखीमपुर खीरी के अगोशापुर की शिवानी, वहीं के विशाल, जनखड़ गांव की धरना देवी, सीतापुर ज़िले के तंबौर की शशि व शोभनी का सीएचसी में इलाज किया जा रहा है। एसएचओ माधौगंज विजय कुमार ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्राली एका-एक बेकाबू होने से पलट गई थी, फिलहाल जांच की जा रही है।

किशोरी को ढूंढकर आरोपी को भेजा जेल

हरदोई, अमृत विचार। किशोरी को फुसलाकर भगा ले जाने वाले

युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। मल्लावां कस्बे के एक मोहल्ला निवासी भाई ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी 17 वर्षीय बहन को माधौगंज के दौलतयारपुर गांव निवासी मोहर्रम अली पुत्र गुलाब नबी मंगलवार को सुबह 11 बजे भगा ले गया था।

पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज किया। बुधवार को उप निरीक्षक नेहा त्यागी ने पुलिस फोर्स के साथ आरोपी युवक को गंगा एक्सप्रेस-वे के अंडर पास से किशोरी के साथ गिरफ्तार किया।

पिता-पुत्र सहित तीन श्रद्धालुओं की मौत

हरदोई, अमृत विचार। कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने जा रहे बाइक सवार पिता-पुत्रों को पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल पिता व उसके दोनों पुत्रों को मेडिकल कालेज पहुंचाया गया। वहां पिता और उसके एक पुत्र को हायर सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया, जहां उन दोनों की मौत हो गई। घायल एक बेटे का इलाज चल रहा है। एक अन्य हादसे में साइकिल से

सुंदर व पारुल की फाइल फोटो।

स्नान करने जा रहे श्रद्धालु को आटो ने टक्कर मार दी। मेडिकल कालेज में उसकी मौत हो गई।

बुधवार की भोर पहर करीब 5 बजे कोतवाली देहात के हरसिंहपुर निवासी सुंदरलाल (55) अपने दो पुत्रों पारुल (20) व अमर सिंह (18) के साथ बाइक से गंगा स्नान करने जा रहा था। बिलग्राम रोड पर सुरसा के मलिहामऊ के पास तेज़ रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी, जिससे किसी का हाथ तो किसी का पैर कट गया, तीनों को मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां से सुंदरलाल और उसके पुत्रों पारुल को हायर सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया, जहां उन दोनों की मौत हो गई, जबकि अमर सिंह का इलाज चल रहा है। वहीं दूसरी तरफ माधौगंज थाने के खंदेरिया निवासी सुरेंद्र (38) पुत्र ज्वाला प्रसाद साइकिल से गंगा स्नान करने जा रहा था। उसी बीच मल्लावां के राघौपुर के पास उसे आटो ने टक्कर मार दी, उसे सीएचसी से मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस दोनों हादसों की जांच कर रही है।

घरेलू कलह से ऊबे युवक ने की खुदकुशी

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के सकहन राजपूतान गांव निवासी प्रेमचंद्र उर्फ पेम्मन रैदास का 28 वर्षीय बेटा शैलेन्द्र हरियाणा में मजदूरी करता था। जहां से वह एक सप्ताह पूर्व गांव लौट था। बताते हैं कि वह शराब पीकर अक्सर पत्नी जानवी से मारपीट करता था। इस पर पत्नी तीन माह पहले 4 साल की बेटी शैलजा को लेकर कोतवाली क्षेत्र के जटपुरवा गांव स्थित मायके चली गई थी। बताते हैं कि शैलेंद्र फोन से कई दिनों पत्नी को वापस लौटने के लिए कह रहा था। लेकिन उसकी नशेबाजी से आजिज पत्नी ने जमीन बेटी के नाम करने पर ससुराल लौटने की शर्त रख दी। बताते हैं कि वह मंगलवार को पत्नी को लेने ससुराल गया था। लेकिन वह अपनी शर्त पर अड़ गई। इससे आहत शैलेंद्र रात में वापस लौटा और अपने घर के पीछे नीम के पेड़ में साड़ी का फंदा डालकर लटक गया। इसमें उसकी मौत हो गई। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। एसओ सुब्रत नारायण त्रिपाठी ने बताया कि पिता ने गृह कलह से परेशान होकर बेटे के आत्महत्या करने की तहरीर दी है। कोई आरोप नहीं लगाया है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

जन्मस्थली पर मनाया गया दीपोत्सव

उन्नाव। बीघापुर तहसील क्षेत्र स्थित डौंडिया खेड़ा में अमर शहीद स्वतंत्रता के नायक राजा रावराम बक्स सिंह की जन्मस्थली पर कार्तिक पूर्णिमा पर किला परिसर में लगी राजा साहब की अश्वारोही प्रतिमा पर 2100 दीप जलाकर धूमधाम से दीपोत्सव मनाया गया। बैसवारा क्षेत्रीय कल्याण समिति के अध्यक्ष मुन्ना सिंह अवधूत, महामंत्री हरि ओम पांडे द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सैकड़ो लोगों ने मिलकर 2100 दीपों से राजा रावराम बक्स की प्रतिमा व मंदिर परिसर रोशन किया। इसमें सतीश चंद्र वाजपेई, राजबक्स सिंह, गोपाल महाराज, चंद्रनाथ, दिलीप सिंह, चेतन मिश्रा आदि रहे।

बरेली से लखनऊ जा रहा युवक ट्रेन से गिरा, मौत

संवाददाता, हरदोई, कछौना

अमृत विचार। बरेली से परिवार के साथ लखनऊ जा रहे युवक की चलती ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। घटना बालामऊ जंक्शन पर हुई, युवक की पत्नी व बच्चे दूसरी बोगी में सवार थे। ट्रेन जब लखनऊ के आलम बाग रेलवे स्टेशन पहुंची तो पत्नी व बच्चे युवक को खोजने लगे, उसी बीच कछौना पुलिस ने उन्हें हादसे की जानकारी दी।

जानकारी के अनुसार बहराइच के कैसरगंज निवासी दिनेश कुमार सोनी (40) लखनऊ में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। पत्नी पूजा के अलावा तीन बेटों प्रतीक, प्रथम व उज्जवल और एक बेटी पायल के साथ तेली बाग वृंदावन कालोनी में रहता था। दिनेश कुमार सोनी के मौसेरे भाई अंकुर सोनी की सोमवार को बरेली में मौत हो गई थी। वह पत्नी व बच्चों कर मंगलवार को ट्रेन से लखनऊ लौट रहा था। पत्नी व बच्चों के साथ उसका भतीजा गौरव सोनी भी था। दिनेश अलग बोगी पर सवार था। ट्रेन बालामऊ जंक्शन से कुछ आगे बढ़ी, उसी बीच दिनेश नीचे गिर पड़ा और वहीं पर मौत हो गई। तेलीबाग जाने के लिए आलम नगर स्टेशन पर उतरना था, पत्नी पूजा बच्चों के साथ वहां उतर गई, लेकिन काफी देर बाद भी दिनेश नहीं पहुंचा, उसे ढूंढा जा रहा था, उसी बीच कछौना पुलिस ने पत्नी पूजा को हादसे की जानकारी दी।

झाड़ियों में पड़ी मिली नवजात बच्ची

- अमृत विचार, हरदोई। क्षेत्र के बेरियाघाट पर नवजात बच्ची झाड़ियों में पड़ी मिली, पास से गुजर एक व्यक्ति ने बच्ची के रोने की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। मंगलवार की रात्रि बेरियाघाट पर गंगा स्नान को गए पराकला थाना कछौना मंजेश को झाड़ियों में नवजात के रोने की आवाज सुनाई दी। पास जाकर देखा तो वहां नवजात बच्ची पड़ी थी, मंजेश ने बच्ची को हाथ में उठाकर पुलिस को सूचना दी और एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्लावां पहुंचाया।

गंगा स्नान करने जा रहे युवक को गोली मारी, रेफर

शाहाबाद, भरखनी, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पिपरिया पुल दोपहर गाड़ाबंदी कर तीन हमलावरों ने युवक को गोली मार दी, गंभीर रूप से घायल युवक को सीएचसी शाहबाद लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम वासित नगर निवासी पंकज दीक्षित (37) अपने भाई अनुराग के साथ गंगा स्नान करने बाइक से जा रहा था। पिपरिया पुल पर पहले से घात लगाए ग्राम किलकिली निवासी राज पांडे ने अपने साथी वासित नगर निवासी प्रदीप मिश्रा और पिपरिया निवासी दिलीप पांडेय के साथ मिलकर गोली चला दी। पेट में गोली लगने से बाइक चालक पंकज दीक्षित गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल 108 एंबुलेंस से सीएचसी लाया गया। जहां घायल को गंभीर हालत में इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घायल युवक के परिजनों ने बताया कि किसी बात को लेकर आरोपी राज पांडेय और पंकज का 15 दिन पूर्व विवाद हुआ था। उसी की रंजिश में राज पांडे व उसके साथियों ने घटना को अंजाम दिया है।

खेत गई महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। भोर पहर खेत गई महिला वहीं अचेत अवस्था में पड़ी मिली। सीएचसी में उसे मृत घोषित कर दिया गया। पोस्टमार्टम में महिला की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। इस पर बिसरा सुरक्षित किया गया।

अचलगंज थानाक्षेत्र के भवानीखेड़ा गांव निवासी सावित्री (30) पत्नी सुनील बुधवार भोर पहर खेत गई थी। जहां उसे गांव के मास्टर सहदेव ने अचेत पड़ा देख परिजनों को सूचना दी। परिजन उसे घर लाए जहां उसे कुछ देर के लिए चेतना आई और फिर अचेत हो गई। परिजन उसे सीएचसी बिछिया लाए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बेटी की मौत की खबर मिलते ही अजगैन कोतवाली के सिरसा गांव निवासी पिता हीरालाल, मां नन्हकी, बड़ी बहन मालती मोचंरी पहुंची। पिता हीरालाल के मुताबिक बेटी ससुराल में अलग रहती थी। दामाद सुनील दुबई में मजदूरी करता है। डेढ़ साल से अधिक समय से वह वहीं है। उसने ससुराल में किसी तरह विवाद से अभी इंकार किया है। बताया कि सावित्री के 3 बच्चों में बेटी प्रतिभा, चिंकी व बेटा इस्माइल कुमार है। सावित्री की सुनील से 8 साल पहले हुई थी। एसओ राजेश पाठक ने बताया कि पोस्टमार्टम कराया गया है। पीएम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट होगा।

अलग-अलग स्थानों पर हादसों में 5 घायल

- अमृत विचार, हरदोई : थाना क्षेत्र के छिबरामऊ राजघाट और कन्नौज बाईपास पर हुए अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोग घायल हो गए। ये सभी श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए जा रहे थे या लौट रहे थे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पहली घटना छिबरामऊ राजघाट पर हुई, जहां गंगा स्नान के बाद वापस लौट रहे धनिक पुरवा, थाना सुरसा निवासी गुंजन (22) और विजय (40) को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

सिटी डायरी

तुलसी पूजा करती महिला। अमृत विचार

मां तुलसी की हुई पूजा-अर्चना

अमृत विचार, माल : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को माल क्षेत्र में श्रद्धाभाव के साथ मां तुलसी के पौधे की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। घर-घर में महिलाओं ने भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए तुलसी माता को जल अर्पित कर दीपक जलाए और परिक्रमा की। हिंदू धर्म में देवी-देवताओं के साथ कई पेड़-पौधों की भी पूजा की परंपरा है, जिनमें तुलसी का स्थान सर्वोच्च माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी के बिना कई पूजन अधूरे माने जाते हैं। कार्तिक पूर्णिमा का यह दिन भगवान विष्णु को प्रसन्न करने और घर में समृद्धि-सौभाग्य की कामना करने का शुभ अवसर माना जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने सूर्योदय से पहले स्नान कर तुलसी को जल अर्पित किया और परिवार की मंगलकामना की। तुलसी पूजा का विशेष महत्व तुलसी विवाह के दौरान भी रहता है, जो हर वर्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि (देवउठनी एकादशी के बाद) को संपन्न की जाती है।

सदस्यता ग्रहण करते भाजपा विधायक व उनकी पत्नी।

कविता पाठ करते कवि। अमृत विचार

भाजपा विधायक ने पत्नी संग ली अनादि सेवा समिति की सदस्यता

अमृत विचार, काकोरी : अनादि सेवा समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम श्रीवास्तव के मार्गदर्शन और प्रेरणा से समिति का दायरा लगातार बढ़ रहा है। जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा से भाजपा विधायक धारू राम और उनकी पत्नी महेंद्रो देवी ने समिति की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने गौसेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान का आश्वासन दिया। समिति की जम्मू-कश्मीर टीम में विजय कुमारी, नरेश रैना और निशा मनहास के प्रयास से यह सदस्यता संपन्न हुई। विधायक दंपती के जुड़ने से समिति की प्रभावशीलता और विस्तार को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव दिनेश कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष विपिन मिश्रा, अनिल, सौरभ, कामना, आलोक, मनीष सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गीता-कुरान देती एकता का संदेश

अमृत विचार, काकोरी : नगर पंचायत काकोरी स्थित श्री शीतला देवी मंदिर प्रांगण में श्री गीता मानस सम्मेलन के 60वें वार्षिक महोत्सव पर कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर प्रबंधक रमाकांत गुप्त दादू ने दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती पूजन से किया। सुप्रसिद्ध कवयित्री शशि श्रेया ने वाणी वंदना से आरंभ कराया। वीर रस के कवि अटल नारायण ने राष्ट्र जागरण पर कविता प्रस्तुत की, वहीं प्रियांशु गजेंद्र की पंक्तियों "फूलों के दिन शूलों के दिन...पर खूब तालियां बजीं। अशोक अग्निपथी ने कहा— राष्ट्र धर्म से बड़ा न कोई धर्म विश्व में है, कहती है गीता, यही कहती कुरान है।" हास्य कवि धर्मराज उपाध्याय व विशेष शर्मा ने अपनी रचनाओं से दर्शकों को खूब आनंदित किया।

मेला की सुरक्षा व्यवस्था देखते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

कार्तिक पूर्णिमा मेला संपन्न

अमृत विचार, माल : माल-अतरौली मार्ग स्थित घटघटा बाबा तीर्थ स्थल पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पारंपरिक मेले का आयोजन किया गया। मेले में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और बच्चे पहुंचे। पूरे दिन चली इस धार्मिक और सांस्कृतिक धूम में श्रद्धालुओं ने भक्ति और उत्सव का आनंद लिया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए सहायक पुलिस आयुक्त सुजीत कुमार दुबे, थाना प्रभारी रहीमाबाद अरुण त्रिगुणायक और हल्का प्रभारी मान्धाता के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा।

उत्सव

एसडीएम पवन पटेल, एसीपी विकास पांडेय, एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी रहे मौजूद

कार्तिक पूर्णिमा पर अहिनवार धाम के मेले में उमड़े लोग

मेला में मौजूद पुलिस अधिकारी व अन्य। अमृत विचार

संवाददाता, निगोहां

अमृत विचार : महाभारत काल से जुड़े ऐतिहासिक अहिनवार धाम में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को मेला श्रद्धा और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। लाखों श्रद्धालुओं ने यहां पहुंचकर चंद्र सरोवर में स्नान कर सर्प देवता की पूजा-अर्चना की। एक दिन पूर्व से ही श्रद्धालुओं और व्यापारियों की भीड़ उमड़ने लगी थी। त्रिवेणी व इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों से भारी संख्या में लोग पहुंचे।

अहिनवार धाम मार्ग पर दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा, जिससे कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रही। चंद्र सरोवर घाट से लेकर पूरे मेला क्षेत्र में पुलिस बल सतर्क रहा। एसडीएम मोहनलालगंज पवन पटेल, एसीपी विकास पांडेय, एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी सहित पुलिस बल लगातार भ्रमण करते रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसडीआरएफ की टीम सरोवर में तैनात रही, वहीं फायर सर्विस और पीएसी बल भी मौजूद रहे।

मान्यता है कि यहीं चंद्र सरोवर पर सर्पयोनि से राजा नहुष का उद्धार हुआ था। नरक चतुर्दशी और कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाला यह मेला सदियों पुरानी आस्था का प्रतीक है।

न्यूज ब्रीफ

विधायक ने किया गंगा आरती का आयोजन

बांगरमऊ, अमृत विचार : विधायक श्रीकांत कटियार ने नानामऊ गंगातट पर बीती मंगलवार शाम मां गंगा की आरती का सामूहिक आयोजन किया। सर्वप्रथम पवित्र गंगातट पर चौक पूरित की गई। फिर आचार्य रामदेव शास्त्री द्वारा वेद मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा का पूजन-अर्चन कर आरती उतारी गई। सामूहिक आरती कार्यक्रम में विधायक की पत्नी विभा कटियार, नीरज गुप्ता, अंशुल कटियार, शुभम कटियार, जयपाल सिंह पटेल व ज्ञानेंद्र तिवारी आदि श्रद्धालु शामिल हुए।

सपा नेता ने लगाया भंडारा, उमड़े लोग

बांगरमऊ, अमृत विचार : सपा नेता इमरान सिद्दीकी ने कार्तिक पूर्णिमा पर नानामऊ गंगा मेले में स्नानार्थियों के लिए विशाल भंडारा आयोजित कर सामाजिक सौहार्द की अनूठी मिशाल पेश की। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने पूड़ी सब्जी का प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि उनका भंडारा आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य समाज में गंगा-जमुनी तहजीब की परंपरा को आगे बढ़ाना है।

सुरक्षा को लेकर तैनात रहा पुलिस प्रशासन

बांगरमऊ, अमृत विचार : तहसील प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाएं दिलाने के लिए एक दर्जन राजस्व कर्मियों को तैनात किया गया। मेले में शांति व्यवस्था व सुरक्षा हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा अस्थाई कोतवाली बनाई गई। जहां से राजस्व कर्मचारी, सीओ संतोष सिंह व प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत सिंह के नेतृत्व में पुलिस कर्मी शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मेले में गस्त करते रहे। साथ ही सीएचसी अधीक्षक डॉ. मुकेश कुमार के नेतृत्व में मेले के दौरान चिकित्सा शिविर भी लगाया गया। इसमें सैकड़ों मरीजों को नि:शुल्क दवाएं दी गईं।

गंगा तट पर खिचड़ी मेला आज

शुक्लागंज, उन्नाव : कार्तिक पूर्णिमा के ठीक दूसरे दिन गंगातट पर नगर व आस पास के अलावा कानपुर के लोग अपने परिवारों के साथ सुबह सात बजे से ही गंगा तट पर गंगा स्नान करने के बाद परिवार के साथ गंगा की रेती में खिचड़ी पकाकर परिवार के साथ पिकनिक मनाते हैं। पिकनिक मनाने के लिये नगर व आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा उन्नाव कानपुर से लोग परिवार के साथ पहुंचते हैं और खिचड़ी पकाते हैं। जिसको लेकर गंगा रेती में भारी भीड़ रहती है। वहीं पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त किये हैं।

महिला की मौत पर परिजनों का हंगामा

उन्नाव, अमृत विचार : पुरवा कोतवाली क्षेत्र के सोहनखेड़ा निवासी लक्ष्मी (38) को बीती मंगलवार देररात पेट दर्द व उल्टी की शिकायत पर परिजन जिला अस्पताल लाए थे। जहां इमरजेंसी वार्ड में भर्ती करने के बाद स्टाफ ने परिजनों को बाहर भेज दिया। पति सुरेंद्र का आरोप है कि इलाज के नाम पर कर्मचारियों ने पैसे मांगे और इंजेक्शन लगाने के बाद लक्ष्मी की हालत अचानक बिगड़ गई। उसने बताया कि बिना जांच के इंजेक्शन लगाया गया और जब उन्होंने आपत्ति जताई तो उन्हें वार्ड से बाहर कर दिया गया। कुछ देर बाद डॉक्टरों ने पत्नी की मौत की सूचना दी। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगा हंगामा किया। पति सुरेंद्र ने स्वास्थ्य अफसरों से शिकायत करने की बात कही है। वहीं सीएमएस डॉ. राजीव गुप्ता ने बताया कि ऐसा कोई मामला नहीं है। न ही किसी ने उनसे शिकायत की है।

करंट की चपेट में आने से कारीगर की मौत

शुक्लागंज, उन्नाव : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के निहालखेड़ा गांव में बीती मंगलवार रात निर्माणाधीन मकान में मशीन से पत्थर की घिसाई कर रहा अधेड़ करंट की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, आजाद मार्ग स्थित कैलाश विहार निवासी ओमप्रकाश के निर्माणाधीन मकान में निहालखेड़ा निवासी रामदयाल (50) पत्थर की घिसाई कर रहा था। तभी मशीन में अचानक करंट उतर आया जिसकी चपेट में वह आ गया और वहीं गिर पड़ा। आवाज सुन पहुंचे साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी पर बुधवार सुबह जाजमऊ चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक रामदयाल के परिवार में चार बच्चे हैं। सबसे बड़ा बेटा राज (21), दूसरा अमन (20), तीसरा आर्यन (16) और बेटी सानिया (17)। अचानक पिता की मौत से सभी बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कार्तिक पूर्णिमा पर भक्तों ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

संवाददाता शुक्लागंज, उन्नाव

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। अमृत विचार

मेले का जायजा लेते एसडीएम और सीओ सिटी। अमृत विचार

विशातखाने से खरीदारी करतीं महिलाएं। अमृत विचार

अमृत विचार: कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई भोर पहर से शुरू हुआ स्नान देर शाम तक चलता रहा, दूर-दराज से चलकर आने वाले श्रद्धालुओं का दिन भर तांता लगा रहा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने तट पर बैठे पंडों को दान-दक्षिणा दी। इसके अलावा तमाम श्रद्धालुओ ने गंगा तट पर भगवान सत्यनारायण की कथा का श्रवण किया। शाम तक गंगा स्नान के लिए लोगों के आने का सिलसिला जारी रहा।

कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए बुधवार भोर पहर तीन बजे से लोग घरों से निकल पडे.। नगर के अलावा कानपुर, उन्नाव, बांगरमऊ, लखनऊ, बाराबंकी, अचलगंज, बीघापुर, मौरांवा, पुरवा, असोहा, नवाबगंज समेत तमाम स्थानों से स्नानार्थियों के आने का सिलसिला सुबह से शुरू हो गया था। स्नान के बाद श्रद्धालुओ ने तट पर बैठे पंडो को दान दक्षिण देकर पुण्य लाभ कमाया। स्नान के बाद तमाम श्रद्धालुओं ने तट पर भगवान सत्यनारायण की कथा कर श्रवण किया गया। इसके बाद लोगों ने तट पर लगे मेले का जमकर आनन्द उठाया। मेले में चौपाहिया व टैक्टर ट्राली को रोकने के लिए नगर के प्रमुख स्थानों पर पुलिस ने बेरीकेंडिग करवा दी थी। दोपहिया वाहन तट तक पहुंचे। जिसमें तमाम लोगों को वाहन खडे. कर पैदल गंगातट तक जाना पडा, गंगातट तथा राजमार्ग कस्बों में तिल रखने की जगह नही बची, छोटे बडे झूले, सर्कस, नाटक तथा मेले में लगी हर प्रकार की दुकानें सभी के आकर्षण का केन्द्र रही। गंगाघाट क्षेत्र के अधिकांश घरो व मन्दिरों में कार्तिक पूर्णिमा के दिन बडे ही धूमधाम से तुलसी की विदाई की गई। बुधवार को महिलाओं ने मन्दिरों व घरों में तुलसी की विदाई के लिए सारी तैयारियां की। जिसके बाद विभिन्न प्रकार के पकवान पूड़ियों और कुचइयों तथा बेसन के लडडू व नाना प्रकार के पकवान और मिष्ठान बनाकर तुलसी कें पौधे को वस्त्रादि पहनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पकवान व वस्त्र आदि के साथ सोलह श्रगांर का सामान समर्पित किया। उनसे सुख और समृद्धि की मनोकामना की। कार्तिक पूर्णिमा के दिन तुलसी की धूमधाम से विदाई हुई।

मेले के दौरान ये अधिकारी रहे मौजूद: कार्तिक मेले के दौरान मेले में कोई अप्रिय घटना न घटे, इसको लेकर एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी, सीओ सिटी दीपक यादक, सिकंदरपुर कर्ण की नायब तहसीलदार अनुपमा सिंह, कानूनगो शिवशरण बाजपेई, अब्दुल शफीक, पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, ईओ मुकेश मिश्रा, इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह, लेखपाल प्रशांत अवस्थी, मनोज यादव, पंकज मिश्रा, अशोक सैनी व अन्य अधिकारी मेले का जायजा लेते रहे। वहीं कैमरे से श्रद्धालुओं पर नजर रखी गई। इसके साथ ही गंगा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ ने आने जाने वाले संदिग्ध यात्रियों के बैग चेक किये।

स्नान के दौरान सांप निकलने से मचा हड़कंप: बुधवार सुबह आनंद घाट पर कार्तिक पूर्णिमा स्नान के दौरान अचानक एक सांप निकल आने से श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत स्नान रोक दिया। करीब 45 मिनट तक हड़कंप की स्थिति रही। बाद में नाविकों ने डंडे की मदद से सांप को सुरक्षित रूप से घाट से दूर किया।

चाट, चाउमीन और जलेबी का लिया लुत्फ

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगातट पर विभिन्न प्रकार की दुकानें लगी थी। जहां स्नान के बाद दूर दराज से आये लोगों ने मेले में चाट चाउमीन का लुत्फ लिया। इसके साथ ही अन्य खाने पीने के सामान खरीदे। मेले में इस बार हर उम्र के लोगों को ध्यान में रखते हुए झूले लगे हुए थे। जहां बच्चों से लेकर बड़ो तक ने झूलों का आनंद लिया। इसके साथ ही गंगा रेती पर बच्चों ने ऊंट की सवारी की।

बांगरमऊ में भी उमड़ी आस्था

बांगरमऊ, अमृत विचार : नानामऊ गंगातट पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद पुरोहित को दान देकर आशीर्वाद लिया। मेले में शांति व्यवस्था हेतु तहसील व पुलिस प्रशासन द्वारा कोतवाली भी स्थापित की गई। क्षेत्र के ग्राम गहरपुरवा के निकट आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे स्थित गंगा नदी पुल के पास भी बड़ी संख्या में लोगों ने स्नान किया। नानामऊ गंगातट पर बीती मंगलवार शाम से बुधवार तक स्नानार्थियों का आवागमन जारी रहा। श्रद्धालु परिवार के साथ निजी साधन व ट्रैक्टर-ट्रालियों से नानामऊ गंगातट पहुंचे। नगर व क्षेत्र के कई संभ्रांत परिवारों द्वारा रावटी व तंबू आदि लगाकर शिविर लगाया गया। कार्तिक पूर्णिमा पर क्षेत्र के अलावा हरदोई के मल्लावां, कासिमपुर, कुरसठ, संडीला व माधौगंज व लखनऊ के मलिहाबाद व काकोरी से भी महिलाएं, बच्चे व पुरुष श्रद्धालु स्थान के लिये पहुंचे। मेले में जहां बच्चों ने खिलौने व मिष्ठान खरीदा, वहीं महिलाओं ने सौंदर्य प्रसाधन का सामान खरीदा।

फतेहपुर चौरासी क्षेत्र में भी उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव : फतेहपुर चौरासी क्षेत्र में गुरुवार को कार्तिक पूर्णिमा पर क्षेत्र के दबौली, हिंदूपुर, जाजामऊ एहतमाली, बहलवा, राजेपुर आदि गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं ने श्रद्धा की डुबकी लगाकर पुण्य कमाया। वहीं, क्षेत्र के दबौली सरैया आदि घाटों पर लगे मेले का भी लोगों ने खूब आनंद लिया। मेलों में जहां बच्चों की पहली पसंद गुब्बारा और खिलौने रहे वहीं लोगों ने चाट व जलेबी का भी खूब लुत्फ लिया। महिलाओं ने गृहस्थी में उपयोगी चीजों की भी खरीदारी की। साथ ही कस्बा व ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से देव दीपावली भी मनाई गई। कार्तिक पूर्णिमा पर क्षेत्र के सभी घाटों पर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा ताकि कोई अप्रिय घटना न हो सके।

कांग्रेस नेत्री ने कराया खिचड़ी भोज: बांगरमऊ: कांग्रेस नेत्री आरती बाजपेयी की ओर से गंगातट पर शिविर लगाकर खिचड़ी भोज आयोजित किया गया। नगर स्थित सुभाष इंटर कालेज के पूर्व शिक्षक स्व. रमाकांत शुक्ला के पुत्र व समाजसेवी संजीव शुक्ला ने परिजनों के साथ गंगातट पर श्रद्धालुओं को खिचड़ी भोज कराया। सपा नेता आलोक त्रिपाठी द्वारा भी गंगातट पर शिविर लगाकर श्रद्धालुओं को खिचड़ी भोज कराया।

परियर गंगा तट पर स्नान करते भक्त। अमृत विचार

परियर गंगातट पर भक्तों ने किया स्नान

परियर, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को गंगातट पर श्रद्धालुओं ने ब्रह्ममुहूर्त मे आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद मां गंगा की आरती व पूजन करने के बाद तीर्थ पुरोहितों को दान दक्षिणा दी। इस बीच गंगातट पर घाट हर हर गंगे, हर हर महादेव के उद्घोष से गुंजायमान रहे। श्रद्धालुओं के जत्थे मंगलवार शाम से ही गंगातट किनारे रावटी व टेंट लगाकर रुके थे। जिन्होंने रात भर भजन कीर्तन करने के बाद सुबह ब्रह्ममुहूर्त में स्नान किया। श्रद्धालुओं ने वापस जाते समय बाबा बलखंडेश्वर मंदिर, जानकीकुंड आश्रम के मंदिरों में जलाभिषेक किया व मेले में घर गृहस्थी का सामान की खरीदारी भी की। मेले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरोसी की टीम द्वारा स्वास्थ कैंप लगाकर दो सैकड़ा लोगों को दवाएं दी गईं। इस मौके पर मेला नोडल अतिरिक्त मजिस्ट्रेट आनंद नायक, सदर तहसीलदार सुरभि गौतम, सीओ सफीपुर सोनम सिंह, थानाध्यक्ष एसएन त्रिपाठी, मेला प्रभारी निरीक्षक श्याम नारायण सिंह, चौकी प्रभारी अनिल राजपूत, राजस्व निरीक्षक मो. अनीस, लेखपाल प्रदीप कमल, दीपचंद, शैलेन्द्र, मनोज आदि मौजूद रहे।

फोरलेन पर भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। अमृत विचार

कार्तिक पूर्णिमा पर जगह-जगह लगे भंडारे

शुक्लागंज, उन्नाव : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को पूरे नगर में धार्मिक उल्लास का माहौल रहा। राजधानी मार्ग सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों की ओर से भंडारे आयोजित किए गए, जिनमें पूड़ी-सब्जी, खिचड़ी और कढ़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया गया। राजधानी मार्ग स्थित शिव शक्ति गैस की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जो सुबह से लेकर शाम तक अनवरत चलता रहा। इस दौरान सदर विधायक पंकज गुप्ता समेत प्रमोद त्रिवेदी, धीरेन्द्र शुक्ला, केडी त्रिवेदी, आशुतोष शुक्ला, श्रीकांत त्रिवेदी, श्रीकांत पांडे, विकास मिश्रा, पप्पू त्रिवेदी, सोनू त्रिवेदी, प्रशांत त्रिवेदी और अखिलेश त्रिवेदी ने भंडारे में सहभागिता की। वहीं निषाद मार्केट के पास अमरनाथ सेवा मंडल की ओर से भी विशाल भंडारा आयोजित किया गया, जहां गंगास्नान कर लौटते श्रद्धालुओं और मेले में आने-जाने वाले लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

जान जोखिम में डालकर रेललाइन पार करते श्रद्धालु। अमृत विचार

ट्रेनों में उमड़ी भीड़, चढ़ने के लिए हुई धक्का-मुक्की

शुक्लागंज, उन्नाव : बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा स्नान के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर उमड़ पड़ी। सुबह से ही श्रद्धालु गंगास्नान के लिए ट्रेनों से बड़ी संख्या में पहुंचे। कानपुर-लखनऊ रूट पर ट्रेनों की संख्या सीमित होने और केवल सुबह-शाम पैसेंजर ट्रेनों के संचालन के कारण स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। गंगाघाट स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेन के पहुंचते ही श्रद्धालु ट्रेन में चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की करने लगे। स्थिति ऐसी हो गई कि प्लेटफार्म पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची। भीड़ के दबाव में कई यात्री प्लेटफार्म से गिरते-गिरते बचे। वहीं कुछ लोगों ने जोखिम उठाकर ट्रैक पार किया और सीधे गंगातट व मेले की ओर बढ़ गए। लगातार आती-जाती ट्रेनों के बीच श्रद्धालुओं के ट्रैक पर उतरने से हादसे की आशंका बनी रही। दोपहर में मगरवारा स्टेशन पर अंडरपास निर्माण के कारण ब्लॉक लिए जाने से अप लाइन की कई ट्रेनें प्रभावित रहीं, जिससे यात्रियों को और अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। रेलवे प्रशासन ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए कर्मचारियों को प्लेटफार्म पर लगाया, लेकिन श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के आगे इंतजाम नाकाफी साबित हुए। कुल मिलाकर, कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर भीड़ ने रेलवे स्टेशन की व्यवस्था चरमराकर रख दी।

खोया-पाया कैंप में मौजूद पदाधिकारी। अमृत विचार

श्रद्धालुओं की सहायता के लिए लगाया खोया-पाया कैंप

शुक्लागंज, उन्नाव : कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व पर समाजिक संगठनों की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बालूघाट मोड़ के पास खोया-पाया कैंप लगाया गया। कैंप में गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की मदद हेतु लगातार घोषणाएं की जाती रहीं और मेले में बिछड़े लोगों को उनके परिजनों से मिलवाया गया। इसके साथ ही ब्रह्मसभा शुक्लागंज, भारत विकास परिषद, श्री रामनाम लेखन महायज्ञ समिति, मां गंगा सेवा समिति और रोटरी क्लब गंगाघाट के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया गया। स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने, बच्चों पर नजर रखने और गंगा तट पर भीड़ से सतर्क रहने की अपील की। रोटरी क्लब गंगाघाट के अध्यक्ष अवनीश शुक्ला, के अलावा ब्रम्ह सभा के कैंप में विधायक पंकज गुप्ता, संरक्षक आशुतोष शुक्ला, अध्यक्ष अंजनीकांत मिश्र, सचिव अनुज तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश मिश्र, विश्वनाथ दुबे, उपाध्यक्ष राजीव मिश्र, अंजनी अग्निहोत्री, अमित पांडे, लालाराम शुक्ला, श्रीप्रकाश मिश्र, हरिओम पांडे, सत्यकुमार उपाध्याय, शिवशरण अग्निहोत्री और अंकुर शुक्ला सहित अन्य सदस्य सक्रिय रूप से मौजूद रहे।

सड़क हादसे में तीन सगे भाइयों की गई जान

अरुण

सचिन

छोटू फाइल फोटो

उन्नाव, अमृत विचार: कार्तिक पूर्णिमा पर बक्सर में गंगा स्नान कर चंद्रिका माता का दर्शन करने निकले एक बाइक सवार तीन सगे भाइयों की लोडर की टक्कर से मौत हो गई। हादसा बिहार थाना क्षेत्र के उन्नाव-लालगंज हाईवे मोड़ पर हुआ।

बता दें कि मौरावां थानाक्षेत्र के अकोहरी गांव के बखतखेड़ा गांव निवासी अरुण कुमार (32) पुत्र स्व. रघुनाथ, छोटे भाइयों सचिन (26) व छोटू (22) के साथ एक बाइक से कार्तिक पूर्णिमा पर बारासगवर थानाक्षेत्र के बक्सर घाट पर स्नान कर चंद्रिका माता के दर्शन करने मंगलवार देररात घर से निकला था। साथ में अलग-अलग बाईकों से गांव व आसपास के अन्य लोग भी थे। रात करीब 12 बजे सभी बिहार-बक्सर मार्ग पर गढ़ी गांव के पास उन्नाव-लालगंज हाईवे मोड़ पर पहुंचे थे कि तभी खाद लादकर जा रहा तेज रफ्तार लोडर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें अरुण की लगभग आधी गर्दन कट गई, वहीं सचिन व छोटू को भी सिर व चेहरे में गंभीर चोटें आ गईं। टक्कर के बाद अनियंत्रित लोडर सड़क किनारे खंती में जाकर पलट गया। तभी पीछे से आए पड़ोसी गांव लच्छीखेड़ा निवासी रोहित ने पीआरवी को जानकारी दी। बिहार एसओ राहुल सिंह ने तीनों को सुमेरपुर पीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने सचिन व छोटू को मृत घोषित कर दिया। वहीं अरुण की गर्दन में गहरा जख्म व गंभीर हालत देख उसे जिला अस्पताल भेजा। जहां से उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया। हैलट में भी अरुण की हालत में सुधार न हुआ तो डॉक्टर ने लखनऊ ले जाने की सलाह दी। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। तीन सगे भाईयों की मौत की सूचना घर पहुंचते ही परिजन बेहाल हो गए। बड़े भाई अर्जुन ने बताया कि वह पांच भाई एक बहन थे। जिसमें सबसे बड़े अर्जुन, दुर्जन, बहन लक्ष्मी, अरुण, सचिन व छोटू थे। पिता की काफी पहले मौत हो गई थी। उनके पास एक बीघा जमीन थी। मां गंगावती ने खेतों व अर्जुन ने मजदूरी कर छोटे भाई बहनों की परवरिश की। अब सभी भाई ईंट-भट्ठों में ठेके पर काम करते थे। पांचों भाइयों की मेहनत से अब आर्थिक स्थित ठीक होने लगी थी। सीओ मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि लोडर की टक्कर से तीन भाईयों की मौत हुई है। शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा गया है।

देव दीपावली: बड़े हनुमान मंदिर में हुआ दीप दान

दीप दान के दौरान मौजूद लोग। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार: नगर के प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर व शिव मंदिर में देव दीपावली पर गोपाल बाजपेई व राजेंद्र नाथ शुक्ला द्वारा दीप दान का आयोजन किया गया। जिसमें 1100 दीपों से मंदिर प्रांगण को सजाया गया व महारती के बाद प्रसाद बांटा गया। इसमें नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक व भाजपा नेता विमल द्विवेदी, शिवम बाजपेई, रवी बाजपेई, आचार्य कृष्णा तिवारी, सतोष मिश्रा, मुकुंद बाजपेई, दिलीप बाजपेई, राकेश राजपूत, दीपू मिश्रा, अभिषेक तिवारी, हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, राकेश राजपूत आदि ने दीप दान किया।

11 हजार दीपों से जगमगाया बलखंडेश्वर मंदिर: परियर, अमृत विचार: देव दीवावली पर मंगलवार शाम बाबा बलखंडेश्वर मंदिर का भव्य शृंगार कर परिसर में श्रद्धालुओं ने 11 हजार दीप जलाकर आरती व पूजन किया। इसके बाद लोगों ने मंदिर परिसर में आतिशबाजी की। जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। डीजे पर देशभक्ति व भक्तिगीतों पर श्रद्धालु भी खूब थिरके। देव दीपावली पर मंगलवार शाम को बाबा बलखंडेश्वर मंदिर मे दीपोत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। जिसमें गांव क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में दीपक जलाकर पूजा आरती करने के बाद आसमान में हो रही आतिशबाजी का आनंद लिया।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते सदर विधायक पंकज गुप्ता व अन्य। अमृत विचार

विजडम वॉरियर्स बनीं चैंपियन

उन्नाव, अमृत विचार : बंथर स्थित एवरेस्ट क्रिकेट मैदान में टीचर्स प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा का फाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें विजडम वॉरियर्स ने थंडर टाइटंस को हरा खिताब अपने नाम किया। फाइनल थंडर टाइटंस व विजडम वॉरियर्स के बीच हुआ। विजडम वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 161 रन का लक्ष्य रखा। पीछा करने उतरी थंडर टाइटंस की टीम शुरुआत में ही लड़खड़ा गई और 9 ओवर में 67 रन बनाकर ही मैच से बाहर हो गई। इस जीत के साथ ही बीईओ मनींद्र कुमार के नेतृत्व वाली विजडम वॉरियर्स टीम विजेता बन गई। पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए गए। नवीन अवस्थी ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए मैन ऑफ़ द सीरीज का खिताब जीता। साथ ही, उन्होंने सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप भी अपने नाम की। वहीं, सर्वाधिक रन बनाने का पुरस्कार अनवर अब्बास को मिला, जिन्हें ऑरेंज कैप से सम्मानित किया गया।

गुरुनानक देव का मनाया प्रकाश पर्व

गुरुद्वारा में माथा टेकतीं महिलाएं। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार: शहर के हाकिम टोला स्थित गुरुद्वारा में बुधवार को गुरुनानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया गया। रागी जत्थों ने गुरुवाणी कीर्तन कर संगत को निहाल किया। इससे पहले मुख्य ग्रंथी ज्ञानी बलविंदर सिंह ने सात दिवसीय गुरुग्रंथ साहिब के पाठ का समापन किया। उन्होंने सभी गुरुनानक देव जी के बताए रास्ते पर चलने की बात कही। उन्होंने लोगों को हमेशा सत्य के मार्ग पर चलने का रास्ता दिखाया था। व्यक्ति को हमेशा विनम्र भाव से जीवन जीना चाहिए। बताया कि अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है। इसके बाद कानपुर से आया रागी भाई भूपिंदर सिंह उन्नाव के शुभम सिंह ने कीर्तन के माध्यम से प्रकाश उत्सव पर गुरुद्वारा में शबद कीर्तन किया।

शबद-कीर्तन के बाद देर शाम तक चला लंगर: उन्नाव: शबद कीर्तन में प्रथम गुरु की महिमा का बखान किया गया। इसके बाद शुरू हुए लंगर में सभी ने एक साथ पंगत में बैठकर प्रसाद लिया और सेवा की। लंगर देरशाम तक चलता रहा। इस दौरान सदर विधायक पंकज गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, सांसद प्रतिनिधि अमितेश सिंह नन्दू, ललित, विवेक तिवारी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि भानू मिश्रा, मनीष अग्रवाल, सुरेद्र वर्मा व सुमित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

जिले के पहले शिक्षक स्काई डाइवर बने प्रत्यूष

उन्नाव, अमृत विचार : उन्नाव के मूल निवासी व कासगंज जिले में बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात सहायक अध्यापक प्रत्यूष मिश्रा ने “स्काई हाई इंडिया” के संयोजन में 10 हजार फीट की ऊंचाई से सफल स्काई डाइविंग कर जिले को गौरवान्वित किया है। 5 नवंबर को नरनौल (हरियाणा) में उन्नाव जिले के मोती नगर निवासी व डीसीए महामंत्री पीके मिश्रा के पुत्र प्रत्यूष मिश्रा ने बेलारूस के यूहेनी के निर्देशन में छलांग लगाकर जिले के पहले शिक्षक स्काई डाइवर बनने का गौरव प्राप्त किया। प्रत्यूष ने बताया कि स्काई डाइविंग से पूर्व वे वैली ऑफ फ्लॉवर्स, हेमकुंड साहिब, खीरगंगा, गिदारा बुग्याल व हर की दून जैसे कठिन व ऊंचाई वाले ट्रैक सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों व क्षेत्रवासियों ने हर्ष जताते हुए बधाई दी।

रील बनाते समय गंगा में गिरा किशोर, बचाया गया

शुक्लागंज, उन्नाव : कार्तिक पूर्णिमा स्नान ड्यूटी में तैनात पीएसी जवानों की तत्परता से बुधवार तड़के एक किशोर की जान बच गई। जानकारी के अनुसार, रात करीब 2 :45 बजे नवीन गंगा पुल से एक युवक के नदी में कूदने की सूचना पर 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ की टीम ने तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाया। आरक्षी नारायण मौर्य के हमराह आरक्षी सुधीर कुमार राय, बबलू, मिथुन कुमार और पीयूष मिश्रा ने तत्परता दिखाते हुए किशोर को सकुशल नदी से बाहर निकाला। पूछताछ में युवक की पहचान मोहम्मद अयान (17) पुत्र मोहम्मद सफीक, निवासी बेगमगंज, कानपुर नगर के रूप में हुई। बताया गया कि वह दोस्तों के साथ पुल पर रील बना रहा था, तभी पैर फिसलने से नदी में गिर गया। रेस्क्यू के बाद पीएसी टीम ने युवक को सुरक्षित गंगाघाट पुलिस के सुपुर्द किया।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

लाखों श्रद्धालुओं ने बड़े बाबा की चौखट पर टेका माथा

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर भक्तों ने सरोवर में डुबकी लगायी, जगजीवन साहब के मंडप के सामने दिनभर बना रहा उल्लास का वातावरण

आस्था

संवाददाता, सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी

अमृत विचार : श्री समर्थ साहेब बाबा जगजीवनदास बड़े बाबा की तपोस्थली व सतनामी संप्रदाय के उद्गम स्थल कोटवाधाम पर कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को लाखों श्रद्धालु उमड़े।

श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर में आस्था की डुबकी लगाकर बाबा जगजीवनदास की चौखट पर माथा टेका और प्रसाद अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं में अयोध्या, बहराइच, कानपुर, गोंडा, बलरामपुर, सीतापुर, लखनऊ, सुल्तानपुर, अमेठी, लखीमपुर, श्रावस्ती, उन्नाव, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, छपरा और बिहार तक से श्रद्धालु शामिल रहे। पूरे दिन मंदिर परिसर बाबा जगजीवनदास की जय, जय बड़े बाबा के जयकारों से गूंजता रहा।

बड़ी गद्दी के महंत निलेंद्रबख्श दास ने बताया कि मेले का पूरा परिसर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रहा। मेले में गर्म कपड़ों, रेशमी वस्त्रों, बर्तनों की दुकानों के साथ-साथ सर्कस, झूले और मनोरंजन के अन्य साधन भी आकर्षण का केंद्र बने रहे। मेले के पहले दिन ही पशु बाजार में रौनक देखने लायक रही। यहां 200 से अधिक पशुओं की बिक्री हुई, जिसमें विभिन्न नस्लों की गाय और भैंसें प्रमुख रहीं।

यहां आने से मिलती है सुख- शांति : कोटवाधाम में बाबा जगजीवनदास के दरबार में श्रद्धालुओं की अपार आस्था देखने को मिली। अयोध्या से आए अंजनी कुमार ने बताया कि वे बड़े बाबा से गुरुमंत्र ले चुके हैं और हर साल कार्तिक पूर्णिमा पर दर्शन के लिए यहां आते हैं। बड़े बाबा की कृपा से सारे बिगड़े काम अपने आप बन जाते हैं। वहीं लखनऊ से आए नीलेश ने बताया कि उनकी पीढ़ी दर पीढ़ी बाबा की भक्त रही है। वे हर पूर्णिमा तिथि और माघ मास की जन्म सप्तमी पर यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि यहां आने से मन को सुख और शांति मिलती है।

चप्पे-चप्पे पर रही पुलिस की चौकसी : मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। पूरे मेला परिसर और मंडप क्षेत्र में पुलिसकर्मी मुस्तैद दिखाई दिए। बदोसराय पुलिस ने मेला कोतवाली के पास खोया-पाया केंद्र स्थापित किया, जहां भूले-भटके लोगों को उनके परिजनों से मिलाया गया। वर्दीधारी व सादी वर्दी में पुलिसबल गश्त करता रहा। सीओ गरिमा पंत ने बताया कि मेले में पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात रहा और सरोवर के पास गोताखोरों की व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के दर्शन कर सकें।

महंत निलेन्द्र बक्स दास से आशीर्वाद लेते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

श्रद्धालुओं ने बच्चों का कराया मुंडन संस्कार

कोटवाधाम स्थित पवित्र अभरण सरोवर पर बुधवार को अपने बच्चों का मुंडन संस्कार कराने वालों का तांता लगा रहा। दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने अपने बच्चों का मुंडन संस्कार कराकर पुण्य अर्जित किया। कहीं बच्चों की किलकारियां गूंजती रहीं तो कहीं रोते हुए बच्चों को माता-पिता उपहार देकर शांत कराते नजर आए।

जगजीवन साहब के दरबार में माथा टेकने के लिए उमड़े श्रद्धालु। ● अमृत विचार

दीपों की रोशनी से नहाये मंदिर व घाट

देव दीपावली

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार की शाम देव दीपावली की छटा पूरे जिले में बिखरी रही। कहीं सरोवरों के घाटों पर दीपों की रोशनी बिखरी रही तो कहीं मंदिरों में जयकारों और आरती की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो उठा। कोई थाली में दीप लेकर अभरण सरोवर के घाट तक पहुंचा तो कोई पूरे परिवार संग दीप जलाने में मग्न नजर आया।

शहर के नागेश्वरनाथ तालाब, फतेहपुर के श्री शक्तिधाम महादेव तालाब, लोधेश्वर महादेवा और सुमेरगंज स्थित मां दुर्गा-काली मंदिर में श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर और आतिशबाजी कर देव दीपावली मनायी। नागेश्वरनाथ मंदिर परिसर 7100 दीपों से रोशन हुआ। इस मौके पर पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप और व्यापारी नेता राजीव गुप्ता बब्बी ने आरती की। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। रामनगर के श्री लोधेश्वर महादेवा में भी देव दीपावली की धूम रही। मंदिर और अभरण सरोवर दीपों से जगमगाते रहे। फतेहपुर के शक्तिधाम महादेव तालाब पर आचार्य पं. अखिलेश चंद्र शास्त्री के सान्निध्य में शाम होते ही पूरा कस्बा दीपमालाओं से आलोकित हो उठा। श्रद्धालुओं ने सवा लाख दीप जलाए और देव आरती की गई। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण व माता सीता की आरती ने भक्तों का मन मोह लिया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत और विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा भी मौजूद रहे। वहीं रामसनेहीघाट के सुमेरगंज स्थित मां दुर्गा-काली मंदिर को फूलों से सजाया गया और शाम को 2100 दीपों की रोशनी से मंदिर परिसर दैदीप्यमान हो उठा। महिलाओं ने घर से सजे दीपक और आरती की थालियों के साथ माता की महाआरती कर प्रसाद वितरण किया।

7100 दीपों से जगमगाता नागेश्वरनाथ सरोवर। ● अमृत विचार

शक्तिधाम तालाब पर आरती करते विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा।

नागेश्वरनाथ सरोवर पर आरती करते पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप।

न्यूज ब्रीफ

रुपये मांगने पर किसानों से मारपीट

निन्दूरा, बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली बड़ूपुर क्षेत्र के बाबाकुटी में धान बेचने गए पांच किसानों को उनके बकाया पैसे मांगने पर दुकानदार ने पीट दिया। शीतलपुर थाना अटरिया सीतापुर निवासी उमेश, अनुज कुमार , जयपाल, बब्लू व गुड्डू ने गत वर्ष बाबाकुटी निवासी मुलायम को धान बेचा था। किसानों के पास बिक्री की रसीद भी मौजूद है। आरोप है कि जब वे 31 अक्टूबर को अपने बकाया रुपये लेने गए तो मुलायम ने मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी।

शादी का झांसा देकर युवती भगाई, केस दर्ज

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : शादी का झांसा देकर युवक एक युवती को भगाकर ले गया। युवती घर से जेवर नकदी भी ले गई। भाई ने पुलिस में आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित व्यक्ति ने दी गई तहरीर में बताया कि वह रोज़ की तरह काम पर गया था और उसकी मां बाजार गई थीं। इस दौरान करीब दो बजे दिन उसकी बहन को साहिल शादी का लालच देकर भगा ले गया। परिजनों ने आसपास काफी तलाश की लेकिन युवती व आरोपी का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुलिस अधिकारी बन युवक से ठगे 12 हजार

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : बदोसरांय क्षेत्र के तासीपुर निवासी एक युवक ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गया। कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर युवक को अर्दब में लिया और साढ़े 12 हजार रुपये ऐंठ लिये। बीरेन्द्र कुमार ने बताया कि उसके मोबाइल नंबर पर पहले एक लड़की ने कॉल कर उसे अपमानित किया और कहा कि अश्लील वीडियो देखने पर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो रही है। उसके बाद खुद को अधिकारी बताने वाले एक अन्य शख्स का कॉल आया, जिसने मामला खत्म करने के नाम पर जुर्माना जमा करने को कहा। पीड़ित ने पहले गूगल पे से एक हजार रुपये भेजे, इसके बाद जनसेवा केंद्र से स्कैनर पर भुगतान कर कुल 12,500 रुपये दे दिए। उसे एहसास हुआ कि वह ठगा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पेड़ के स्वामित्व को लेकर मारपीट

टिकैतनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : टांडा मजरे इटहुआ पूर्व में मंगलवार सुबह पेड़ के स्वामित्व को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। रामकुमार सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि मंगलवार सुबह महेंद्र सिंह और देवेंद्र सिंह डंडे लेकर उसके दरवाजे पर आए और गाली-गलौज करने लगे। मना करने पर उन्होंने रामकुमार, उनकी पत्नी रीता सिंह और पिता अनंत बहादुर सिंह से मारपीट की।

गुरुनानक जयंती पर सजा दीवान

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : सिख धर्म के प्रथम गुरु धन धन श्री गुरु नानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व बुधवार को हर्षोल्लास और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा लाजपत नगर में दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शुक्रवार से आरंभ हुआ श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का सहज पाठ बुधवार को संपन्न हुआ। प्रकाश पर्व के दिन सुबह से ही गुरुद्वारे में प्रभातफेरी, कीर्तन और भजन संध्या का आयोजन किया गया। बच्चों द्वारा सुबह 11:30 से 12:30 बजे तक कीर्तन प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत हुजूरी रागी जत्था भाई तीरथ सिंह तथा अमृतसर से आए भाई अमृतपाल सिंह ने शबद कीर्तन और भजन प्रस्तुत कर संगत को भाव-विभोर कर दिया। भाई अमृतपाल सिंह ने गुरु नानक देव जी की जीवनी और सिख धर्म की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समापन पर गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया, जिसे सभी धर्मों के लोगों ने एक पंगत में बैठकर ग्रहण किया। शाम को विशेष दीवान का आयोजन हुआ। आयोजन में पूर्व सांसद उपेंद्र रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य, पूर्व सांसद पी.एल. पुनिया, प्रधान सरदार भूपेंद्र सिंह, सरदार चरनजीत सिंह, सरदार प्रेमपाल सिंह, रामकुमारी मौर्य, पूर्व एमएलसी राजेश यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भजन-कीर्तन करते तीरथ सिंह व अन्य। ● अमृत विचार

संदिग्ध दशा में बाग में मिला युवक का शव

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : बनी गांव में बुधवार सुबह सागौन के बाग में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। गले में गमछा बंधा मिला, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। शव की पहचान 35 वर्षीय पेशकार रावत पुत्र भूपत रावत निवासी बनी के रूप में की गई। परिजनों के अनुसार, पेशकार मंगलवार रात खाना खाने के बाद पास के बंगले में सोने गए थे। सुबह बाग मालिक खेत देखने पहुंचा तो उसकाा शव देखा। सूचना पर चेयरमैन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। कोतवाल अंकित त्रिपाठी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस उपाधीक्षक जटाशंकर मिश्रा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो देंगे धरना

अयोध्या, अमृत विचार : कचहरी से घर लौट रहे एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ है। हमलावरों ने लाठी-डंडों, धारदार हथियार और पिस्टल से युवक को पीटा और उसकी सोने की चेन छीन ली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़ित अमित कुमार शुक्ला पुत्र राजबहादुर ने बताया कि धर्मेंद्र कुमार शुक्ला (जो उनके पट्टीदार हैं) और रमेश तिवारी उर्फ सिप्पू (धर्मेंद्र के मौसेरे भाई) सहित चार अज्ञात लोगों ने उन पर हमला किया। हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से लाठी, डंडे, धारदार हथियार तानकर मारपीट की। इस दौरान हमलावर उन्हें गालियां देते और जान से मारने की धमकी देते हुए उनकी सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि घटना के 15 दिन से अधिक समय बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उनका आरोप है कि आरोपी लगातार उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे मजबूरन धरना प्रदर्शन करेंगे।

सिटी डायरी

दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव मनाया

लखनऊ, अमृत विचार : मां मनपूर्णा सेवा समिति द्वारा आयोजित देव दीपावली एवं कार्तिक पूर्णिमा पर एलडीए कॉलोनी टिकैतराय मनपूर्णा मंदिर के प्रांगण में 1100 दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर पश्चिम विधानसभा संयोजक सत्येंद्र सिंह, पश्चिम मंडल - 3 के अध्यक्ष सोमेंद्र पांडे, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष राजेश मिश्रा (राजन), पूर्व मंडल कोषाध्यक्ष नागेंद्र अवस्थी, मंडल उपाध्यक्ष मनीष पांडे, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष नोटेश किशोर दीक्षित, विनय भटनागर, दुर्गा प्रसाद गुप्ता जी, योगेश गुप्ता, केशव बहादुर, अमन अवस्थी, संजय सैनी सहित स्थानीय क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

तुलसी पूजन करती महिला व बच्चे।

महिलाओं ने की तुलसी पूजा

बाराबंकी, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को तुलसी पूजा की धूम रही। महिलाओं ने श्रद्धा और भक्ति से तुलसी माता का श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने तुलसी के पौधे को लहंगा, चुनरी और फूलों से सजाया तथा खीर, पूड़ी, पुआ और पिन्नी का भोग लगाकर भगवान विष्णु और तुलसी माता की आराधना की। पूजा के बाद चुनरी, चूड़ी और प्रसाद का दान कर सुख, शांति और सौभाग्य की कामना की गई। शहर के सत्यप्रेमी नगर स्थित भुइहारे बाबा मंदिर में दिनभर धनेतिया की पूजा चलती रही। वहीं देवकालिया के नकरसेन बाबा मंदिर में महिलाओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर पांच मुट्ठी अन्न अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

भाजपा जिलाध्यक्ष का स्वागत करते मंडल अध्यक्ष।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान की कार्यशाला संपन्न

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : नगर पंचायत सभागार देवा में देवा मंडल की गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान कार्यशाला आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अरविंद वर्मा (बब्लू) ने की। मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष अरविंद मौर्य ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि देवा मंडल के सभी 102 बूथों पर अभियान सक्रिय रहेगा। साथ ही स्नातक एमएलसी मतदाता फॉर्म की समीक्षा कर प्रत्येक शक्ति केंद्र पर बैठक की कार्ययोजना तय की गई। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख धर्मेंद्र यादव, चेयरमैन हारून वारसी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख इच्छाकु मौर्य, अभियान संयोजक आशुतोष अवस्थी, पुनीत मिश्रा, बाबूलाल रावत, आनंद उपाध्याय, बब्लू यादव, सीताकांत मिश्रा, रंजीत वर्मा, अजय सिंह, जितेंद्र निगम आदि थे।

खाटू श्याम जागरण आयोजित

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : दशहरा बाग मैदान में चौथे खाटू श्याम जागरण का आयोजन किया गया। रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाए गए स्थल पर भक्तों ने भगवान श्याम का जन्मोत्सव मनाया। सुबह गायत्री शक्तिपीठ से उत्सव स्थल तक निशान यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष आलोक तिवारी, भाजपा नेता पंकज दीक्षित और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हादसों में लखनऊ के युवक समेत दो की मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : मंगलवार रात और बुधवार सुबह हुए सड़क हादसों में लखनऊ के युवक समेत दो लोगों की मौत हो गई।

लोनीकटरा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब 10 बजे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर कबूलपुर के पास तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में अयोध्या से लखनऊ जा रहे बाइक सवार लखनऊ के गोसाईगंज थाना के जगमोहन पुरवा निवासी सूरज यादव (25), गुजरात निवासी अशोक (42) और गोपाल मिश्र (28) घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें सीएचसी गोसाईगंज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अशोक को मृत घोषित कर दिया। इसी थाना क्षेत्र के ग्राम हुसैनाबाद निवासी अरुण गौतम मंगलवार की रात घर लौट रहे थे। इसी दौरान हुसैनाबाद चौराहे के पास पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। अरुण को पहले सीएचसी त्रिवेदीगंज और फिर ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह उनकी मौत हो गई। रामसनेहीघाट क्षेत्र के रामपुर के पास बुधवार को बाइक-साइकिल की टक्कर में साइकिल सवार केशवराम (70) निवासी रामपुर रायसाहब गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बाइक सवार देशराज निवासी कुड़वासा को भी चोटें आईं।

अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ दी तहरीर

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : ट्रक-अर्टिगा कार की टक्कर मामले में अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ तहरीर दी गई है। कल्याणी नदी पुल पर सोमवार देर रात अर्टिगा कार की ट्रक से टक्कर हो गई थी। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने लखनऊ ट्रॉमा सेंटर में दम तोड़ दिया था। मृतकों में श्रीकांत शुक्ला निवासी खड़ेहरा, प्रदीप रस्तोगी, उनकी पत्नी माधुरी, बेटे नितिन और कृष्णा निवासी फतेहपुर व महेन्द्र मिश्रा निवासी दद्दनपुर शामिल रहे। वहीं इंद्र कुमार मिश्रा और विष्णु मिश्रा ने बाद में दम तोड़ दिया था। मृत इंद्र कुमार मिश्रा के पुत्र सर्वेश ने देवा कोतवाली में अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ तहरीर दी है।

राष्ट्रधर्म की कहानी प्रतियोगिता में लें भाग

लखनऊ, अमृत विचार : राष्ट्रधर्म (मासिक) द्वारा अखिल भारतीय हिन्दी कहानी प्रतियोगिता-2025 आयोजित की जा रही है। साहित्यिक अनुष्ठान की यह प्रतियोगिता दो वर्गों प्रौढ़ और युवा वर्ग में होगी। प्रौढ़ वर्ग में 35 वर्ष से ऊपर और युवा वर्ग में आयु सीमा 18 से 35 वर्ष के बीच निर्धारित की गयी है। प्रौढ़ वर्ग के प्रतिभागियों के लिए शब्द सीमा 2500 और युवा वर्ग के लिए 2000 शब्द सीमा तय की गयी है। रचना भेजने की अंतिम तिथि 15 नवंबर है। इच्छुक प्रतिभागी अपनी रचना इस पते पर भेज सकते हैं -संयोजक : कहानी प्रतियोगिता, राष्ट्रधर्म (मासिक), 59, संस्कृति भवन, राजेंद्र नगर लखनऊ-226004 अथवा ई-मेल storycompetition.rdm@gmail.com। प्रौढ़ श्रेणी के लिए प्रथम पुरस्कार 5 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 3 हजार रुपये, तृतीय पुरस्कार 2 हजार रुपये तथा प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में पांच लोगों को 1-1 हजार रुपये दिये जाएंगे। युवा श्रेणी के पुरस्कार के लिए भी यही धनराशि निर्धारित है। कहानी प्रतियोगिता के विजेताओं को लखनऊ में सम्मानित किया जाएगा।

बैठक

मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में भाजपा ने झोंकी ताकत

मतदाता पुनरीक्षण में सक्रिय रूप से भाग लें पदाधिकारी : सिंह

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बुधवार को मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान की तैयारी बैठक को सम्बोधित करते हुए सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य हर पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में जोड़ना और किसी भी अपात्र का नाम सूची में नहीं होने देना है। धर्मपाल सिंह ने बैठक में कहा कि बेहतर बूथ प्रबंधन और माइक्रो प्लानिंग के माध्यम से इस विशेष अभियान को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि लगभग 22 वर्षों के अंतराल के बाद प्रदेश में चुनाव आयोग के निर्देश पर एसआईआर शुरू की गई है। विशेष रूप से उन युवाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है। उन्होंने अभियान की मॉनिटरिंग के लिए जिला और विधानसभा स्तर पर वॉर रूम बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियान के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इस अभियान में अपनी पूरी ताकत झोंकें क्योंकि यह पार्टी के लिए मील का पत्थर साबित होगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को इस विशेष अभियान के लिए अपने 100 दिन प्रवासी के रूप में पार्टी को देने होंगे। जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य ने सभी का स्वागत किया, जबकि एमएलसी और जिला प्रभारी अवनीश सिंह पटेल ने आभार जताया। इस अवसर पर शीलरत्न मिहिर, गुरु शरण लोधी, संदीप गुप्ता, सुशील जायसवाल, पवन सिंह रिंकू, विजय आनंद बाजपेई, रचना श्रीवास्तव, शेखर हयारन, प्रदीप रावत, मनोज त्रिवेदी एवं सभी मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह। ● अमृत विचार

रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर राहुल फैलाना चाहते हैं अराजकता : राजनाथ

रक्षा मंत्री बोले- कांग्रेस नेता के पास तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा

बांका/जमुई/गयाजी, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। सिंह ने बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता के पास अब तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने हाल में कांग्रेस नेता के चुनावी अभियान के दौरान मछली पकड़ने की कोशिश पर तंज कसा। रक्षा मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी बिना किसी आधार के निर्वाचन आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों पर निशाना साध रहे हैं।

बिहार संग्राम

बिहार के जमुई जिले में जनसभा में सिंह ने कहा, राहुल को क्या हो गया है? वे रक्षा बलों में आरक्षण की बात उठा रहे हैं। वे देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। हमारे सशस्त्र बल इन सब चीजों से ऊपर हैं। भारत के सैनिकों का केवल एक धर्म है- 'सैन्य धर्म'। भाजपा आरक्षण के पक्ष में है। हमने गरीबों और समाज के पात्र वर्गों को आरक्षण दिया है। राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया था कि निजी क्षेत्र, न्यायपालिका, नौकरशाही और सशस्त्र बलों में पिछड़ी जातियों, आदिवासी और अल्पसंख्यकों का बहुत कम प्रतिनिधित्व है, जबकि 10% आबादी इन पर नियंत्रण रखती है।

सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को यह समझना चाहिए कि देश चलाना बच्चों का खेल नहीं है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया है, खत्म नहीं किया गया। अगर आतंकवादी भारत पर फिर हमला करने की कोशिश करेंगे तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हमारे सैनिकों ने आतंकियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। भारतीय सेना ने आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया... मैं मारे गए आतंकियों की संख्या नहीं बताना चाहता, पर यह तीन अंकों से कहीं अधिक है। भारत को कोई उकसाने की कोशिश करता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

चारा खाया, अब गरीबों का राशन खाएगा राजद : योगी

गया। भाजपा के स्टार प्रचारक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों ने पहले पशुओं का चारा खाया और अब अगर सत्ता में आए तो गरीबों का राशन खाने की फिराक में है। उन्होने कहा कि 2005 के पहले बिहार में अपराध, जातीय संघर्ष, माओवाद, नक्सलवाद था। यूपी-बिहार के नाम पर देश-दुनिया में सम्मान नहीं मिलता था। बिहार में लालू प्रसाद यादव के शासन में 60 से अधिक जातीय नरसंहार, 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, संभ्रांत व्यक्ति सुरक्षित नहीं थे। बिहार के 30-40 प्रतिशत लोगों गोरखपुर व वाराणसी में है, क्योंकि उस समय जंगलराज था, लेकिन नीतीश के नेतृत्व में 20 वर्ष में सुशासन की सुदृढ़ नींव रखी गई। बिहार में रोड, रेल, एयर कनेक्टिविटी के साथ अब वाटरवे की कनेक्टिविटी बिहार से होते हुए यूपी को जोड़ रही है। किसानों के उत्पाद हों या बिहार का मखाना, जल मार्ग से दुनिया के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है।

पहले व दूसरे चरण के 27% प्रत्याशियों पर गंभीर आपराधिक मामले

पटना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार चुनाव के पहले और दूसरे चरण के 2,600 उम्मीदवारों में से 697 (27%) पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। यह आंकड़ा 2020 के चुनाव की तुलना में अधिक है, जब 25% उम्मीदवारों ने इसकी घोषणा की थी। इस बार उम्मीदवारों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन दागी चेहरों का प्रतिशत बढ़ा है। एडीआर के अनुसार, सीपीएम के 4 में से 4 उम्मीदवार, सीपीआई के 9 में से 6, सीपीआई (एमएल) के 20 में से 13, कांग्रेस के 60 में से 32, लोजपा (रामविलास) के 28 में से 14, आरजेडी के 140 में से 69, भाजपा के 101 में से 49, जन सुराज पार्टी के 231 में से 100, जदयू के 101 में से 26, आप के 83 में से 21 और बीएसपी के 180 में से 28 उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि हर पार्टी ने आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों को टिकट दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 94 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर महिलाओं पर अत्याचार से जुड़े मामले घोषित किये हैं, जिनमें 5 पर दुष्कर्म का आरोप हैं। वहीं 52 ने हत्या और 165 ने हत्या के प्रयास के मामले घोषित किये हैं।

राजग वोट चोरी से सरकार बनाना चाहता है : प्रियंका

बेतिया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में वोट चोरी से सरकार बनाना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं हैं। प. चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर और चनपटिया की जनसभाओं में प्रियंका ने कहा कि राजग जानता है कि जनता उससे ऊब चुकी है, इसलिए वह वोट चोरी में लिप्त है। आज देश में हालात ऐसे हैं, जैसे अंग्रेजों के शासनकाल में हुआ करते थे, मुझे संदेह है कि भविष्य में इस देश में चुनाव भी होंगे या नहीं। प्रियंका ने कहा कि राजग सब कुछ बर्बाद कर देगा, यह भी साफ नहीं है कि आगे चुनाव होंगे या नहीं, आप चुप क्यों हैं? इन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाइए।

मतदान से पहले जनसुराज का उम्मीदवार भाजपा में

मुंगेर। प्रथम चरण के मतदान से पहले जनसुराज के उम्मीदवार संजय सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा के मुंगेर प्रभारी राजेश झा के अनुसार, संजय सिंह ने भाजपा उम्मीदवार कुमार प्रणय और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि उनका यह निर्णय विकास और स्थिर सरकार की दिशा में उठाया गया कदम है। संजय सिंह ने कहा कि वह प्रधानमंत्री की नीतियों से प्रभावित हैं और राजग के साथ विकास कार्य करना चाहते हैं।

शीशियां बरामद : लखीमपुर खीरी। जनपद में नशीली दवाओं की अवैध बिक्री पर शिकंजा कसने के तहत औषधि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को औषधि विभाग की टीम ने पढुआ पुलिस के साथ ढखेरवा चौराहा पर मेडिकल एजेंसी पर छापा मारा। टीम ने आठ पेटियों में भरी 1133 शीशियां प्रतिबंधित कोडीन सिरप की बरामद की हैं।

हरियाणा का चुनाव चोरी हुआ था, सरकार वैध नहीं : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

राहुल गांधी ने वोट चोरी को लेकर बुधवार को हरियाणा की मतदाता सूची को लेकर आंकड़े सामने रखे और दावा किया कि गत वर्ष अक्टूबर में हुए विधानसभा चुनाव को 25 लाख फर्जी मतों के जरिये चोरी हुआ था। उन्होंने निर्वाचन आयोग और भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप भी लगाया और कहा कि न सिर्फ हरियाणा की सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वैध रूप से पद पर नहीं हैं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी सरकार में वैध रूप से नहीं हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा में वोट चोरी को लेकर वह जो बातें कर रहे हैं वो सौ फीसदी सबूत पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सर्वेक्षणों में कांग्रेस की जीत की संभावना थी, लेकिन कांग्रेस की तय जीत को हार में बदला गया। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री के बयान का वीडियो दिखाया, जिसमें सैनी ने सरकार बनाने की व्यवस्था होने की बात की थी। राहुल ने दावा किया कि हरियाणा में पांच अलग-अलग तरीकों से 25,41,144 फर्जी मतों से वोट चोरी हुई। डुप्लीकेट वोटर की संख्या 5,21,619 रही। फर्जी पते वालों की संख्या 93,174 थी, बल्क वोटर 19,26,351 थे। उन्होंने कहा कि फॉर्म 6 और 7 का भी दुरुपयोग हुआ। फॉर्म 6 और फॉर्म 7 के जरिये वोटरों को जोड़ा और घटाया जाता है।

बिहार में होना है मतदान और राहुल बता रहे हरियाणा की कहानी : रीजीजू

भाजपा ने हरियाणा चुनाव में वोट चोरी संबंधी राहुल गांधी के दावों को बुधवार को झूठा और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कांग्रेस नेता पर अपनी नाकामियों को छिपाने तथा देश को बदनाम करने के लिए निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने गांधी पर 'जेन जेड' को भड़काने का प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे प्रयास कभी सफल नहीं होंगे, क्योंकि देश के युवा इतने समझदार हैं कि वे ऐसे उकसावे में नहीं आएंगे। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में कहा, हरियाणा चुनावों के दौरान उनकी वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा ने कहा था कि कांग्रेस जीत नहीं पाएगी, क्योंकि हरियाणा कांग्रेस के नेता चाहते थे कि पार्टी हार जाए। तीन दिन पहले कांग्रेस के पूर्व नेता ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कहा कि कांग्रेस हरियाणा चुनाव इसलिए हारी, क्योंकि उसके नेता काम नहीं कर रहे थे। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भी कहा था। रीजीजू ने कहा कि बिहार में मतदान होने वाला है और वह हरियाणा की कहानी बता रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि बिहार में (कांग्रेस के लिए) कुछ नहीं बचा है। इसीलिए वह जनता का ध्यान भटकाने के लिए हरियाणा का मुद्दा लेकर आए हैं।

हरियाणा को लेकर राहुल के दावे निराधार : ईसी

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा हरियाणा में मतदाता सूची को लेकर लगाए गए आरोप निराधार हैं क्योंकि प्रदेश में न तो उनकी पार्टी के बूथ एजेंट की ओर से अपील दायर की गई और न ही एक से अधिक मतदान की शिकायत हुई थी। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने सवाल किया कि कांग्रेस के बूथ एजेंट ने अक्टूबर 2024 में हुए हरियाणा चुनावों में कई बार वोट डालने वाले मतदाताओं को चिह्नित क्यों नहीं किया। कांग्रेस नेता के आरोपों का खंडन करते हुए एक अधिकारी ने कहा, मतदाता सूची में संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ स्तरीय एजेंट द्वारा कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई गई? बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) राजनीतिक दलों द्वारा मतदाता सूची में अनियमितता को चिह्नित करने के लिए नियुक्त किए जाते हैं। मतदाता सूचियों के विरुद्ध शून्य अपील दायर हुई थीं और वर्तमान में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में केवल 22 चुनाव याचिकाएं लंबित हैं। कुल 23 चुनाव याचिकाएं दायर की गईं, जिनमें से एक को बाद में वापस ले लिया गया।

नियुक्ति के समय आयु संबंधी त्रुटि पर नियमितीकरण रद्द करना अवैध : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में कर्मचारी के नियमितीकरण को नाबालिग होने के आधार पर रद्द करने संबंधी वर्ष 2003 के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने माना कि यह मामला न तो जानकारी छिपाने, न धोखाधड़ी और न ही अभ्यर्थी की किसी कमी से जुड़ा है। इसलिए सेवाएं समाप्त करना अनुचित है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति विकास बुधवार की एकल पीठ ने वन दरोगा अंजनी कुमार सिंह की याचिका को निस्तारित करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार वर्ष 1991 में याची को वन विभाग में वन दरोगा (समूह 'ग') पद पर नियुक्ति मिली। उन्होंने सभी चयन चरणों, शारीरिक दक्षता जांच सहित, सफलतापूर्वक पूर्ण किए और 26 मार्च 2002 को उनकी सेवाएं नियमित कर दी गईं। किंतु वन संरक्षक, वाराणसी ने सात मई 2003 को यह कहते हुए नियमितीकरण रद्द कर दिया कि नियुक्ति के समय याची की आयु 18 वर्ष से कम थी। याची को 2003 से अंतरिम संरक्षण प्राप्त था और वे निरंतर सेवा में रहे। अंतिम सुनवाई में कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि नियुक्ति के समय आयुगत त्रुटि अनियमितता हो सकती है। लेकिन इसे याची की ओर से धोखाधड़ी नहीं माना जा सकता है। कोर्ट ने यह भी दोहराया कि नियमितीकरण की प्रक्रिया का उद्देश्य प्रारंभिक तकनीकी कमियों का समायोजन करना होता है, जब तक कि नियुक्ति शुरू से अवैध न हो। इसके अलावा रिकॉर्ड में याची के विरुद्ध कोई प्रतिकूल तथ्य नहीं है और वह 1991 से निरंतर कार्यरत है। अतः नियमितीकरण रद्द करना टिकाऊ नहीं है। इसलिए 7 मई 2003 का आदेश रद्द करते हुए 26 मार्च 2002 का नियमितीकरण आदेश बहाल कर दिया गया। साथ ही याची को सभी परिणामी सेवा लाभ दिए जाने का निर्देश दिया गया।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्भित करने की सूचना/साधारण प्रारूप
बअदालत न्यायालय श्रीमान् स्पेशल जज, पी0सी0 एक्ट-3, लखनऊ
मिस्लीनियस वाद संख्या-295/2019
ता0पेशी-17.11.2025

1-Smt Rajni Mishra aged adult wife of Rajjan Lal Mishra R/o 547/49 Puraniya, Aliganj Lucknow.
2-Abubha Chatterji wife of Mritunjaya Chatterji through its attorney holder Sri Upendra Singh Advocate R/o H.No. C-43/11, Paper Mill Colony, Nishatganj, Lucknow -Appellants

Versus

Shambhoo Dayal S/o Sri Nanhey aged adult R/o H.No. 530/38Cha, Sheikhapur, Bara Chandganj, Lucknow. -Respondent

चूंकि उपरोक्त नामांकित-Appellants ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा-5 परिसीमा अधिनियम सम्बन्धित रेगुलर सिविल अपील-96 सी0पी0सी0 हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 17.11.2025 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 10.10.2025 के दिवस को दिखायी गयी।

दस्तखत हाकिम-मोहर अदालत

अदालती नोटिस

हेतु संदर्भित करने की सूचना/साधारण प्रारूप
बअदालत न्यायालय श्रीमान् सिविल जज (सी0डि0) मोहनलालगंज, लखनऊ
प्रकीर्ण वाद संख्या-933/2024 ता0पेशी-25.11.2025

डिम्पल दुबे उम्र लगभग 43 वर्ष पत्नी स्व0 सुनील दुबे निवासिनी-महमूदपुर, गोसाईगंज, जिला-लखनऊ -प्रार्थिनी/वादिनी

बनाम्

1-जायदाद स्व0 सुनील कुमार दुबे पुत्र सुखनन्दन दुबे निवासी-महमूदपुर, गोसाईगंज, जिला-लखनऊ- 2-शाखा प्रबन्धक, ओरियण्टल बैंक ऑफ कामर्स, हैबतमऊ, मवैया, लखनऊ (वर्तमान में पंजाब नेशनल बैंक)-3-नेहा दीक्षित उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्री स्व0 सुनील कुमार दुबे पत्नी श्री शिवम दीक्षित निवासिनी-बरौली, खलीलाबाद, उतरेठिया स्टेशन, लखनऊ- 4-नैन्सी दुबे उम्र लगभग 21 वर्ष पुत्री सुनील कुमार दुबे निवासिनी-महमूदपुर, गोसाईगंज, जिला-लखनऊ- 5-सचिन कुमार दुबे उम्र लगभग 19 वर्ष निवासी-महमूदपुर, गोसाईगंज, जिला-लखनऊ- 6-विपिन कुमार दुबे नाबालिग उम्र लगभग 17 वर्ष पुत्र सुनील कुमार दुबे द्वारा संरक्षिका माता डिम्पल दुबे पत्नी स्व0 सुनील दुबे निवासी-महमूदपुर, गोसाईगंज, जिला-लखनऊ - विपक्षीगण

चूंकि उपरोक्त नामांकित-प्रार्थिनी/वादिनी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा-372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 25.11.2025 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 27.09.2024 के दिवस को दिखायी गयी।

दस्तखत हाकिम-मोहर अदालत

घूस के पैसे से शेयरों में निवेश कर कमाया लाभ अपराध से अर्जित आय है : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईडी की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि घूस के पैसे से शेयर बाजार में निवेश कर कमाए लाभ को अपराध से अर्जित आय माना जाएगा और यह धन शोधन अपराध है। अदालत ने कहा कि यदि किसी ने रिश्वत की राशि को निवेश किया है, तो उसकी कीमत बढ़ने पर भी उस धन का अवैध स्रोत शुद्ध नहीं होता और यह बढ़ी हुई राशि भी उसी अवैध स्रोत से जुड़ी होती है।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने तीन नवंबर को दिए फैसले में कहा, धन शोधन सतत अपराध है, जो अवैध धन अर्जित करने की प्रारंभिक क्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें उस धन के विभिन्न लेनदेन भी शामिल है। पीठ ने कहा कि यदि कोई अधिकारी रिश्वत लेकर उसे शेयर बाजार, रियल एस्टेट या मादक पदार्थ के धंधे में लगाता है, तो धन की अवैधता समाप्त नहीं होती और ऐसी पूरी राशि जब्ती योग्य होती है। यह फैसला ईडी की अपील पर दिया गया, जिसमें उसने फतेहपुर कोल ब्लॉक आवंटन से संबंधित मामले में एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी थी। ईडी ने 122.74 करोड़ की संपत्ति को जब्त किया था कि एम/एस प्रकाश इंडस्ट्रीज ने धोखाधड़ी से कोल ब्लॉक आवंटन पाया और शेयर की कीमतें बढ़ाईं।

बिलासपुर ट्रेन हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)। बिलासपुर रेलवे स्टेशन के करीब मंगलवार को हुए रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि 20 लोग घायल हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 'मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट' (एमईएमयू) यात्री ट्रेन कोरबा जिले के गेवरा से पड़ोसी जिले बिलासपुर जा रही थी। अधिकारियों ने कहा, दुर्घटना में छह महिलाओं सहित 11 लोगों की मौत हुई है तथा 20 अन्य घायल हो गए हैं। 11 मृतकों में से पांच में रेलगाड़ी के लोको पायलट विद्या सागर, लवकुश शुक्ला, रंजीत प्रभाकर, शीला यादव और प्रिया चंद्र है। मृतकों में से चार महिलाओं और दो पुरुषों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। 20 घायलों में नौ महिलाएं और दो वर्षीय बच्चा हैं। यात्री ट्रेन की सहायक लोको पायलट रश्मि राज और ट्रेन मैनेजर अशोक कुमार दीक्षित तथा मालगाड़ी के गार्ड शैलेश चंद्र भी अस्पताल में हैं। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि रेलगाड़ी का एक डिब्बा मालगाड़ी के एक डिब्बे के ऊपर चढ़ गया था।

दागी खाकी | **दिल्ली, राजस्थान और नोएडा में संपत्ति की तलाश**

दूसरे प्रदेशों में भी खरीदी प्रापर्टी निलंबित सीओ ऋषिकांत ने

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीओ ऋषिकांत को शासन ने सस्पेंड कर दिया है। इसके बाद पूर्व सीओ ऋषिकांत पर एसआईटी शिकंजा कस दिया है। अब तक यूपी के तमाम शहरों में ऋषिकांत की 100 करोड़ से ज्यादा की बेनामी संपत्ति की जानकारी के बाद एसआईटी को यूपी के बाहर की तमाम बेनामी संपत्ति की सूचना मिली है। दिल्ली, नोएडा और राजस्थान में भी संपत्ति की जानकारी की जा रही है। पुलिस सूत्रों की माने तो कुछ दिन पहले दिवंगत हुए सिपाही से सीओ बने एक पुलिस कर्मी से ऋषिकांत के गहरे नाते थे। दारोगा ऋषिकांत और सिपाही दिवंगत ने कानपुर में अखिलेश दुबे के साथ मिलकर तमाम प्रापर्टी बनाई। पुलिस सूत्र बताते हैं कि एक समय में कानपुर के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट कहे जाने वाले ऋषिकांत ने कई शातिर अपराधियों को जिंदा छोड़ने के नाम पर मोटी रकम ली थी।

अपने ही इनफार्मर से विवाद के बाद चर्चित हो गए ऋषिकांत

- रायपुरवा थानाक्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर मनोहर शुक्ला जिसे ऋषिकांत श्री प्रकाश शुक्ला का रिश्तेदार बताते हैं। एक समय में ऋषिकांत का इनफार्मर था। ऋषिकांत की वजह से शहर में तैनात एक चर्चित आईपीएस अधिकारी (जो इस समय रिटायर हो चुके हैं) मनोहर शुक्ला को अपने पास न सिर्फ बिठाने लगे थे बल्कि इसकी सूचना पर ही डी-टू गैंग के तमाम मेंबर्स की जानकारी भी हासिल करते थे। ऋषिकांत के मुताबिक मनोहर शार्प क्रिमिनल है। पुलिस विभाग को दी गई जानकारी के मुताबिक चार करोड़ रुपये की किसी प्रापर्टी को लेकर मनोहर शुक्ला और ऋषिकांत के बीच काफी समय से ठनी हुई चल रही थी। हालांकि मनोहर की पत्नी के निधन के दौरान ऋषिकांत ने कुछ रकम मनोहर को भिजवाई थी।
- 2000 के पहले दशक में शहर में तैनात एक और अधिकारी के मनोहर से पारिवारिक रिश्ते हो गए थे। जिसकी वजह से वह पूरे जिले में पुलिस कर्मियों के ट्रांसफर पोस्टिंग का ठेका भी लेता था। ऋषिकांत का यही मुंहलगा इनफार्मर अब उसके लिए गले की फांस बना हुआ है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्याः SrDEE-TRD-BSB-2025-26-T15, दिनांकः03-11-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।
क्रम सं.-01, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल के अंतर्गत बनारस सिटी स्टेशन पर यातायात सुविधा फेज-II के प्रावधान के सम्बन्ध में 25 केवी विद्युतीकरण का कार्य। टेंडर रिफरेंश नं.: SrDEE-TRD-BSB-2025-26-T15, कार्य का अनुमानित लागत रूपया में: ₹ 1,47,19,664.90, धरोहर राशि (रू. में): ₹ 2,23,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपया में: शून्य, निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः 25-11-2025 up to 14:45 Hrs., कार्य पूरा करने की अवधिः 09 माह।
- खुली ई-निविदा दिनांक 25-11-2025 को 14:45 बजे तक जमा कर सकेंगे।
- पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी वाराणसी
मुजाधि/विद्युत-175
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें सिंगल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं0	106-टेली/टेंडर/15/2025-26
कार्य का नाम	लखनऊ मंडल के उत्तर रेलवे के ON-BQP सेक्शन पर लेवल क्रॉसिंग गेटों पर लास्ट माइल कनेक्टिविटी के लिए VHF आधारित वायरलेस संचार प्रणाली का कार्य।
अनुमानित लागत	रु 84,90,264.08/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु 1,69,900.00/-
कार्य पूरा करने की अवधि	180 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	25.11.2025 15.30 बजे
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.u के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।
निविदा सू0सं0 - 106-टेली/टेंडर/15/2025-26 दिनांक 04.11.2025 3440/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ0रे0-मण्डल-वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	PnU-LKO-BSB-WRL-105-24-1 (Pay and Use-Lounges/Waiting/Retiring/Cloak Rooms)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	19.11.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	19.11.2025 at 11:30 hrs.
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3429/25

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Management

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit university website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैंने अपना नाम AHMAD ZAFAR से बदल कर MOHAMMAD ZAFAR रख लिया है अब भविष्य में मुझे MOHAMMAD ZAFAR के नाम से जाना वा पहचाना जाए। S/O- MOHAMMAD AHMAD Resident:- MAHDIPUR ALHANMAU PO ALIABAD BARABANKI 225401

सूचना
मैं मो0 वैश खान पुत्र मो0 नईम खान निवासी ग्राम-खैरातपुर, परगना-जगदीशपुर, तहसील मुसाफिरखाना जनपद-अमेठी (उ0प्र0) 227809 मेरे पासपोर्ट जिसका नं0-G5954710 है। उक्त पासपोर्ट पर मेरा नाम MOHAMMAD VAISH KHAN व पिता का नाम MOHAMMAD NAIM KHAN दर्ज है, जो कि गलत है। जबकि आधारकार्ड नं0-613880557606 पर मेरा नाम MOHD WAISH KHAN व पिता का नाम MOHD NAIM KHAN दर्ज है, जो कि सत्य व वास्तविक है, तथा इसी नाम से हम जाने व पहचाने जाते है।

सूचना
मैने अपना नाम SURBIND से बदलकर SURBIND KUMAR NISHAD रख लिया है। आज से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0- INDAR R/0- VILLAND POST-NANDAURI, UTRAULA, DIST-BALRAMPUR-271604 (U.P.)

सूचना
इन्द्रसेन यादव पुत्र राम नाथ यादव निवासी ग्राम लोकेपुर पोस्ट कूरेभार थाना कूरेभार तहसील सदर जिला सुलतानपुर। मै ARMY MEDICAL CORPS में नायक के पद पर कार्यरत हूँ मेरे हाईस्कूल अंकपत्र में मेरा नाम INDRSEN YADAV अंकित था जिस कारण मेरे सर्विस बुक में मेरा नाम INDRSEN YADAV अंकित है जबकि हाईस्कूल में अपना नाम संशोधित करवा लिया इसके तहत मेरा नाम आधार कार्ड नं0-307229868020 व हाईस्कूल की मार्कशीट (अनुक्रमांक 1946907 उत्तीर्ण वर्ष 2009) में मेरा नाम INDRASEN YADAV अंकित है जो कि सही एवं सत्य है। INDRSEN YADAV व INDRASEN YADAV दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है। अतः मेरे सर्विस बुक में मेरा नाम INDRSEN YADAV के स्थान INDRASEN YADAV अंकित किया जाय।

सूचना
मुझे अपने पुत्र शब्बीर याकूब ए शेख की जन्मतिथि 01-01-1975 के पंजीकरण तथा जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की जरूरत है। मैं इसीलिए इसका प्रकाशन करवा रहा हूं। मुजीबुल्ला पुत्र आकूब मोहल्ला, रफीनगर, उतरौला जनपद बलरामपुर

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैं **दारेन पुत्र आबिद खान निवासी ग्राम निंदूरा, थाना कटरा बाजार, तहसील करनैलगंज, जनपद गोंडा** अपने नाम को बदलकर फैज खान रखना चाहता हूँ। आगे से सभी सरकारी अभिलेखों, दस्तावेजों एवं लेन-देन में मेरा नाम फैज खान ही मान्य होगा। दिनांक-05/10/2025, स्थान- गोंडा, दारेन (अब फैज खान)

सूचना
सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र रविकरण, अरविंद कुमार और मनोज कुमार के गलत आचरण के चलते अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। इनके द्वारा किए गये लेनदेन संबंधी कार्यो के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा इनसे कोई वास्ता नहीं रहा। **गंगादीन पुत्र सुंदर लाल निवासी- सिकंदरपुरा, दातागढ़ी राठ (हमीरपुर) उप्र**

अमृत विचार

गुरुवार, 6 नवंबर 2025

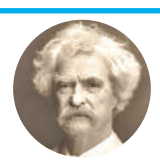

भले ही आप कपड़े पहनने में लापरवाह हैं, पर अपनी आत्मा को दुरुस्त रखिए।
—मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

रेलवे पर सवाल

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की रेल दुर्घटना ने यह सवाल फिर से उठाया है कि भारतीय रेल की सुरक्षा-संरक्षा प्रणाली क्यों चूक रही है! जांच के प्रारंभिक संकेत मानव त्रुटि या सिग्नलिंग की खामी बता रहे हैं, पर असली दोषी का पता तब चलेगा जब ब्लैक बॉक्स, सिग्नल लॉग, ड्राइवर की ड्यूटी रिकॉर्ड, ट्रैक सर्किट और नियंत्रण-कक्ष के डेटा की बारीकी से तकनीकी जांच के बाद रेल सुरक्षा आयुक्त की रिपोर्ट आएगी। इससे तय होगा कि हादसे में मानवीय भूल का हाथ था या तकनीकी प्रणाली की विफलता। यदि रेलवे द्वारा आधुनिक तकनीक और उच्चस्तरीय सिग्नलिंग सिस्टम के दावे के बाद भी आमने-सामने की टक्कर हो रही है, तो बेशक हमारी सुरक्षा संस्कृति ही दोषपूर्ण है। रेलवे में सिग्नलिंग इंटरलॉकिंग की किंचित नाकामी ट्रेन को गलत ट्रैक पर भेज सकती है। सिग्नल सिस्टम में खामी का मतलब है कि ट्रैक सर्किट, इंटरलॉकिंग प्रणाली ने ठीक से काम नहीं किया। ये ठीक से काम करें, इसके लिए हार्डवेयर सुधार के साथ 'रियल टाइम रिमोट मॉनिटरिंग' जैसी व्यवस्थाएं लागू करना जरूरी हैं। हालांकि लोको पायलट की थकान, संचार की कमी या समय-संवेदनशील निर्णयों में विलंब से भी दुर्घटनाएं होती हैं। दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई का प्रावधान है। निलंबन, बर्खास्तगी, दंडात्मक अभियोजन तक, लेकिन सच्चाई यह है कि अधिकांश जांच रिपोर्टें बरसों-बरस फाइलों में पड़ी रहती हैं। रेल सुरक्षा आयुक्त की अनुशंसाओं पर कार्रवाई का प्रतिशत अत्यंत अल्प है। भारतीय रेलवे की ऑडिट रिपोर्टें बताती हैं कि बड़ी संख्या में दुर्घटनाओं में मानव-त्रुटि मुख्य कारण होने के बावजूद जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया धीमी और बेहद अपारदर्शी है। इसीलिए दोषियों और कारणों की पहचान के बावजूद सुधार तत्परता से लागू नहीं होते।

हर बड़े हादसे के बाद उच्चस्तरीय समितियां बनती हैं, नई घोषणाएं होती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर बदलाव, सुधार की रफ्तार बेहद धीमी रहती है। रेल मंत्रालय ने वर्षों पहले एंटी कोलिजन डिवाइस 'कवच' लगाने की योजना बनाई थी, ताकी इस तरह आमने-सामने की टक्कर न हो। अब तक यह कुछ हजार किलोमीटर रूट और सीमित संख्या में लोकोमोटिव तक ही सीमित है। बजटीय सीमाएं, तकनीकी संगतता और विशाल नेटवर्क इसके विस्तार में बाधा हैं, किंतु जान-माल की सुरक्षा के आगे प्राथमिकता स्पष्ट होनी चाहिए। हर चालित ट्रेन में 'कवच' या इसी तरह की स्वचालित सुरक्षा प्रणाली अनिवार्य हो। रेलवे में गाड़ी का पटरी से उतरना, सिग्नल फेल होना, लोकोमोटिव फाल्ट छोटी दुर्घटनाएं रोज घटती हैं, पर ये मीडिया में नहीं आतीं। न इन पर प्रशासनिक दबाव बनता है। छोटी लापरवाहियों पर उपेक्षा की यही प्रवृत्ति आगे चल कर बड़े हादसे का रूप ले लेती है।

जरूरी है कि रेल मंत्रालय हर छोटे हादसे की रिपोर्टिंग और त्वरित विश्लेषण के बाद जिम्मेदारी तय करने की व्यवस्था विकसित करे। लालखदान की रेल त्रासदी चेतावनी है कि भारतीय रेल में तकनीकी निवेश के साथ मानव प्रबंधन, जवाबदेही और पारदर्शिता को समान महत्व दिया जाए। सुरक्षा सिर्फ उपकरणों से नहीं, प्रणालीगत ईमानदारी और सतर्कता से आती है।

प्रसंगवश

महज अतीत की धरोहर नहीं भविष्य की नींव हैं किताबें

समय के साथ हमारी पढ़ने की आदतें बदल रही हैं। एक दौर था, जब किताबें ही ज्ञान, कल्पना और चिंतन का मुख्य स्रोत थीं। अब वही भूमिका स्मार्टफोन, टैबलेट, गूगल और एआई उपकरणों ने ले ली है। सूचनाओं तक पहुंचना पहले से कहीं आसान हुआ है, पर इसी सुविधा ने गहराई से सोचने और समझने की क्षमता को चुनौती दी है। आज जब विद्यार्थी गूगल या एआई आधारित उपकरणों की मदद से तुरंत उत्तर प्राप्त कर लेते हैं, तब सवाल करना, विषय को गहराई से समझना और उस पर चिंतन करना पीछे छूटता जा रहा है। ज्ञान का सतही उपभोग गहन अध्ययन के महत्व को कमजोर कर सकता है।

आज का जीवन तेज और सूचना-भरा है। हर चीज अब तेज हो गई है। खबरें, मनोरंजन, सीखना और पढ़ना भी। डिजिटल माध्यमों ने शिक्षा और जानकारी दोनों को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति, किसी भी समय, किसी भी विषय पर जानकारी प्राप्त कर सकता है। यह बदलाव हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। यूनेस्को और ओईसीडी के अध्ययन बताते हैं कि इंटरनेट ने ज्ञान के प्रसार को पहले से कहीं अधिक व्यापक बना दिया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

फिर भी शोध दर्शाते हैं कि स्क्रीन पर पढ़ना और कागज पर पढ़ना दो अलग अनुभव हैं। स्क्रीन मस्तिष्क को 'तेज प्रोसेसिंग मोड' में रखती है, जहां उद्देश्य केवल जानकारी छांटना होता है, उसे आत्मसात करना नहीं। परिणामस्वरूप, पूरी जानकारी या तर्क की सूक्ष्म परतें याद नहीं रहतीं और एकाग्रता बार-बार टूटती है। यही वह बिंदु है, जहां किताबों की भूमिका और अहम हो जाती है। किताबें हमें धीमा करती हैं, ठहरना सिखाती हैं और अर्थ को आत्मसात करने का अभ्यास कराती हैं।

अधिकांश विद्यार्थी अब पूरा अध्याय या कहानी के बजाय केवल 'महत्वपूर्ण प्रश्न' या 'सारांश' पर निर्भर हो जाते हैं। संक्षिप्त नोट और पावरपॉइंट स्लाइडें परीक्षा के लिए सुविधाजनक हो सकती हैं, लेकिन सोचने और विश्लेषण करने की क्षमता को कमजोर करती हैं। गहन अध्ययन की जगह केवल जानकारी का उपभोग हावी हो जाता है। ज्ञान तब ही जीवित रहता है, जब उसे पढ़ने, समझने और तर्क करने की प्रक्रिया के साथ जोड़ा जाए। ऐसे में विद्यालयों में नियमित 'पठन सत्र' या पुस्तकालय सत्र भाषा कौशल, एकाग्रता और तर्कशक्ति बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

किताबें केवल सूचना नहीं देतीं, वे सोचने का तरीका सिखाती हैं। ये हमें गहराई से किसी और के दृष्टिकोण से दुनिया देखने की क्षमता देती हैं। शोध बताते हैं कि 'डीप लर्निंग' मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है जो सहानुभूति, स्मृति और आलोचनात्मक सोच से जुड़े हैं। किताबें हमारी कल्पना, विवेक और संवाद की क्षमता को बढ़ाती हैं और हमें भावनात्मक और बौद्धिक दोनों स्तरों पर विकसित करती हैं।

तकनीक और किताबों को विरोध में नहीं देखा जाना चाहिए। सही उपयोग से तकनीक किताबों तक पहुंच आसान बना सकती है। राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, ई-पाठशाला और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म लाखों पुस्तकों और शैक्षणिक संसाधनों को विद्यार्थियों तक पहुंचा रहे हैं। ई-पुस्तकें और श्रव्य पुस्तकें (ऑडियो बुक्स) पढ़ाई को कहीं भी, कभी भी संभव बना देती हैं। समस्या तब आती है जब तकनीक सोचने का विकल्प बन जाए। जब विद्यार्थी केवल एआई आधारित सारांश और गूगल से तुरंत उत्तर लेते हैं, तब ज्ञान सतही बन जाता है। तकनीक तभी सहायक है, जब वह जिज्ञासा और गहराई को बढ़ाए, न कि प्रतिस्थापित करे।

भारत के दोस्तों पर ना 'पाक' पड़ोसी की नजर

दिग्विजय सिंह

कानपुर

पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की हैं। अमेरिका से दुश्मनी के बाद भी पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से राजनयिक रिश्ते स्थापित करने का फैसला किया है।

ऑपरेशन सिंदूर में मिली करारी हार से बौखलाया पाकिस्तान भारत को अब हर तरफ से घेरने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए अपने मित्र राष्ट्रों के दुश्मन देशों से भी हाथ मिलाने को आतुर है। इसका ताजा उदाहरण उत्तर कोरिया है। भारत और उत्तर कोरिया के रिश्ते बहुत ही अच्छे हैं। 2018 में तत्कालीन विदेश मंत्री ने उत्तर कोरिया का दौरा किया था, हालांकि इस दौरे के बाद अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी, लेकिन भारत ने नजरअंदाज कर दिया था। अब पाकिस्तान उत्तर कोरिया से अपने राजनयिक रिश्ते बहाल करने जा रहा है। माना जा रहा है कि इस रिश्ते की बहाली के साथ ही दोनों देश गुपचुप तरीके से सैन्य समझौते भी कर सकते हैं।

बांग्लादेश का जन्म ही भारत के हाथों हुआ था। इस बात का एहसान बांग्लादेश के हुक्मरान मानते आए हैं। पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए दमन का दुख हर बांग्लादेशी नागरिक के मन में रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद, वहां पाकिस्तान का प्रभाव बढ़ा है। बांग्लादेश की राजनीति में पाकिस्तानी हस्तक्षेप की झलक साफ दिखती है। यहां तक कि पाकिस्तान के सैनिक बांग्लादेशी सैनिकों को प्रशिक्षित कर रहे हैं और अब कई बड़े सैन्य समझौते भी दोनों देशों के बीच होने जा रहे हैं। भारत के इस पड़ोसी देश में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियां बढ़ी हैं, जो भारत के लिए शुभ संकेत नहीं हैं, हालांकि भारत इसकी काट निकालने में जुटा हुआ है।

बांग्लादेश पर पाकिस्तानी प्रभाव का ही असर है कि आए दिन वहां के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस भारत के विरुद्ध अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। भारत के कई हिस्सों को बांग्लादेश का बताकर नया नक्शा भी जारी कर रहे हैं। बांग्लादेश में मिली सफलता के बाद पाकिस्तान ने आर्मेनिया को अपने पक्ष में करने की पुरजोर कोशिश की है। आर्मेनिया और अजरबैजान की दुश्मनी जग जाहिर है। अजरबैजान ने आर्मेनिया के कुछ भूभाग पर कब्जा भी कर रखा है। आर्मेनिया को जहां भारत हर मोर्चे पर समर्थन करता है, तो आर्मेनिया भी हर मंच पर भारत की बात को प्रमुखता से उठाता है। दोनों देशों के बीच न सिर्फ व्यापारिक रिश्ते मजबूत हैं, बल्कि रक्षा संबंध भी प्रगाढ़ हैं। यही वजह है कि अजरबैजान भारत को हर मंच पर नीचा दिखाने की कोशिश करता है।

पहलगाम हमले की निंदा जब पूरी दुनिया ने की थी, तब भी अजरबैजान पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया था। आर्मेनिया ने भारत से बड़ा रक्षा सौदा करने की तैयारी की है। इससे अजरबैजान परेशान है। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने आर्मेनिया से रिश्ते सुधारने की कवायद शुरू की है। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने जा रहे हैं। अब तक भारत से नजदीकी के कारण ही पाकिस्तान उसे मान्यता नहीं देता था, लेकिन शहबाज शरीफ के देश ने अब अपनी नीति बदल दी है। चीन में एससीओ समिट से इतर आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने राजनयिक संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। आर्मेनिया के इस कदम से रूस, तुर्की और ईरान की सीमा से लगे इस क्षेत्र में भारत के लिए समीकरण बदल सकते हैं, हालांकि पाकिस्तान के हर कदम पर भारत की नजर है।

भारत ने भी पाकिस्तान के दोस्त अजरबैजान से रिश्ते में गर्मजोशी लाने की नीति पर काम शुरू कर दिया है। इसका असर भी दिखने लगा है। बीते अक्टूबर में आयोजित हुई कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरैक्शन एंड कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेजर्स इन एशिया की अध्यक्षता अजरबैजान ने की थी। भारत की कूटनीति का ही असर है कि अजरबैजान ने इसकी अध्यक्षता भारत को देने का प्रस्ताव रखा है। उसके इस प्रस्ताव से पाकिस्तान और चीन को झटका लगा है। भारत-अजरबैजान अपने व्यापारिक रिश्ते भी सुधारने में लगे हैं। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने अब उत्तर कोरिया वाला दांव चला है।

अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच दुश्मनी जग जाहिर है। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन कई मौकों पर अमेरिका और साउथ कोरिया को धमकाते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कई अवसर पर उन पर तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं। उत्तर कोरिया की ताकत को दुनिया के लिए खतरा माना जाता है, लेकिन भारत इससे बहुत प्रभावित नहीं दिखता है, क्योंकि दोनों देशों के बीच दशकों पुराने संबंध हैं। भारत ने जुलाई 2021 में कोविड महामारी के कारण उत्तर कोरिया स्थित दूतावास को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था, हालांकि 2024 में इसे बहाल कर दिया गया था।

अब पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की हैं। अमेरिका से दुश्मनी के बाद भी पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से राजनयिक रिश्ते स्थापित करने का फैसला किया है। पाकिस्तान के इस फैसले पर दुनिया के कई देशों की नजर है। भारत लगातार उत्तर कोरिया और पाकिस्तान के बीच संदिग्ध परमाणु और मिसाइल रिश्ते पर अंगुली उठाता रहा है और कार्रवाई की मांग करता रहा है। कोरोना काल से बंद चल रहे पाकिस्तान के दूतावास को पुनः बहाल करने के उत्तर कोरिया के निर्णय से एशिया में परमाणु प्रसार के खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है। माना जाता है कि उत्तर कोरिया ने ही पाकिस्तान को मिसाइल की तकनीक दी थी और पाकिस्तान ने किम जोंग उन को परमाणु तकनीक उपलब्ध कराई थी।

2017 में अमेरिका ने भारत से उत्तर कोरिया के साथ अपने राजनयिक संपर्क कम करने को कहा था, तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने नकार दिया था। भारत, उत्तर कोरियाई राजनयिकों को प्रशिक्षण भी देता रहा है। साथ ही कई महत्वपूर्ण मौकों पर मदद भी की है।

आमने

मैं जो कह रहा हूं वह सौ फीसदी सच है। एक पूरे राज्य को चुरा लिया गया। सभी सर्वेक्षणों में हरियाणा में कांग्रेस की जीत की संभावना जताई गई थी, लेकिन नतीजे एकदम उलट आए। मैं जेन जी से कहना चाहता हूं कि देखिए कैसे आपके भविष्य की चोरी की जा रही है।

-राहुल गांधी, सांसद

लोकसभा में विपक्ष के नेता अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए प्रेस को संबोधित कर रहे हैं। बिहार में मतदान होना है, लेकिन वे हरियाणा के किस्से सुना रहे थे। कांग्रेस के पास बिहार में कुछ नहीं बचा है और इसीलिए ध्यान भटकाने के लिए वे हरियाणा का मुद्दा उठा रहे हैं।

-किरन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

सामने

कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है माले

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

भाकपा माले इंडिया गठबंधन का बड़ा साझेदार है। उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। ये भले ही कम सीटों पर लड़ते हैं, लेकिन जीतने का इनका स्ट्राइक रेट बढ़िया होता है।

बिहार के चुनावी गणित को देखें, तो यहां दो परिदृश्य गौर करने लायक हैं। एक तो यह कि यहां लोकसभा और विधानसभा चुनावों में वोटरों का रुझान बिल्कुल अलग है, खास तौर पर भाजपा के लिए। दूसरा यह कि बिहार में कम्युनिस्ट दलों का वर्चस्व अभी भी कायम है। पहले बिहार के लोकसभा व विधानसभा के चुनावी अंकगणित पर गौर करते हैं। 2004 के चुनावों से देखें, तो यह तस्वीर साफ नजर आती है कि लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में वोटर का मूड भिन्न होता है। विधानसभा चुनाव में किसी भी अकेले दल को सत्ता की चाबी नहीं थमाती। वह क्षेत्रीय दलों को तरजीह तो देती है, लेकिन बहुमत से दूर रखती है।

वह चाहे जदयू हो या आरजेडी। 2004 में लोकसभा की मात्र पांच सीट जीतने वाली भाजपा 2005 के विधानसभा चुनाव में 37 सीट जीत लेती है। लोकसभा चुनाव के मुकाबले विधानसभा चुनाव में वोट प्रतिशत भी इनका बढ़ जाता है। 2009 में लोकसभा की 12 सीट जीतने वाली भाजपा को 2010 के विधानसभा चुनाव में 91 सीट पर सफलता मिलती है।

इसी तरह 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा जब 22 सीट जीतती है, तो 2015 के विधानसभा चुनाव में इसे मात्र 53 सीटों पर ही कामयाबी मिलती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 17 सीटें जीतती है, तो 2020 के विधानसभा चुनाव में उसे 74 सीटों पर सफलता मिलती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 12 सीटों पर जीती थी। अब 2025 के इसी महीने में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में भाजपा के हिस्से में कितनी सीटें आती हैं, यह देखना है।

मैदान में यूं तो कई क्षेत्रीय दल भाग्य आजमा रहे हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला एनडीए और इंडिया गठबंधन में ही है। सबसे दिलचस्प यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खुद को महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे बनाए जाने का भय सता रहा है। ऐसे में उनके वोटर चिराग पासवान की पार्टी के साथ खेल न कर दें, यह आशंका भी बनी हुई है। नीतीश कुमार की यह आशंका और बलवती हुई होगी, जब प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि आरजेडी ने कांग्रेस के कनपटी पर कट्टा रखकर' तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने को मजबूर किया है।

मोदी की इस टिप्पणी के बाद नीतीश कुमार और उनके समर्थक इस बात को लेकर भयभीत हैं कि इसका मतलब एनडीए में जो मोदी चाहेंगे वही होगा। अर्थात पर्ची वाला भी मुख्यमंत्री हो सकता है। वोटरों की चुप्पी के बीच चुनाव बाद किस गठबंधन को कितनी सीटें हासिल होती हैं, यह तो अहम है ही, लेकिन सरकार किसके नेतृत्व में बनती है, यह देखना बेहद दिलचस्प होगा।

बिहार विधानसभा चुनाव का जो दूसरा परिदृश्य है, वह भी कम दिलचस्प नहीं है। उत्तर भारत के प्रदेशों में कम्युनिस्ट दलों का लगभग खात्मा हो चुका है, लेकिन बिहार इससे अछूता है। 2020 के विधानसभा में इस दल के 12 विधायक थे। अभी जो चुनाव चल रहा है, उसमें भाकपा माले इंडिया गठबंधन का बड़ा साझेदार है। उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। ये भले ही कम सीटों पर लड़ते हैं, लेकिन जीतने का इनका स्ट्राइक रेट बढ़िया होता है। पिछले चुनाव में इस दल के दो-चार उम्मीदवार बहुत मामूली वोटों से हारे थे।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाकपा माले की हारी हुई एक सीट भोरे भी है, जहां से इस बार जेएनयू छात्रसंघ के प्रेसिडेंट रहे 29 वर्षीय धनंजय को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। भोरे विधानसभा क्षेत्र पश्चिमी बिहार के गोपालगंज जिले में स्थित है। बिहार का यह जिला यूपी के देवरिया और कुशीनगर से सटा हुआ है। गोपालगंज जिले का भोरे विधानसभा क्षेत्र कम्युनिस्टों का गढ़ माना जाता है। पिछले चुनाव में कम्युनिस्ट उम्मीदवार रहे जितेंद्र पासवान बिहार के डीजीपी रहे जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार से 472 वोटों के मामूली अंतर से हारे थे। स्थानीय लोगों ने इस चुनाव परिणाम को संदिग्ध माना था।

इस बार फिर पार्टी ने जितेंद्र पासवान को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्हें नामांकन के दिन ही 2017 के एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर लिया गया, लिहाजा वे नामांकन दाखिल नहीं कर पाए। जितेंद्र पासवान की गिरफ्तारी के बाद माकपा ने जेएनयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष धनंजय को उम्मीदवार बनाया है।

इधर, जितेंद्र पासवान की गिरफ्तारी को जदयू उम्मीदवार की हार के डर से प्रतिशोध की कार्रवाई करार दिया गया और इसके पीछे जेडीयू उम्मीदवार सुनील कुमार और नीतीश कुमार का हाथ माना गया। मात्र 472 वोटों से जीतने वाले पूर्व डीजीपी सुनील कुमार, नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री थे। यूपी सीमा से सटे बिहार के इस विधानसभा क्षेत्र का चुनाव बेहद दिलचस्प है, क्योंकि यहां जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार जैसे धनबल के मुकाबले जनता मैदान में है।

रिटायर्ड आईपीएस सुनील कुमार 1987 बैच के आईपीएस हैं। 2020 में वे पहली बार जदयू के टिकट पर चुनाव लड़े और जीते। फिर बिहार के शिक्षा मंत्री बने। 1997 में यहां माले कार्यकर्ता उमेश पासवान की हत्या के बाद यह क्षेत्र कम्युनिस्टों का गढ़ बन गया। माले का स्ट्राइक रेट कांग्रेस से अच्छा हो, तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

सोशल फोरम

खत्म होते रिश्ते और बिखरते परिवार

पक्के सामाजिक मनुष्य रूपी जीवों की समझ और सोच बिल्कुल अनोखी होती है। इनकी उम्र बीत जाती है समाज की अच्छाई, रिश्तों की अच्छाई, शादी ब्याह की अच्छाई, बच्चों और रिश्तेदारों की अच्छाई ढूंढने में और उसका बखान करने में। कोई लड़का-लड़की अगर बिना शादी किए लिव इन रिलेशन में रह रहे होते हैं और उनके रिश्तों में कुछ गड़बड़ हो जाए, वो एक-दूसरे को मार दें या कुछ भी खून कत्ल हो जाए उनके बीच, तो ये पारिवारिक प्राणी कमेंट करने को टूट पड़ेंगे, "और रहो ऐसे रिश्तों में", "और असामाजिक संबंधों में रहो, ऐसा ही होगा"....। फलाना-धिमाका बोलते हैं ये, जबकि शादियों में रोज इतने खून-कत्ल होते हैं, जितने रोड एक्सीडेंट में भी नहीं होते। आप फैमिली कोर्ट में जा कर वहां के हालत देखिए कभी, जबरदस्त भीड़ होती है।

सिद्धार्थ ताबिश

लेखक

हजारों लोग परेशान कोर्ट के चक्कर लगाया करते हैं तलाक़ के लिए। लाखों केस पेंडिंग होते हैं। जिन मर्दों के ऊपर ये कोर्ट केस चल रहे होते हैं, उनकी नौकरी, घर, रुपया पैसा सब इसी में बर्बाद हो जाता है और वो कोर्ट के चक्कर लगा-लगा के अपनी आधी उम्र बिता देता है। फैमिली कोर्ट जा कर देखिए, भयावह दृश्य होता है। वो सब लिव इन वाले लोग नहीं हैं।

अनाथालयों में चले जाइए, देखिए कितने बच्चे, जो शादी नामक संस्था से पैदा हुए थे, किस तरह का जीवन जी रहे होते हैं। ये वो बच्चे होते हैं जो जाने कितने अरमान और जाने कितनों ने 'घर के चिराग' और 'वारिस' के लिए पैदा किए होते हैं। भीड़ है लावारिस बच्चों की इस दुनिया में। इन्हें अपना बच्चा ही मानव जाति के अस्तित्व को बचाने वाला एकमात्र मनुष्य दिखता है।

कभी वृद्धाश्रम जा कर देखिए, आपको शायद ही वहां कोई ऐसा बुजुर्ग मिले, जिसने 'एकल' जीवन चुना हो और उसने शादी न की हो। लगभग सभी आपको बाल-बच्चे, नाती-पोते वाले बुजुर्ग मिलेंगे। ये सारे अपने बच्चों द्वारा मार के भगाए गए बुजुर्ग होते हैं। वृद्धाश्रम का कॉन्सेप्ट ही घर से भगाए गए वृद्धों के लिए है, जहां कोई जाना नहीं पसंद करता है। आप जिस चीज को प्रेम कहते और बोलते हैं, वो सब सिर्फ 'आदत' होती है बस! केला-0सेब लेकर आपको अस्पताल में देखने आने वाले लोग वैसे ही होते हैं, जो आपकी शादी में आपके न्योते का लिफाफा देने पहुंचते हैं। इसमें कोई अच्छाई नहीं है, बस 'आदत' है ये!

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

नकली बादल से हल नहीं होती असली समस्या

जब भीषण चक्रवात मोंथा ने सारे देश को भिगो दिया था और बादल दिल्ली के आसपास ही मंडरा रहे थे, वायु प्रदूषण से हताश दिल्ली महानगर पर नकली बरसात करवा कर हवा साफ करवाने का प्रयास असफल ही रहा। याद करें डेढ़ महीने पहले ही राजस्थान में जयपुर के करीब बीते दो दशक से पूरी तरह सूखी जमवा रामगढ़ की झील को भरने के लिए कृत्रिम बारिश का प्रयोग एक तमाशे से अधिक नहीं रहा। वहां कई-कई बार ड्रोन उड़ाए और चार बार असफल रहने के बाद नाममात्र की बूंदें गिरीं, जिसने झील के तल को गीला तक नहीं किया।

पहले दिल्ली सरकार दीपावली के ठीक अगले दिन कृत्रिम बादल से पानी बरसाने की बात कर रही थी और यह होता, तो एसिड रैन या तेजाब की बारिश की बड़ी संभावना थी। कैसी विडंबना है कि समाज और सरकार दोनों के स्तर पर वायु प्रदूषण कम करने के कोई प्रयास होते नहीं दिखते, उलटे जब आतिशबाजी के धुएं से दम घुटने लगा, तो तकनीक के बदौलत एक छद्म प्रयास किया जा रहा है।

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

दिवाली के एक हफ्ते बाद भी दिल्ली समग्र की कोई चार करोड़ जनसंख्या जिस वायु में सांस ले रही है, वह न केवल उनकी उम्र घटा रही है, बल्कि विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज में खर्च भी बढ़ा रही है। सालों से चर्चा होती रही है कि इस शहर को गैस चेंबर बनाने में सड़कों पर जाम, अनियोजित निर्माण से उड़ती धूल का बड़ा हिस्सा है। निरंकुश आतिशबाजी ने इसमें रासायनिक जहर को और जोड़ दिया और इस तरह से हवा को दूषित करने को काबू करने का कोई निर्णायक उपाय नहीं हो रहे हैं। ऐसे में नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है।

जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ की खासियत होती है कि इसके पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है, तो यह सूखी बर्फ के कणों पर चिपक जाते हैं और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है ।

एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह खतरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक खतरा संभावित है। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक हैं, वहां बरसात नए तरीके का संकट ला सकती हैं। चिंता की बात यह है कि आक्सॉइड ऑफ नाइट्रोजन गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिल कर तेजाबी बारिश कर सकती है।

यह वैश्विक रूप से प्रामाणिक तथ्य है कि नकली तरीके से बरसात करवाना कई बार बहुत भारी पड़ता है, फिर उस दिल्ली एनसीआर में, जहां कुछ मिनट की बरसात से सड़कों पर जाम लग जाता है, जो दिल्ली की हवा में सबसे अधिक जहर घोलता है। जाहिर है बरसात से जितना प्रदूषण कम नहीं होगा, उससे अधिक बरसात के कारण वाहनों के ठिठकने से उपजे धुएं से बढ़ेगा ही।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

अमृत विचार कैम्पस

बीमारियों की जांच के लिए अब न तो पैथोलॉजी लैब में लाइन लगाने की जरूरत होगी और न ही रिपोर्ट के लिए अगले दिन का इंतजार करना पड़ेगा। यह बड़ा बदलाव संभव होगा आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों की पहल से। दरअसल आईआईटी कानपुर ने एक ऐसी अत्याधुनिक पोर्टेबल डायग्नोस्टिक डिवाइस विकसित की है, जो हमारे रोजमर्रा के जीवन और स्वास्थ्य व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाली साबित हो सकती है। यह छोटा-सा उपकरण किसी भी व्यक्ति के रक्त, मूत्र, पसीने और लार के सैंपल से न सिर्फ विभिन्न रोगों की जांच कर सकता है, बल्कि मिट्टी और पेय पदार्थों में मौजूद प्रदूषण की पहचान करके भी तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने में भी सक्षम है। इन्हीं विशेषताओं के कारण माना जा रहा है कि आईआईटी कानपुर की यह खोज भारत को सस्ती, तेज और सटीक जांच तकनीक के क्षेत्र में बड़ी पहचान दिला सकती है। 'जेब में लैब' जैसी यह डिवाइस आने वाले समय में स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों क्षेत्रों में नया अध्याय लिख सकती है।

- मनोज त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

जेब में लैब

पलक झपकते बीमारियों की जांच

पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फॉर केमिरसिस्टव सेंसर दिया नाम

आईआईटी कानपुर के बायो साइंस और बायो इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. संतोष कुमार मिश्र के निर्देशन में शोध छात्र अनिमेष कुमार सोनी तथा नेहा यादव द्वारा तैयार इस डिवाइस को पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फार केमिरसिस्टव सेंसर नाम दिया गया है। इसके जरिए बॉयोलाजिकल और केमिकल दोनों तरह के मालिक्यूल की जांच की जा सकती है। डिवाइस का पेटेंट आवेदन स्वीकृत हो चुका है। अनिमेष के अनुसार कागज की चिप और डिवाइस सेंसर को अलग-अलग रसायनों की जांच के लिए विशेषीकृत किया गया है। हर जांच के लिए अलग-अलग डिवाइस और चिप का प्रयोग किया जाता है।

डिवाइस की सबसे बड़ी विशेषता

आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित डायग्नोस्टिक डिवाइस की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पोर्टेबिलिटी है। यानी यह एक 'जेब में समा जाने वाली लैब' जैसी है, जिसे लेकर किसी भी गांव, दूरस्थ इलाके या आपदा प्रभावित क्षेत्र में पहुंचा जा सकता है और वहां मौके पर जांच की जा सकती है। इस पोर्टेबल डिवाइस से जांच रिपोर्ट कुछ ही मिनटों में मोबाइल स्क्रीन पर मिल जाती है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह डिवाइस ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए वरदान साबित हो सकती है, जहां संसाधनों की कमी के कारण अक्सर रोग की पहचान में देरी होती है, जिसका नुकसान मरीजों को उठाना पड़ता है।

तीन हजार की डिवाइस और 20 रुपये की कागज चिप

तीन हजार रुपये में तैयार होने वाली इस डिवाइस से की जाने वाली जांच भी बेहद सस्ती है। जांच के लिए कागज से बनी चिप का प्रयोग किया जाता है, जिससे जांच परिणाम तुरंत मिल जाते हैं। जांच प्रक्रिया तत्काल पूरी किए जाने से रक्त, मूत्र या लार के नमूनों के दूषित या बिगड़ने का खतरा भी नहीं रहता है। इस डिवाइस को कोई भी डॉक्टर अपनी क्लीनिक पर रख सकता है। इसके लिए कागज पर कार्बन इलेक्ट्रोड चिप बनाई गई है, जिसकी लागत 15 से 20 रुपये है।

मलेरिया, डेंगू, टायफाइड की आसानी से जांच

आईआईटी कानपुर की शोध टीम के अनुसार यह डायग्नोस्टिक डिवाइस बायोसेन्सिंग तकनीक पर आधारित है। यानी यह शरीर के तरल पदार्थों में मौजूद बायोमार्कर्स की पहचान करके बीमारी का पता लगाती है। इसके चलते इसकी मदद से मलेरिया, डेंगू, टायफाइड जैसी संक्रामक बीमारियों के अलावा कई प्रकार के सूक्ष्म संक्रमण और प्रदूषक तत्वों की भी पहचान आसानी से और फटाफट की जा सकती है।

रिचार्जेबल डिवाइस का सोलर पैनल से भी संचालन

इस डिवाइस का इंटरफेस बेहद आसान है, इसके लिए किसी तकनीकी प्रशिक्षण की जरूरत नहीं पड़ती। बस सैंपल की एक बूंद डालते ही डिवाइस में लगे सेंसर सक्रिय हो जाते हैं और कुछ मिनटों में ही परिणाम उपलब्ध करा देते हैं। खास बात यह है कि यह डिवाइस रिचार्जेबल है और बिजली न होने की स्थिति में सोलर पैनल से भी संचालित की जा सकती है।

ग्रामीण भारत के लिए 'मेडिकल टेस्ट ऑन द स्पॉट'

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित पोर्टेबल डायग्नोस्टिक डिवाइस तकनीक से ग्रामीण भारत में रोग पहचान की प्रक्रिया में क्रांतिकारी सुधार होगा, जहां पहले जांच के लिए सैंपल शहर भेजे जाते थे, वहीं अब 'मेडिकल टेस्ट ऑन द स्पॉट' संभव होगा। यही नहीं, पर्यावरणविद् भी इस नवाचार को लेकर खासे उत्साहित हैं, क्योंकि यह मिट्टी, पानी और खाद्य पदार्थों में प्रदूषण का विश्लेषण करके, उन्हें सुरक्षित रखने का एक सस्ता और तेज साधन बन सकती है।

तकनीक हस्तांतरण का काम अंतिम चरण में

आईआईटी कानपुर के बायो साइंस और इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फॉर केमिरसिस्टव सेंसर के जांच परिणाम सटीक पाए गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के अलावा इसकी मदद से खेतों की मिट्टी और पेय पदार्थों में मौजूद रसायनों की पहचान भी की जा सकती है। इससे दूध और शीतल पदार्थ की गुणवत्ता जांच भी संभव है। इस डिवाइस को बाजार में पहुंचाने के लिए तकनीक हस्तांतरण की दिशा में काम अंतिम चरण में है।

जॉब अलर्ट

पंजाब एंड सिंध बैंक

- पद का नाम : एमएसएमई रिलेशनशिप मैनेजर
- पदों की संख्या : 30
- योग्यता : स्नातक
- आयु सीमा : 25 से 33 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 26-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : punjabandsind.bank.in

पंजाब नेशनल बैंक (PNB)

- पद का नाम : स्थानीय बैंक अधिकारी
- पदों की संख्या : 750
- वेतन मैट्रिक्स : रु. 48480-85920
- योग्यता : कोई भी स्नातक
- आयु सीमा : 20 से 30 वर्ष
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि : 23-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : pnb.bank.in

प्रादेशिक सेना

- पद का नाम : सैनिक
- पदों की संख्या : 1529
- योग्यता : 12वीं, 10वीं, 8वीं
- आयु सीमा : 18 से 42 वर्ष
- आवेदन प्रारंभ तिथि : 15-11-2025
- आवेदन की अंतिम तिथि : 14-12-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : regionalarmy.in

कैंपस में पहला दिन

'बड़े' होने की हुई शुरुआत

स्कूल से कॉलेज तक का सफर जैसे किसी बंद कमरे से खुली हवा में कदम रखना हो। स्कूल की ड्रेस, भारी बैग और रोज-रोज के होमवर्क से आजादी का एहसास अलग ही था। उस दिन सुबह जब आईने में खुद को देखा तो लगा- अब मैं बड़ा हो गया हूं। कॉलेज के पहले दिन दिल में उत्साह भी था और थोड़ी-सी घबराहट भी थी। नए माहौल, नए लोग और नए शिक्षक सब कुछ नया था। गेट पर खड़े होकर कुछ पल के लिए ठिठक गया, मानो कोई नया अध्याय शुरू होने से पहले दिल खुद को संभाल रहा हो। कैंपस में कदम रखते ही चारों ओर हंसी, बातें और परिचय का शोर। कोई अपने दोस्तों के साथ फोटो खिंचवा रहा था, तो कोई क्लास ढूंढने में व्यस्त। पहली क्लास में जब प्रोफेसर साहब ने 'वेलकम टू कॉलेज लाइफ' कहा, तो लगा जैसे किसी ने जिंदगी के अगले दरवाजे खोल दिए हों। यहां किताबों के साथ-साथ रिश्ते, अनुभव और आत्मविश्वास भी पढ़ना था। स्कूल की तरह सख्त अनुशासन नहीं, बल्कि सोचने और अपने विचार रखने की आजादी थी। ब्रेक के समय कैंटीन में समोसे और चाय के साथ नई दोस्ती की शुरुआत हुई। कुछ ही घंटों में अजनबी चेहरे अपनापन देने लगे। शाम को जब घर लौटा तो थकान नहीं, बल्कि चेहरे पर एक अलग-सी चमक थी। कुछ नया पाने की, कुछ बनने की। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो एहसास होता है कि कॉलेज का पहला दिन ही असल में 'बड़े होने' की शुरुआत थी, जहां किताबों से ज्यादा जिंदगी सिखाई जाती है।

-शिव शंकर सोनी
शिक्षक, मवई, अयोध्या

नोटिस बोर्ड

- डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर दिव्यांगजन (कानपुर) में पूर्व छात्र समागम आयोजित होगा। 8 नवंबर को होने वाले समारोह की तैयारियां संस्थान में चल रहीं है।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कौशल विकास व जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत नैसकॉम से स्किल प्रशिक्षण के लिए आगामी 12 नवंबर (बुधवार) को एमबीपीजी कॉलेज (हल्द्वानी) में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।
- एचडीएफसी बैंक और संभव फाउंडेशन के सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिटेल एग्जीक्यूटिव, होटल मैनेजमेंट ऑपरेशन्स आदि क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए एमबीपीजी कॉलेज (हल्द्वानी) के करियर काउंसलिंग सेल की ओर से 14 नवंबर को एकदिवसीय प्रशिक्षणात्मक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

यूजीसी नेटः बेहतरीन करियर अवसरों की चाबी

यूजीसी नेट एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा है, जिसे पास करने के बाद उम्मीदवारों के लिए करियर के अनेक द्वार खुल जाते हैं। खासतौर पर उन युवाओं के लिए यह परीक्षा बेहद महत्वपूर्ण है, जो शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। इस परीक्षा को सफलतापूर्वक पास करने के बाद आप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं और एक सम्मानजनक करियर की शुरुआत कर सकते हैं। *-फीचर डेस्क*

असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का मौका

यूजीसी नेट पास करने के बाद उम्मीदवार देश के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त हो सकते हैं। सरकारी कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर की शुरुआती वेतनमान लगभग 57,700 रुपये प्रतिमाह होता है। इसके अलावा विभिन्न भत्ते भी मिलते हैं, जिसके चलते कुल वेतन 75,000 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच जाता है। उच्च शिक्षा में अध्यापन को भारत में अत्यंत सम्मानजनक पेशा माना जाता है।

रिसर्च संस्थानों में उज्ज्वल भविष्य

CSIR, ICAR, DRDO, ICMR जैसे देश के नामी शोध संस्थानों में भी NET या JRF धारकों को रिसर्च में काम करने का मौका मिलता है। यहां शुरुआती सैलरी लगभग 50,000 रुपये प्रतिमाह होती है। रिसर्च का क्षेत्र उन छात्रों के लिए आदर्श है, जो नए ज्ञान की खोज और नवाचार करना चाहते हैं।

टॉप कंपनियों में भी मिलता है अवसर

यूजीसी नेट स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों को कई प्रतिष्ठित सरकारी

कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर भी मिलता है। इनमें ONGC, NTPC, BHEL, IOCL जैसी कंपनियां शामिल हैं। यहां HR, मार्केटिंग, फाइनेंस और रिसर्च विभागों में जॉब मिल सकती है। इन पदों पर शुरुआती सैलरी 50,000 रुपये से शुरू होती है, जो अनुभव के साथ 1.5 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच सकती है।

प्रमोशन और नेतृत्व का अवसर

असिस्टेंट प्रोफेसर से शुरुआत करने वाले उम्मीदवार समय के साथ प्रमोशन पाकर एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर और आगे चलकर डीन या वाइस चांसलर जैसे पदों तक पहुंच सकते हैं। यह एक ऐसा करियर है, जिसमें न केवल वेतन और लाभ बढ़ते हैं, बल्कि सम्मान और प्रतिष्ठा भी निरंतर बढ़ती जाती है।

JRF के साथ रिसर्च में शानदार शुरुआत

यदि उम्मीदवार यूजीसी नेट के साथ जेनरल रिसर्च फैलोशिप (JRF) भी क्वालिफाई कर लेते हैं, तो उन्हें रिसर्च फील्ड में जाने का सुनहरा अवसर मिलता है। JRF के तहत रिसर्च करने वाले छात्रों को आकर्षक स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाता है। पहले दो वर्षों में 37,000 रुपये प्रतिमाह और इसके बाद 42,000 रुपये प्रतिमाह तक स्टाइपेंड मिलता है। इसके साथ ही पीएचडी करने का अवसर भी स्वतः प्राप्त हो जाता है।

सौर विनिर्माण क्षमता 125 गीगावाट पार कर जाने की उम्मीद

नई दिल्ली। देश में सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 2025 तक 125 गीगावाट को पार कर जाने की उम्मीद है। यह 40 गीगावाट की घरेलू मांग से तीन गुना से भी अधिक है। वैश्विक शोध और परामर्श कंपनी वुड मैकेंजी ने यह बात कही है। यह वृद्धि सरकार की उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का नतीजा है, जिसने विनिर्माण के तेजी से बढ़ाने में मदद की है। हालांकि, उद्योग को अब अत्यधिक क्षमता के जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

अमेजन इंडिया ने गोदाम शुल्क 11% बढ़ाया

नई दिल्ली। अमेजन इंडिया ने अपने गोदाम भंडारण शुल्क को 11% बढ़ाकर 50 रुपये प्रति घन सेंटीमीटर प्रति माह कर दिया है। यह शुल्क 15 नवंबर, 2025 से प्रभावी होगा। कंपनी ने उच्च परिचालन लागत का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। इस साल की शुरुआत में अमेजन इंडिया ने 135 श्रेणियों में 1.2 करोड़ से ज्यादा कम-मूल्य वाली वस्तुओं (300 रुपये तक) के लिए रेफरल शुल्क हटाया था। साथ ही, 300 से 500 रुपये कीमत वाली वस्तुओं पर शुल्क 1% या उससे कम कर दिया था। फैशन और छोटे उपकरणों जैसी उच्च मूल्य श्रेणियों में 7% तक की कटौती लागू की गई है। अमेजन ने कहा कि 2025 में उसकी कुल शुल्क वृद्धि दर में काफी कमी आई है, लेकिन कई विक्रेताओं ने बढ़ती लागत और बार-बार होने वाले संशोधनों पर चिंता व्यक्त की।

ऋण मांग में 27% की वृद्धि : बजाज फिनसर्व

नई दिल्ली। बजाज फिनसर्व की इकाई बजाज फाइनेंस ने त्योहारों के दौरान रिकॉर्ड संख्या में उपभोक्ता ऋण वितरित की जानकारी दी। मात्रा के हिसाब से 27% और मूल्य के हिसाब से 29% की वृद्धि दर्ज की गई। बजाज फाइनेंस ने कहा कि यह सरकार के जीएसटी सुधारों और व्यक्तिगत आयकर में बदलावों के परिणाम को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ाना है। बजाज फाइनेंस ने 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक 63 लाख ऋण बांटे हैं। इस अवधि में कंपनी ने 23 लाख नए ग्राहक हासिल किए, जिनमें से 52% नए ऋण लेने वाले थे। इस प्रकार वित्तीय समावेशन को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया।

टेस्ला ने शरद को बनाया भारत प्रमुख

नई दिल्ली। अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने लैम्बॉर्गिनी इंडिया के पूर्व प्रमुख शरद अग्रवाल को अपने भारतीय परिचालन का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कंपनी भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने पर विचार कर रही है। टेस्ला ने जुलाई में मुंबई में अपना पहला अनुभव केंद्र खोला और अगस्त में दिल्ली के एरोसिटी में दूसरा केंद्र खोला। जुलाई में मॉडल वाई पेश करने के बाद कंपनी ने इसकी आपूर्ति शुरू कर दी है।

एफटीए में डेयरी, एमएसएमई के हितों पर ध्यान : गोयल

केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित वार्ता में हुई है उल्लेखनीय प्रगति

- चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन गए हैं केंद्रीय मंत्री

ऑकलैंड, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत अपने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में डेयरी और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की लगातार सुरक्षा करता है। गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित एफटीए पर जारी वार्ता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस समय दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी चौथे दौर की बातचीत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत कभी भी डेयरी, किसानों और एमएसएमई के हितों से समझौता नहीं करता है। हम हमेशा इन संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की सुरक्षा करते हैं। न्यूजीलैंड विश्व का प्रमुख डेयरी उत्पादक देश है, और ऐसे में इस क्षेत्र में बाजार पहुंच बढ़ाने की उसकी मांग को लेकर भारत की स्थिति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। न्यूजीलैंड की चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन पहुंचे गोयल ने कहा कि दोनों देशों ने व्यापार समझौते में एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करने पर सहमति जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने अब तक किसी भी व्यापार समझौते में डेयरी या कृषि क्षेत्र में साझेदार देश को शुल्क रियायत नहीं दी है।

उन्होंने कहा, हम ऐसे मुद्दों को नहीं छूते हैं। हम एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करते हैं। वार्ता के अगले चरणों को लेकर वाणिज्य मंत्री ने कहा, हो सकता है कि हमें बहुत अधिक चरणों की जरूरत न पड़े। इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति पहले ही हो चुकी है। व्यापार समझौते की दिशा में ठोस चर्चा चल रही है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि भारत कृषि प्रौद्योगिकी, खासकर डेयरी मशीनरी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर देख सकता है। एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा, कृषि, अंतरिक्ष, शिक्षा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं।

ऑकलैंड में भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस फोरम के दौरान अपने समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व अन्य अधिकारी।

समझौते के लिए भारत-अमेरिका कर रहे चर्चा

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए लगातार चर्चा जारी है। बातचीत अच्छी चल रही है और लगातार जारी है, कई संवेदनाशील मुद्दे हैं, कई गंभीर मुद्दे हैं तो स्वाभाविक है कि थोड़ा समय लगेगा। अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय अधिकारियों का दल गत माह अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ व्यापार वार्ता करने के लिए वॉशिंगटन गया था। तीन दिवसीय वार्ता 17 अक्टूबर को समाप्त हुई। फरवरी में भारत-अमेरिका के नेताओं ने अधिकारियों को द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत का निर्देश दिया था। उन्होंने पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु तक पूरा करने की समय सीमा तय की है। ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50% का शुल्क लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए हैं।

बैंकों का लाभ 9% बढ़कर 49,456 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सामूहिक रूप से रिकॉर्ड 49,456 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। यह दो बैंकों द्वारा लाभ में गिरावट दर्ज किए जाने के बावजूद सालाना आधार पर 9% की वृद्धि को दर्शाता है। सभी 12 बैंकों (पीएसबी) ने मिलकर वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई- सितंबर तिमाही में 45,547 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था।

शेयर बाजारों के अनुसार, एसबीआई ने 49,456 करोड़ की कमाई में 40% का योगदान दिया। एसबीआई ने 2025-26 की दूसरी तिमाही में 20,160 करोड़ का लाभ दर्ज किया, जो गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10% अधिक है। चेन्नई स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक ने 58% की वृद्धि दर्ज की और 1,226 करोड़ का लाभ कमाया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 33% की वृद्धि के साथ 1,213 करोड़ कमाया। बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को छोड़कर अन्य बैंक लाभ में रहे। बैंक ऑफ बड़ौदा का लाभ 8% घटकर 4,809 करोड़ रुपये रह गया। वहीं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का लाभ 10% घटकर 4,249 करोड़ रुपये रह गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब एंड सिंध बैंक ने 23% और केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक ने क्रमशः 19, 14 और 12% की वृद्धि दर्ज की।

- एसबीआई को छोड़कर सभी 12 बैंकों ने सितंबर तिमाही में 45,547 करोड़ रुपये कमाए

नवंबर से घट सकता है रूसी तेल का आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

- रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर भारत ले सकता है निर्णय

भारत नवंबर के अंत से रूसी कच्चे तेल की सीधी खरीद में कटौती करने जा रहा है। यह कदम रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद उठाया जा रहा है। विश्लेषकों ने यह संभावना जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि देश के कुल रूसी तेल आयात में आधे से अधिक हिस्सा रखने वाली भारतीय रिफाइनरी इकाइयां नए अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुपालन में रूसी तेल की प्रत्यक्ष खरीद में कटौती कर सकती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) शामिल हैं। अमेरिका ने रूसी पेट्रोलियम कंपनियों- रोसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर 21 नवंबर से कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इसके तहत इन कंपनियों की सभी अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी गई है।

इसके अलावा अन्य देशों की संस्थाएं भी अगर इनके साथ बड़े लेनदेन करती हैं तो उन पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। रिलायंस का रोसनेफ्ट के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता है, जबकि एमआरपीएल और एचएमईएल ने भी रूसी तेल की भविष्य की खेप स्थगित करने की घोषणा की है। वर्ष 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से कुल 18 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया जिसमें इन कंपनियों की आधे से अधिक हिस्सेदारी है। हालांकि, रोसनेफ्ट की आंशिक हिस्सेदारी वाली नायरा एनर्जी की वडिनार रिफाइनरी (गुजरात) अपने मौजूदा रूसी तेल खरीद तरीके को बनाए रखेगी। यह रिफाइनरी पहले से यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के दायरे में है और रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है। नौवहन सूचना फर्म 'केप्लर' के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, रूसी कच्चे तेल की खेपों में गिरावट दिखेगी।

भारत के लिए व्यापक स्वर्ण नीति अपनाने का समय

नई दिल्ली, एजेंसी

एसबीआई ने जारी की एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश नामक रिपोर्ट

सोने की कीमतों के नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के बीच इसके लिए एक व्यापक नीति की जरुरत है क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े सर्राफा बाजारों में से एक है जो पीली धातु के प्रति सांस्कृतिक लगाव व निवेश मांग से प्रभावित है। बुधवार को जारी एक अध्ययन में यह बात कही गई।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी 'कमिंग ऑफ (ए टर्बुलेंट) एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितता व कमजोर अमेरिकी डॉलर के कारण सोने की कीमत नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है। 2025 में अब तक की कीमतों में 50% से अधिक की वृद्धि हुई है। अक्टूबर में कुछ दिन के लिए कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गईं, लेकिन नवंबर में फिर से 4,000 डॉलर प्रति औंस से पार चली गईं। सोने की घरेलू आपूर्ति भारत में कुल सोने की आपूर्ति का एक अंश है। विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, 2024 में कुल आपूर्ति में आयात का योगदान 86% होगा। भारत सबसे बड़े स्वर्ण बाजारों में से एक है जो सोने के प्रति सांस्कृतिक आकर्षण, निवेश की मांग और मुद्रास्फीति से बचाव तथा सुरक्षित निवेश सहित अन्य आर्थिक कारकों से प्रभावित है।

भारत में सोने की कुल उपभोक्ता मांग 2024 में बढ़कर 802.8 टन हो गई जो वैश्विक स्वर्ण मांग का 26% है। इससे भारत, चीन के बाद दूसरे स्थान पर आ गया। चीन की उपभोक्ता मांग 815.4 टन थी। अध्ययन अनुसार चीन की सोने पर राष्ट्रीय नीति है, जिसका एक विशिष्ट उद्देश्य है। यह अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य में सोने के व्यापार, भंडारण, मूल्यांकन और उपयोग के तरीके को नया रूप देने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण रखता है। यह कई आर्थिक एवं भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को साथ संबोधित करने के लिए समन्वित दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। अमेरिका और जर्मनी जैसे देश कुल भंडार का 77% से अधिक सोने के रूप में रखते हैं।

डीएलसी के लिए लगेगा शिविर

एसबीआई ने पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) के लिए शिविर का आयोजन किया, जिसमें 500 प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसका उद्घाटन राज्यमंत्री (कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन) जितेंद्र सिंह ने किया। इस मौके पर पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग के सचिव वी श्रीनिवास, एसबीआई के डीएमडी (लेनदेन बैंकिंग और नई पहल) शमशेर सिंह और एसबीआई के सीजीएम (सरकारी व्यापार सेवा और समाधान इकाई) अमृतेश मोहन उपस्थिति थे।

डीएलसी पेंशनधारकों के लिए सुरक्षा कवच

जीवन प्रमाण पत्र एक ऐसा दस्तावेज है जो यह प्रमाणित करता है कि कोई पेंशनधारी व्यक्ति जीवित है और उसे पेंशन मिलनी चाहिए। भारत सरकार ने इसकी प्रक्रिया को डिजिटल बना दिया है ताकि वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना का लाभ मिल सके। डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) सरकार की ओर से संचालित जीवन प्रमाण पोर्टल या मोबाइल एप के माध्यम से आसानी से बनाया जा सकता है। यह प्रमाण पत्र मुख्यतः पेंशनभोगियों, सरकारी कर्मचारियों और सेवानिवृत्त सैनिकों के लिए बहुत उपयोगी है। यह योजना पेंशन वितरण में पारदर्शिता और बिचौलियों की भूमिका को समाप्त करती है। यूं कहां जाए तो गलत नहीं होगा कि जीवन प्रमाण पत्र पेंशनधारकों के लिए एक सुरक्षा कवच है। डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र ने इसे और आसान, पारदर्शी बना दिया है, जिससे लाखों वरिष्ठ नागरिकों को लाभ हो रहा है।

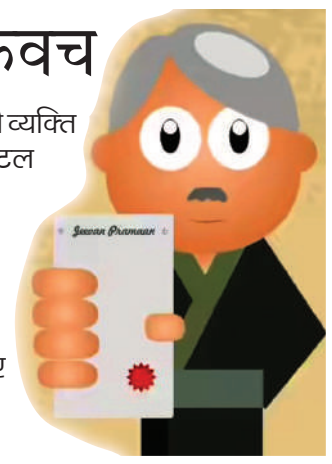

यह योजना

डीएलसी पेंशन पाने वाले के जीवित होने का प्रमाण होता है जो यह बात साबित करता है कि जिसको पेंशन मिल रहा है वह अभी जीवित है। यह प्रमाण पत्र हर साल पेंशनधारकों को देना होता है ताकि उनकी पेंशन जारी रहे। पहले इसे मैनुअली रूप से बैंक या कार्यालय जाकर बनवाना पड़ता था, लेकिन अब इसे बनवाने के लिए सरकार ने डिजिटल सुविधा मुहैया करा दी है।

कैसे बनवाएं और कहां जाएं

- डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने के लिए "जीवन प्रमाण एप या वेबसाइट पर जाएं।
- पेंशनधारी को अपना आधार, मोबाइल फोन नंबर और पेंशन आईडी देने की जरूरत।
- फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन से बायोमेट्रिक सत्यापन।
- सत्यापन के बाद डीएलसी ऑनलाइन जनरेट हो जाता है, जिसे बैंक या संबंधित विभाग स्वतः देख सकते हैं।
- निकटतम बैंक शाखा, कॉमन सर्विस सेंटर, डाकघर या जीवन प्रमाण केंद्रों पर जाकर बनवाएं।
- डिजिटल माध्यम से यह कार्य घर बैठे किया जा सकता है यदि आपके पास बायोमेट्रिक डिवाइस हो।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए बड़ी राहत

सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों, पेंशनधारियों और सरकारी कर्मचारियों की परेशानी को समझते हुए जीवन प्रमाण पत्र को ऑनलाइन बनाने की पहल कर दी है। इससे उन्हें अब किसी बैंक या कार्यालय में जाने की जरूरत नहीं है। साथ ही बैंकों ने भी लोगों के जीवन प्रमाण पत्र बनाने शुरू कर दिए हैं। इसके लिए बैंक की शाखाओं और सरकारी कार्यालय में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य बातें

- हर वर्ष नवंबर में जीवन प्रमाण पत्र जमा करना होता है।
- यह प्रमाण पत्र 12 महीने तक वैध माना जाता है।
- डिजिटलीकरण से धोखाधड़ी घटी और पारदर्शिता बढ़ी।

संरचनात्मक चुनौतियों का सामना कर रहा एमएसएमई : डेलॉयट

नई दिल्ली। भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) औपचारिक ऋण तक सीमित पहुंच जैसी संरचनात्मक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इससे इनकी उत्पादकता प्रभावित हो रही है। हालांकि उनकी डिजिटल तैयारी एक उज्ज्वल बिंदु है। डेलॉयट इंडिया की एक रिपोर्ट में बुधवार को यह बात कही गई।

- एमएसएमई का जीडीपी में 30, निर्यात में 45% का योगदान और 24 करोड़ लोगों को दे रहे रोजगार

भारत में एमएसएमई सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 30 और निर्यात में 45 प्रतिशत का योगदान देते हैं। साथ ही 24 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देते हैं। अध्ययन अनुसार, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) समकक्षों की तुलना में डिजिटल तत्परता के उच्च स्तर का प्रदर्शन करने के बावजूद भारतीय एमएसएमई बड़े उद्यमों की उत्पादकता के केवल 18% पर काम करते हैं, जबकि ओईसीडी अर्थव्यवस्थाओं में यह 45-70% है। यह अंतर वैश्विक समकक्षों की तुलना में उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को सीमित करता है।

डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि देश का एमएसएमई क्षेत्र कई संरचनात्मक व सतत चुनौतियों से जूझ रहा है, जिनमें औपचारिक ऋण तक सीमित पहुंच, पुरानी प्रौद्योगिकी, नियामकीय जटिलताएं और बुनियादी ढांचे की बाधाएं हैं। डेलॉयट के एमएसएमई चुनौती सूचकांक के अनुसार, सिले परिधान जैसे क्षेत्रों में एमएसएमई को ऋण संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

जीएसटी में समाहित करों से राज्यों का राजस्व घटा

नई दिल्ली, एजेंसी

- पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च ने जारी की रिपोर्ट, पूर्वोत्तर राज्यों में कर व्यवस्था में दिखा सुधार

जीएसटी में समाहित करों से ज्यादातर मामले में राज्यों को प्राप्त राजस्व कम हुआ है, जबकि कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में जीएसटी-पूर्व व्यवस्था की तुलना में उनके कर-जीएसडीपी अनुपात में सुधार देखा गया है। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के अनुसार, जीएसटी लागू होने के बाद से, इसमें शामिल करों से राज्यों का कुल राजस्व 2023-24 में घटकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.5% रहा। जबकि 2015-16 (जीएसटी-पूर्व व्यवस्था में) में यह जीडीपी का 6.5% था।

कर सुधार के रूप में 2017 में लागू माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में केंद्र और राज्य स्तर पर कई कर और शुल्क समाहित हुए। इनमें मूल्य वर्धित कर (वैट), केंद्रीय बिक्री कर, उत्पाद शुल्क और प्रवेश कर शामिल हैं। जीएसटी के सात वर्षों में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में औसत एसजीएसटी (2.6%) जीएसटी से पहले के चार पूर्ण वर्षों में सम्मिलित औसत करों से कम रहा है। राज्यों को पहले पांच वर्षों के दौरान एसजीएसटी राजस्व में 14% वार्षिक वृद्धि की गारंटी दी गई थी। जिन राज्यों के राजस्व में यह वृद्धि नहीं हो पाई, उन्हें जून, 2022 तक जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर से प्राप्त राजस्व के माध्यम से क्षतिपूर्ति दी गई। 2015-16 से पहले के चार वर्षों में, राज्यों को उन करों से जीडीपी का औसतन 2.8% प्राप्त हुआ, जिन्हें बाद में जीएसटी में समाहित किया गया। जीएसटी के पहले वर्ष में राजस्व घटकर 2.7% और 2020-21 में और घटकर 2.3% रह गया। 2024-25 में यह बढ़कर 2.8% हो गया।

मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड और सिक्किम जैसे कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में जीएसटी-पूर्व व्यवस्था की तुलना में उनके कर-जीएसडीपी अनुपात में सुधार देखा गया है। इसकी तुलना में पंजाब, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे अन्य राज्यों के जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में सम्मिलित करों से राजस्व में अपेक्षाकृत बड़ी गिरावट आई है।

रिलायंस रियल्टी की याचिका की रद्द

परिसमापन कम समय में पूरा हो : एनसीएलएटी

नई दिल्ली, एजेंसी

- न्यायाधिकरण से इंडिपेंडेंट टीवी से किराये और परिसंपत्तियों की वसूली का किया गया था अनुरोध

अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने कर्ज में डूबी रिलायंस कम्युनिकेशंस की अनुषंगी कंपनी रिलायंस रियल्टी की उस अपील को रद्द कर दिया, जिसमें 'इंडिपेंडेंट टीवी' से किराये और परिसंपत्तियों की वसूली का अनुरोध किया गया था। इंडिपेंडेंट टीवी, डीटीएच कारोबार में थी और अब परिसमापन का सामना कर रही है।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने मुंबई पीठ द्वारा पारित पूर्व आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें रिलायंस रियल्टी की याचिका को खारिज कर दिया गया था और कहा गया था कि इंडिपेंडेंट टीवी (जिसे औपचारिक रूप से रिलायंस बिग टीवी था) की परिसमापन प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से और यथासंभव कम समय में पूरा किया जाना चाहिए।

एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि परिसमापन प्रक्रिया को अपीलकर्ता (रिलायंस रियल्टी) द्वारा बाधित नहीं किया जाना चाहिए, जिसने बिना किसी ठोस कारण के पट्टे पर दिए परिसर में स्थित परिसंपत्तियों के स्वामित्व के मुद्दे को कभी नहीं उठाया। एनसीएलएटी ने कहा, हमें उस आदेश में कमी नहीं दिखती जिसमें परिसमापक को पट्टे पर दिए परिसर में देनदार की संपत्तियों को हटाने की अनुमति है। इसका परिसमापन कम समय में किया जाए।

माइक्रोसॉफ्ट 15 देशों में 'कोपायलट' का स्थानीय डेटा प्रसंस्करण करेगी

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि वह अपने कृत्रिम मेधा (एआई) टूल 'माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट' के लिए 2026 तक भारत समेत 15 देशों में स्थानीय स्तर पर ही डेटा प्रोसेसिंग की सुविधा शुरू करेगी। इसका उद्देश्य उडेटा को देश की सीमाओं में सुरक्षित रखना व नियामकीय अनुपालन को मजबूत करना है।

कोपायलट माइक्रोसॉफ्ट के ऑफिस अनुप्रयोगों- वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट, आउटलुक और टीम्स में एकीकृत है। यह सामग्री बनाने, डेटा विश्लेषण, ईमेल या रिपोर्ट लिखने और सारांश बनाने जैसे काम करता है। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और ब्रिटेन में ग्राहकों को विकल्प मिलेगा कि कोपायलट टूल पर होने वाली बात और प्रतिक्रियाओं से संबंधित आंकड़े देश की सीमाओं के भीतर स्थित डेटा केंद्रों में ही प्रसंस्कृत किए जाएं।

विश्लेषण अक्टूबर में सेंसेक्स ने 3,671.09 अंक यानी 4.57% और निफ्टी ने 1,111 अंक यानी 4.51%की दर्ज की बढ़ोत्तरी

भविष्य में सकारात्मक रह सकती है शेयर बाजार की धारणा

नई दिल्ली, एजेंसी

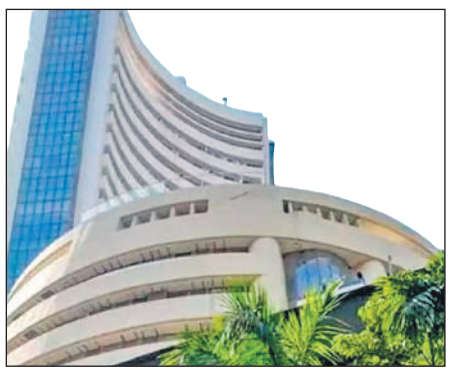

- विदेशी निवेशकों ने तीन महीने की निकासी के बाद गत माह से भारतीय बाजार में 14,610 करोड़ रुपये का किया निवेश

शेयर बाजार में गत तीन माह से जारी उतार चढ़ाव के बाद मासिक आधार पर हुई बढ़ोत्तरी को लेकर विश्लेषकों का कहना है कि घरेलू शेयर बाजार में निवेशक धारणा निकट भविष्य में सकारात्मक बनी रह सकती है। हालांकि, हाल के तेज उछाल के बाद सीमित मुनाफावसूली की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। अक्टूबर महीने में बीएसई सेंसेक्स में 3,671.09 अंक यानी 4.57 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई जबकि एनएसई निफ्टी 1,111 अंक यानी 4.51 प्रतिशत बढ़ गया। दोनों सूचकांकों ने 23 अक्टूबर को 52-सप्ताह के अपने उच्चतम स्तर को भी छुआ।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा कि अक्टूबर में आया तेज उछाल मजबूत कॉरपोरेट आय, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार खरीद, वैश्विक बॉण्ड प्रतिफल में नरमी और 2025 में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से प्रेरित रही। आगे भी धारणा सकारात्मक रहेगी लेकिन मौजूदा उच्च मूल्यांकन के चलते उतार-चढ़ाव और क्षेत्रवार बदलाव देखने को मिल सकता है। अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने तीन महीने की निकासी के बाद फिर से भारतीय बाजार में 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि आगे बाजार सीमित दायरे में रह सकता है लेकिन झुकाव सकारात्मक रहेगा। घरेलू आर्थिक बुनियाद मजबूत हैं जिससे निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। हालांकि, वैश्विक अनिश्चितताएं निकट अवधि की बढ़त को सीमित कर सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि त्योहारी मांग, एफआईआई और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की सक्रिय खरीद और जीएसटी सुधारों ने अक्टूबर में बाजार के मनोबल को बढ़ाया।

जीएसटी दरों में किए गए सुधार ने बाजार की भावनाओं को तेजी प्रदान की

वीएसआरके कैपिटल के निदेशक स्वप्निल अग्रवाल ने कहा कि सेंसेक्स और निफ्टी में 4.5 प्रतिशत से अधिक की तेजी मुख्य रूप से सरकार द्वारा हाल में किए गए जीएसटी सुधारों और बाजार भावना में सुधार के कारण रही। वाहन क्षेत्र में भी मजबूत बिक्री दर्ज की गई। मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और किआ इंडिया ने अक्टूबर में रिकॉर्ड घरेलू बिक्री की। टोयोटा किर्लोस्कर और स्कोडा ऑटो इंडिया की बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। गौड़ ने कहा कि भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत है जिसे स्थिर जीडीपी वृद्धि, बेहतर कॉरपोरेट आय और बुनियादी ढांचा निवेश का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि सरकार का विनिर्माण, पूंजीगत व्यय और नीतिगत स्थिरता पर निरंतर ध्यान निवेशकों के भरोसे को बनाए रखेगा। ऐसे में वर्ष 2025 के अंत तक घरेलू बाजार के मजबूती से बंद होने की पूरी संभावना है।

वर्ल्ड ब्रीफ

जमैका में तूफान मेलिसा से 30 लोगों की मौत, 15 लाख प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि जमैका और आसपास के इलाकों में आए भीषण चक्रवाती तूफान मेलिसा ने भारी तबाही मचाई है और इसके कारण 30 लोगों की मौत हो गई और 15 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि जमैका में सड़कें, बिजली और संचार व्यवस्था बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। लगभग एक सौ तीस सड़कें अवरुद्ध हैं और कई क्षेत्रों में बिजली तथा मोबाइल नेटवर्क ठप पड़े हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका गंभीर असर पड़ा है क्योंकि कई अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम का अनुमान है कि जमैका में लगभग साढ़े तीन लाख लोगों को खाद्य पदार्थों की सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है।

अंतरिक्ष में गए चीन के चालक दल की वापसी सुरक्षा के लिए टाली

बीजिंग। चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर तैनात दल की बुधवार को निर्धारित वापसी को टाल दिया गया है। ऐसा संदेह है कि अंतरिक्ष यान पर सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे का प्रभाव पड़ा है। यह घोषणा 'चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी' (सीएमएसए) ने की। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वापसी में देरी का निर्णय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन के दल को हर छह महीने में बदलता है। शनिवार को शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 दल के साथ कक्षा में कार्यभार हस्तांतरण पूरा किया था और उसका बुधवार को पृथ्वी पर लौटने का कार्यक्रम था। शेनझोउ-20 में वर्तमान अंतरिक्ष दल सवार है।

बोस्निया में एक इमारत में आग लगने से 10 की मौत, कई घायल

साराजेवा। बोस्निया के उत्तरपूर्वी शहर तुजला में एक आवासीय इमारत में आग लगने से मंगलवार को कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। एक अधिकारी और बोस्निया मीडिया ने यह जानकारी दी। दैनिक समाचार पत्र 'दनेवनी अवाज' ने बताया कि इमारत की एक ऊपरी मंजिल पर आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। अभी तक कम से कम 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा कई और लोगों के हताहत होने की आशंका है। कैंटोनल नेता इरफान हालिलागिक ने समाचारपत्र को दिए एक बयान में पुष्टि की कि मौतें हुई हैं लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने लोग मारे गए। हालिलागिक ने कहा, हम अब विचार कर रहे हैं कि निवासियों को कहां ठहराया जाए। अखबार और अन्य बोस्नियाई मीडिया संगठनों ने भीषण आग की खबरें पुलिस सूत्रों के हवाले से प्रकाशित की हैं।

उलानबटोर में फंसे 228 यात्री लेकर एअर इंडिया का विमान दिल्ली आया

नई दिल्ली, एजेंसी

- सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान ने की थी आपात लैंडिंग

एअर इंडिया का एक विमान मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों को लेकर बुधवार सुबह दिल्ली पहुंचा। तकनीकी समस्या के कारण सोमवार को सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान का मार्ग परिवर्तित कर उसे मंगोलिया की राजधानी ले जाया गया, जिसके बाद यात्री वहां फंस गए थे।

एक अधिकारी ने बताया कि उलानबटोर से यात्रियों को लेकर एअर इंडिया का राहत विमान बुधवार सुबह करीब आठ बजकर 24 मिनट पर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा। राहत उड़ान संख्या एआई183 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के साथ संचालित की गई। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने सोमवार को कहा था कि उलानबटोर ले जाए गए बोइंग 777 विमान में 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों सहित 245 लोग सवार थे। एयरलाइन ने बुधवार को एक बयान में कहा, एहतियाती तौर पर मार्ग परिवर्तन के बाद मंगोलिया के उलानबटोर में फंसे एआई174 के यात्रियों और चालक दल को लेकर राहत उड़ान सुबह दिल्ली में उतरी। संबंधित अधिकारियों के अलावा एअर इंडिया ने भी अपने यात्रियों को मार्ग परिवर्तन के दौरान उनके धैर्य और समझदारी के लिए धन्यवाद दिया।

भारतवंशियों की उपलब्धियां

दुनिया में भारत का परचम

अमेरिका के ताजा चुनाव में न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहर ममदानी, वर्जीनिया की लेफ्टिनेंट गवर्नर बनीं गजाला हाशमी और ओहायो के सिनसिनाटी शहर के मेयर पद के चुनाव में आफताब पुरेवैल की जीत ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश में एक बार फिर भारतवंशियों का डंका बजा दिया है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब भारतीय मूल के लोगों ने दूसरे देशों में राजनीतिक के शीर्ष पदों पर कब्जा जमाया है। इतिहास उठाकर देखें तो पता चलता है कि दुनिया के लगभग 29 देशों में भारतीय मूल के लोग राजनीति के शीर्ष पदों पर रह चुके हैं या अब भी हैं, इनमें से आठ से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल हैं। इनमें ब्रिटेन, मॉरीशस, गुयाना, सिंगापुर और आयरलैंड शामिल हैं। भारतवंशियों ने दूसरे देशों में राजनीति के अलावा व्यवसाय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा की दम पर धाक जमाई है।

दूसरे देशों का नेतृत्व

- भारतीय मूल के ऋषि सुनक को वर्ष 2022 में यूनाइटेड किंगडम का प्रधानमंत्री चुना गया था।
- लियो वराडकर ने 2017 से 2020 और 2022 से 2024 आयरलैंड के प्रधानमंत्री का पद संभाला।
- मॉरीशस में अनिरुद्ध जगन्नाथ, नवीन रामगुलाम, प्रविंद जगन्नाथ कई बार प्रधानमंत्री चुने गए।
- त्रिनिदाद और टोबैगो में कमला प्रसाद-बिस्सेसर वर्ष 2010 से 2015 के बीच प्रधानमंत्री चुने गए।
- गुयाना में 1990 से अब तक चेदी जगन, बर्रत जगदेओ, इरफान अली भारतीय मूल के राष्ट्रपति।
- सूरीनाम में वर्ष 2020 में भारतीय मूल के चंद्रिका प्रसाद संतोखी राष्ट्रपति पद संभालने का मौका।
- सेशेल्स में वेवेल रामकलावन, फिजी में महेंद्र चौधरी और सिंगापुर में श्रीनाथन ने भी नेतृत्व किया।

लोकप्रियता में भी आगे

- फिजी में महेंद्र चौधरी जातीय संघर्ष में अपने दृढ़ रुख के कारण पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री बने।
- आयरलैंड में लियो वराडकर पश्चिमी यूरोप के पहले खुले तौर पर समलैंगिक भारतवंशी प्रधानमंत्री।
- गुयाना का नेतृत्व करने वाले भारतवंशी चेदी जगन को स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक माना जाता है।
- मॉरीशस में प्रविंद जगन्नाथ भारतीय मूल के सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले नेताओं में एक थे।

भारत को क्या लाभ

- वैश्विक पहचान और मजबूत छवि, ऋषि सुनक, प्रविंद जगन्नाथ जैसे नेता भारत हितैषी नीति के लिए जाने जाते हैं।
- उद्यमी विदेश में भारत में निवेश के सेतु, सिलिकॉन वैली में भारतीय निवेशक भारत के स्टार्टअप्स को फंड देते हैं।
- सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ा है। दिवाली और होली जैसे भारतीय त्योहारों को कई देशों में आधिकारिक मान्यता मिली है।
- भारतीय प्रवासी समुदाय दूसरे देशों में भारत की नीतियों के समर्थन में लॉबिंग करता है, अंतर्राष्ट्रीय लाभ प्राप्त होते हैं।

दुनिया के दूसरे देशों में भारतवंशियों की स्वीकार्यता

- अमेरिका, कनाडा, यूके जैसे उच्च आय वाले देशों में भारतीय मूल के लोगों को सफल, शिक्षित और भरोसेमंद समुदाय माना जाता है।
- कैरेबियाई और अफ्रीकी देशों में शुरू में भेदभाव था, अब भारतीय समुदाय स्थानीय राजनीति व अर्थव्यवस्था में मुख्यधारा में आया है।
- मध्य पूर्व में भारतीय मूल के लोग मुख्यत: श्रमिक और तकनीकी कामगार हैं, और वहां उनका प्रभाव सीमित है, लेकिन वे सम्मानित हैं।

यहां भी आगे : राजनीति के अलावा भारतवंशी कई अन्य क्षेत्रों में भी अगुवाई कर रहे हैं। सुंदर पिचाई गूगल के सीईओ हैं और सत्य नडेला माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ। यूएस की टेक पॉलिसी में अर्जुन रामपाल, वेंचर कैपिटल में विनोद खोसला का नाम आता है। साइंस एंड रिसर्च में नोबल पुरस्कार विजेता वेंकटरमण रामकृष्णन, व्यापार और वित्त में लक्ष्मी मित्तल का नाम आता है।

न्यूयॉर्क का मेयर बनते ही ममदानी ने ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर दी चुनौती

चुनाव जीतने के बाद नेहरू को किया याद, कहा- पुराने से नए युग में रखेंगे कदम

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ममदानी की विजय के बाद उनके समर्थक जश्न मनाने न्यूयॉर्क की सड़कों पर उतर आए।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी ने अपने तेजतर्रार विजयी भाषण में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर चुनौती दी, 'राजनीतिक वंशवाद' को खत्म करने की बात कही और पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि शहर पुराने से नए युग की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत अत्याचार और मुनाफाखोरी के खिलाफ उम्मीद का प्रतीक है।

भारतीय मूल के ममदानी ने मंगलवार को चुनावों में निर्णायक एवं ऐतिहासिक जीत हासिल की। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। इस जीत के साथ ही ममदानी अमेरिका के सबसे बड़े शहर में मेयर बनने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए।

ममदानी ने आधी रात के आसपास डाउनटाउन ब्रुकलिन के एक संगीत स्थल 'ब्रुकलिन पैरामाउंट' में अपने हज़ारों समर्थकों के सामने जोशीले विजयी भाषण में कहा, भविष्य हमारे हाथों में है। दोस्तों, हमने एक राजनीतिक वंश को उखाड़ फेंका है। उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट और अपने समर्थकों के नारों के बीच कहा, न्यूयॉर्क, आज रात आपने कर दिखाया, यह बदलाव का जनादेश है। एक नई राजनीति का जनादेश। एक ऐसे शहर का जनादेश, जहां रहने का खर्चा हम वहन कर सकते हैं। और एक ऐसी सरकार का जनादेश जो बिल्कुल यही करती है।

ममदानी ने न्यूयॉर्क की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की बात करते हुए भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, आपके सामने खड़े होकर मुझे जवाहरलाल नेहरू के शब्द याद आते हैं। इतिहास में कभी-कभी ऐसा क्षण आता है जब हम पुराने से नए युग में कदम रखते हैं, जब एक युग समाप्त होता है और जब किसी राष्ट्र की लंबे समय से दबाई गई आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है। उन्होंने कहा... तो आइए अब हम स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ इस बारे में बात करें कि यह नया युग क्या लाएगा और किसके लिए लाएगा।

ट्रंप पर वार... अब आव्रजक ही चलाएंगे न्यूयॉर्क

ममदानी ने अपने विजय भाषण में ट्रंप को चुनौती दी, जिन्होंने राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में आव्रजन पर कड़ी कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क को आव्रजकों द्वारा चलाया जाएगा और उनकी ऐतिहासिक जीत के बाद इसका नेतृत्व भी एक आव्रजक द्वारा किया जाएगा। अपने माता-पिता और पत्नी रमा दुवाजी के साथ ममदानी का लगभग 25 मिनट का भाषण बॉलीवुड फिल्म 'धूम' के लोकप्रिय भारतीय गीत 'धूम मचाले' के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने कहा, मेरे मां और बाबा, आज मैं जो कुछ हूं, आपकी वजह से हूं। मुझे आपका बेटा होने पर बहुत गर्व है। और मेरी अद्भुत पत्नी रमा, मेरी जिंदगी : इस पल और हर पल, आपके सिवा मैं किसी और को अपने साथ नहीं देखना चाहता।

मेरे चुनाव प्रचार में न उतरने और शटडाउन के कारण हारे : ट्रंप

वाशिंगटन। ट्रंप ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर पोस्ट में कहा कि चुनाव प्रचार से उनकी अनुपस्थिति और शटडाउन के कारण रिपब्लिकन पार्टी मेयर चुनाव हार गई। एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने मतदाता सुधारों का आह्वान किया। उन्होंने लिखा, रिपब्लिकन 'फिलिबस्टर' को समाप्त करें। कानून पारित कराने और मतदाता सुधार पर ध्यान केंद्रित करें। फिलिबस्टर एक संसदीय प्रक्रिया है, जिसमें विधायी निकाय के एक या अधिक सदस्य प्रस्तावित कानून पर बहस को इतना लंबा खींचते हैं कि निर्णय में देरी हो जाती है या उसे पूरी तरह से रोका जा सकता है।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने जीत का जश्न मनाया

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और बराक ओबामा ने ममदानी और अन्य पार्टी नेताओं को चुनावी सफलता की बधाई दी। क्लिंटन ने लिखा, न्यूयॉर्क के अगले मेयर के रूप में चयन पर जोहरान ममदानी को बधाई। आपकी सफलता की कामना करता हूं, जब आप अपने चुनाव अभियान के जोश को एक बेहतर, न्यायसंगत और अधिक किफायती न्यूयॉर्क बनाने के प्रयास में बदलने के लिए काम करेंगे। ओबामा ने कहा, यह हमें याद दिलाता है कि जब हम मजबूत और दूरदर्शी नेताओं के साथ एकजुट होते हैं, जो महत्वपूर्ण मुद्दों को ध्यान में रखते हैं, तो हम जीत सकते हैं।

अमेरिका के केंटुकी में विमान दुर्घटना, नौ की मौत, आसपास के इलाकों तक फैली आग

- कार्गो विमान में था 38000 गैलन जेट ईंधन, प्रशासन ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई

न्यूयॉर्क, एजेंसी

कार्गो विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद ऊपर उठता घना काला धुआं।

अमेरिका के केंटुकी में लुइसविले अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट मंगलवार को एक कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। इस घटना में विमान में आग लग गई जो विमान के गिरने के साथ ही एक बड़े क्षेत्र में फैल गई।

संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि यूपीएस के विमान 2976 में 38,000 गैलन जेट ईंधन और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। यह विमान लुइसविले के मुहम्मद अली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद स्थानीय समयानुसार शाम लगभग सवा पांच बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

गवर्नर एंडी बेशियर ने कहा कि इस विनाशकारी दुर्घटना में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए।

उन्होंने कहा कि यह संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि विमान हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिससे दो व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित हुए और क्षेत्र के अन्य व्यवसाय भी प्रभावित हुए। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में भीषण आग और दुर्घटनास्थल से काले धुएं का घना गुबार उठता दिखाई दिया। लुइसविले के अग्निशमन प्रमुख ब्रायन ओ'नील ने कहा कि सैकड़ों अग्निशमन कर्मियों ने आग पर लगभग काबू पा लिया है और संभावित पीड़ितों की तलाश में पूरे इलाके में ग्रिड दर ग्रिड तलाशी अभियान चला रहे हैं।

अमेरिका में सबसे लंबा 36 दिन का शटडाउन

वाशिंगटन। अमेरिका में एक अक्टूबर से शुरू हुआ शटडाउन बुधवार को 36वें दिन में प्रवेश कर गया। यह अमेरिका के इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन है। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2018 में 35 दिनों तक सरकारी कामकाज ठप रहा था। इस शटडाउन की वजह से 4.2 करोड़ गरीब अमेरिकियों की खाद्य सहायता (फूड स्टैंप) रुक गई है।

पुतिन ने जारी किया परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने की योजना पेश करने का आदेश

मॉस्को, एजेंसी

- ट्रंप की घोषणा के जवाब में रूसी राष्ट्रपति ने उठाया कदम

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे परमाणु परीक्षणों को फिर से शुरू करने की संभावनाओं पर प्रस्ताव तैयार करें। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले सप्ताह दिए गए उन बयानों के जवाब में उठाया गया है, जिनमें उन्होंने संकेत दिया था कि अमेरिका अपने परमाणु परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है।

राष्ट्रपति सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए पुतिन ने अपने पहले दिए गए उस बयान को दोहराया कि मॉस्को केवल तभी परमाणु परीक्षण दोबारा शुरू करेगा, जब अमेरिका ऐसा कदम उठाएगा। हालांकि, उन्होंने रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और अन्य सरकारी एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे वॉशिंगटन के इरादों का विश्लेषण करें और परमाणु हथियार परीक्षण फिर से शुरू करने के संभावित प्रस्ताव तैयार करें। डोनाल्ड ट्रंप ने 30 अक्तूबर को कहा था कि अमेरिका करीब तीन दशकों में पहली बार परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है।

अमेरिकी आयात पर 24% टैरिफ एक साल को स्थगित करेगा चीन

बीजिंग। चीनी वित्त मंत्रालय ने कहा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल ही में हुई व्यापार वार्ता के अनुरूप चीन 10 नवंबर से एक वर्ष के लिए अमेरिकी वस्तुओं पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत आयात शुल्क को स्थगित करेगा। मंत्रालय के मुताबिक चीन-अमेरिका व्यापार वार्ता के दौरान बनी सहमति को लागू करने के लिए आयात शुल्क कानून, सीमा शुल्क कानून, विदेश व्यापार कानून और अन्य प्रासंगिक कानूनों तथा विनियमों तथा अंतर्राष्ट्रीय कानून के मूल सिद्धांतों के अनुसार यह निर्णय लिया गया है।

पाकिस्तान ने गुरु नानक जयंती मनाने सिख जत्थे के साथ जा रहे हिंदुओं को रोका

अमृतसर, एजेंसी

गुरु नानक देव की जयंती समारोह में भाग लेने भारतीय सिख तीर्थयात्रियों का पहला जत्था मंगलवार को अटारी-वाघा सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंचा, लेकिन तीर्थयात्रियों की खुशी वाघा सीमा पर उस समय फीकी पड़ गई, जबएक बड़े सिख प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान में प्रवेश कर रहे 12 हिंदू तीर्थयात्रियों के एक समूह को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बावजूद अचानक आगे बढ़ने से रोक दिया गया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि वे हिंदू होने के कारण आगे नहीं बढ़ सकते।

इन हिंदू तीर्थयात्रियों को भारत लौटना पड़ा। भारतीय अधिकारियों और संगठनों ने इस कार्रवाई की व्यापक रूप से निंदा की और इसे भेदभावपूर्ण बताया। हिंदू तीर्थयात्रियों के पास वैध वीजा थे और उन्होंने सभी आव्रजन और यात्रा प्रक्रियाएं पूरी कर ली थीं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने उन्हें ननकाना साहिब जाने वाली बस में चढ़ने से रोक दिया और कहा कि केवल सिखों के रूप में सूचीबद्ध लोगों को ही यात्रा करने की अनुमति होगी। इसके बाद तीर्थयात्रियों को भारत वापस भेज दिया गया, और उनमें से एक ने इस घटना पर अपना अपमान और दुख व्यक्त किया।

गुरु पर्व मनाने पहुंचे पहले सिख जत्थे का स्वागत करते पाकिस्तानी अधिकारी।

भारत सरकार दे मुंहतोड़ जवाब : प्रो. चावला ने कहा कि जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज भी पाकिस्तान पहुंचे हैं। यह उनसे आशा की जाती है कि वे इस अन्याय को रोकते और पाकिस्तान की चाल का मुंह तोड़ जवाब देते। अफसोस ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि अब भारत सरकार को चाहिए कि वे पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दे और पाकिस्तान के केवल हिंदू श्रद्धालुओं को ही भारत यात्रा की आज्ञा दे।

हिंदू-सिखों में फूट डालने की नापाक चाल

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान जाने वाला यह पहला जत्था था और इस घटना को हिंदू और सिख समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के एक जानबूझकर किया गया कृत्य माना जा रहा है। पंजाब की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री प्रो. लक्ष्मीकांत चावला ने घटना की निंदा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान में हिंदू श्रद्धालुओं को गुरुद्वारा दर्शन के लिए न जाने देना भारत में लोगों में फूट डालने का घृणित प्रयास है, जिसका केंद्र सरकार शीघ्र ही गंभीर नोटिस लेना चाहिए। पूर्व मंत्री ने कहा कि हिंदू और सिख जो एक ही मां के दो बेटे हैं, एक ही परंपरा से पैदा हुए हैं और जिनका परिवार भी एक है उनको बांटने के लिए पहले अंग्रेजों ने प्रयास किया। 1882 में पहले अंग्रेजों का थोपा हुआ प्रिंसिपल मैकालिफ इस काम को आगे बढ़ाता रहा और इसके बाद अपने ही देश के कुछ नेताओं ने समाज को बांटने की कमान संभाल ली। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के सभी प्रमुख गुरुद्वारों में विशेषकर अमृतसर श्री हरिमंदिर में अगर रोज के श्रद्धालुओं की संख्या देखी जाए तो हिंदू श्रद्धालु ज्यादा हैं, जो देश से भी आते हैं, विदेश से भी आते हैं। प्रो. चावला ने कहा कि वैसे तो हिंदू और सिख दो लिखने में ही कष्ट होता है, पर अगर राजनीतिक हितों ने उन्हें दो पक्ष बना ही दिया है तो पाकिस्तान को यह छूट नहीं दी जा सकती कि वह भारत से गए हिंदू श्रद्धालुओं को गुरु घर के दर्शन करने न जाने दे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 14 .54 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

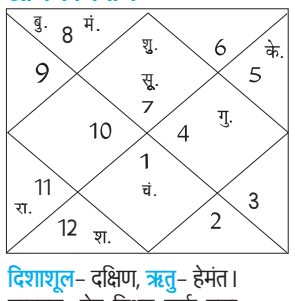

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- भरणी 06 .34 तक तत्पश्चात कृत्तिका 7 नवंबर 03 .28 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष आज का दिन नई साझेदारियों के लिए शुभ है। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भरता बढ़ सकती है। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। पड़ोसियों से अपने संबंध अच्छे रखें। प्रेम संबंधों को लेकर पारिवारिक सहमति मिल सकती है।

वृष आज समाज में आपको उचित मान-सम्मान मिलेगा। रुका हुआ कार्य बनने से मानसिक अशांति दूर होगी। दांपत्य संबंधों की कड़वाहट दूर हो सकती है। ससुराल पक्ष से अपने संबंध अच्छे रखें। परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा।

मिथुन आज अपनी उपलब्धियों का दिखावा करने से बचें। वाहन चलाते समय चोट लग सकती है। जीवनसाथी के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ सकता है। गृहस्थ जीवन में शांति रहेगी। बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क आज कारोबार में नई शुरुआत कर सकते हैं। नौकरी कर रहे लोगों के ऊपर से काम का दबाव कम होगा। प्रेमीजन से विवाह को लेकर चर्चा कर सकते हैं। मित्रों और सहयोगियों की सहायता करने से आत्मिक संतुष्टि होगी।

सिंह आज अपनी जिम्मेदारियों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। किसी राजनीतिक चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं। अपनी दिनचर्या को अनुशासित रखें। प्रेमी जन से कोई वादा न करें।

कन्या आज कानूनी मामले उलझ सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत अच्छा है। उच्च शिक्षा में परेशानियां बढ़ सकती हैं। घर के छूटे कार्यों को लेकर तनाव हो सकता है। आर्थिक नुकसान होने की संभावना बन रही है।

तुला आज कोई भी बड़ा निर्णय सोच-समझकर ही लें। अनावश्यक चर्चाओं से दूरी बनाकर रखें। दांपत्य संबंधों में संवादहीनता जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। नजदीकी लोगों की सलाह को अनसुना करना नुकसानदेह हो सकता है।

वृश्चिक आज व्यवसाय में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। पिछले काफी समय से चली आ रही उलझनों से राहत मिलेगी। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। गले में कफ की शिकायत हो सकती है।

धनु आज आपकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। अचानक नए कार्यों की शुरुआत न करें। आपको सभी कार्य समय पर करने चाहिए। अटका हुआ धन वापस मिलेगा। अपने स्वभाव में लचीलापन रखना आवश्यक है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मकर आज निवेश के दौरान सावधानी रखें। दार्शनिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से नुकसान होगा। उच्च रक्तचाप के कारण समस्या होगी। अधिकारी वर्ग के साथ तनाव हो सकता है। नए प्रेम संबंधों को लेकर समस्या होगी।

कुंभ आज अपनी गलतियों को छिपाने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। रियल एस्टेट से जुड़े लोग नए सौदों को जांच-परख कर ही करें। जाने-अनजाने में आपसे कुछ त्रुटियां हो सकती हैं। आपको सिरदर्द और वायरल बुखार की समस्या हो सकती है।

मीन आज आपकी बातों से लोग प्रभावित होंगे। जॉब में स्थायित्व की भावना बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। आपके नए मित्र बन सकते हैं। आपको मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। आपको अधिकारियों से सहायता लेनी चाहिए।

सुडोकू-152

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1				2	3	
	2	4						
			2	6	7			
5			3	7				
7								8
3				9	4			
			8	5	1			
	3					7	2	
	6	5				9		

सुडोकू - 151 का हल

9	1	5	6	2	8	3	4	7
3	4	8	5	1	7	6	9	2
6	7	2	3	4	9	8	5	1
2	6	4	9	7	3	1	8	5
8	3	1	4	5	2	7	6	9
5	9	7	8	6	1	2	3	4
1	5	6	7	3	4	9	2	8
7	8	3	2	9	5	4	1	6
4	2	9	1	8	6	5	7	3

अर्शदीप सिंह विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं। उन्होंने पावरप्ले में अधिकतर विकेट लिए हैं। हम बस उनसे यही कहते हैं कि वे कड़ी मेहनत करें और जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहें।
–मोर्ने मोर्कल

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार 6 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सऊदी अरब के रियाद में डब्ल्यूटीए टेनिस फाइनल्स के महिला एकल मैच के दौरान कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना रूस की एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा के शॉट को रोकती हुई।

रिचा घोष को सोने की परत वाली गेंद और बल्ला देगा कैब

कोलकाता : बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) भारत की विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष को महिला विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिये यहां शनिवार को ईडन गार्डस पर एक भव्य सम्मान समारोह में खास तौर से बनाए गए सोने की परत चढा बल्ला और गेंद प्रदान करेगा। भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत की शिल्पकारों में से एक रिचा ने आठ पारियों में 133.52 की स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए। वह टीम के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाली पांच बल्लेबाजों में से थी। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के हस्ताक्षर वाला बल्ला उन्हें भारतीय क्रिकेट में अतुलनीय योगदान के लिये प्रदान किया जाएगा।

दिप्तायन ने किया विश्व शतरंज में उलटफेर

पणजी : ग्रैंडमास्टर दिप्तायन घोष ने विश्व शतरंज कप में सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पूर्व विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर रूस के इयान नेपोम्नियाची को दूसरे दौर के दूसरे गेम में हरा दिया। एकतरफा मुकाबले में घोष ने उन्हें कोई मौका ही नहीं दिया। जीत के बाद उन्होंने कहा यह मेरे शतरंज कैरियर की सबसे बड़ी जीत है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टी-20 मुकाबला आज, भारत का पड़ला भारी

शुभमन गिल की निगाह बड़े स्कोर पर

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले शुभमन गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे जिसमें भारतीय टीम जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। तीन मैचों के बाद शृंखला 1-1 से बराबर है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टीम कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में थोड़ा कमजोर नजर आ रही है। पिछले मैच में जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से स्पष्ट अंतर नजर आया था, जब भारत 186 रन के लक्ष्य को हासिल करके शृंखला बराबर करने में सफल रहा था। चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को ट्रेविस हेड की भी कमी खलेगी क्योंकि सलामी बल्लेबाज को एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेलना है। ऑस्ट्रेलिया की टीम के इन दोनों प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में भारत के पास गाबा में अंतिम मैच से पहले 2-1 की बढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा मौका है। हालांकि, भारतीय टीम प्रबंधन को टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की फॉर्म थोड़ी परेशान कर सकती है, क्योंकि उन्होंने अब तक ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच खेले हैं और एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। एकदिवसीय एजेंसी की शुरुआत से अब तक उनके स्कोर का क्रम 10, 9, 24, नाबाद 37, 5 और 15 है। अभी तक केवल एक बार वह अच्छी फॉर्म में दिखे थे। वह कैनबरा में था जब उन्होंने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ अच्छी साझेदारी की थी। बारिश के कारण यह मैच रद्द कर दिया गया था। गिल को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि गिल अभी तक अपनी चिर परिचित लय में नहीं दिखे हैं। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि अभिषेक शर्मा ने विश्व के नंबर एक टी20 बल्लेबाज की अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया है और टीम को उनसे एक बार फिर एक और जोरदार पारी की उम्मीद होगी। गिल को एक सप्ताह के भीतर लाल गेंद से खेलना शुरू करना होगा और अगर वह किसी भी प्रारूप में खेल रहे हों तो कुछ रन बनाने से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले और तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत के साथ अपनी पुरानी फॉर्म की झलक दिखाई है लेकिन अब वह बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगली सीरीज से पहले उन्हें एक महीने का ब्रेक मिलेगा। इस बीच, उम्मीद की जा रही है कि सूर्यकुमार पुडुचेरी के खिलाफ मुंबई की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे। अर्शदीप सिंह के शामिल होने से गेंदबाजी विभाग अधिक मजबूत दिखता है, जबकि कुलदीप यादव को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए वापस भेज दिया गया है।

समय दोपहर 1:45 बजे से

शुभमन गिल व अभिषेक शर्मा।

स्पिन का सामना करने के लिए अच्छी तैयारी जरूरी : मैथ्यू शॉर्ट

गोल्ड कोस्ट : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट मौजूदा टी-20 शृंखला में भारतीय गेंदबाजों का सामना करने के अवसर का आनंद ले रहे हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी के लिए उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में स्पिन के अनुकूल ढलना महत्वपूर्ण होगा। शॉर्ट मौजूदा सीमित ओवरों की शृंखला का अभिन्न हिस्सा रहे हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी से मार्च के दौरान भारत और श्रीलंका में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए अपनी टीम को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा है। शॉर्ट ने चौथे टी-20 मैच से पहले कहा सुधार करने के अपने अलग-अलग तरीके होते हैं। विश्व कप भारत और श्रीलंका में खेला जाना है और इसे देखते हुए स्पिन के खिलाफ खेलना मेरे लिए अच्छी बात है। मुझे लगता है कि इसमें थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम ज़म्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

टिम डेविड पर काफी हद तक निर्भर रहेगी। हेड की अनुपस्थिति में मार्श मैथ्यू शॉर्ट को अपना सलामी जोड़ीदार बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने पड़ सकते हैं क्योंकि सीन एबॉट अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और बेन ड्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को उनकी जगह पर लाया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में सीरीज के एक मैच के दौरान विकेट लेने के बाद जश्न मानते अर्शदीप सिंह।

अर्शदीप सिंह जानते हैं हमारी योजना : मोर्कल

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

- भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल बोले- हम आजमा रहे हैं अलग-अलग संयोजन

भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा कि अर्शदीप सिंह को चयन मामलों में भले ही परेशानी का सामना करना पड़ा हो, लेकिन यह तेज गेंदबाज इस बात को अच्छी तरह से समझता है कि टीम प्रबंधन बड़ी तस्वीर को देखते हुए अलग-अलग संयोजन आजमा रहा है। अर्शदीप को होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में अंतिम एकादश में शामिल किया गया था।

उन्होंने शानदार वापसी की और वह मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए थे। उन्हें पहले दो मैचों में अंतिम एकादश में नहीं चुना गया, क्योंकि उन्हें और कुलदीप यादव को एक साथ नहीं खिलाया जा सकता और दुबई की परिस्थितियों के कारण सितंबर में एशिया कप में भी वे पहली पसंद नहीं थे। गौरतलब है कि अर्शदीप टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 से अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज़ हैं।

मोर्कल ने गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच से पहले संवाददाताओं से कहा अर्शदीप अनुभवी हैं और उन्हें पता है कि हम बड़ी तस्वीर को देख रहे हैं और अलग-अलग संयोजनों को आजमा रहे हैं। उन्हें पता है कि वह विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और उन्होंने पावरप्ले में अधिकतर विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा हम जानते हैं कि वह टीम के लिए कितने अमूल्य खिलाड़ी है, लेकिन हमें अन्य संयोजनों पर भी गौर करने की जरूरत है और वह इस बात को समझते हैं। मोर्कल ने हालांकि स्वीकार किया कि अर्शदीप जैसी क्षमता वाले गेंदबाज के लिए यह आसान नहीं रहा है। उन्होंने कहा यह आसान काम नहीं है लेकिन कभी-कभी कड़े फैसले करने पड़ते हैं। हम बस उनसे यही कहते हैं कि वे कड़ी मेहनत करें और जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहें। टी20 विश्व कप से पहले अब सीमित मैच ही बचे हैं। मोर्कल ने कहा इसलिए, हमारे लिए यह देखना ज़रूरी है कि दबाव की परिस्थितियों में खिलाड़ी कैसा प्रदर्शन करते हैं।

फिटनेस साबित करने के बाद पंत की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, शमी को नहीं मिली जगह

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पैर के फ्रेक्चर से उबरकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू श्रृंखला के लिये भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे।

पंत को जुलाई में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान चोट लगी थी और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ अगली श्रृंखला नहीं खेल सके थे। उन्होंने हाल ही में बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम की कप्तानी की और दूसरी पारी में 90 रन बनाए। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम में उन्होंने एन जगदीशन की जगह ली। बंगाल के लिये तीन रणजी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले शमी को टीम में जगह नहीं मिल सकी है। पैंतीस वर्ष के शमी ने उत्तराखंड और गुजरात के खिलाफ बंगाल की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन मैचों में 93 ओवर डालकर 15 से अधिक विकेट लिए।

टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतिश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और आकाश दीप।

भारत ए वनडे टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ईशान किशन, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, विपराज निगम, मानव सुतार, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, प्रभसिमरन सिंह।

पहला टेस्ट कोलकाता में 14 नवंबर से
दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में 22 नवंबर से

चयनकर्ताओं को शायद लगा होगा कि अब वह टेस्ट क्रिकेट में लंबे स्पैल नहीं डाल सकेंगे चूंकि घरेलू क्रिकेट में भी स्पैल के बीच उन्होंने ब्रेक लिए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद अगले छह महीने भारत को टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना है जिसे देखकर लगता है कि शमी के लिये दरवाजे बंद हो चुके हैं। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भी कंधे की चोट से उबरकर वापसी की है। वह भारत ए टीम का भी हिस्सा हैं। भारत के पास तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज हैं जबकि स्पिन की कमान रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर के पास होगी।

चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए भारत ए वनडे टीम की भी घोषणा की है जिसमे तिलक वर्मा को कप्तान बनाया गया है। ये मैच 13, 16 और 19 नवंबर को राजकोट में होंगे।

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पास सीरीज जीतने का बड़ा मौका : बावुमा

बेंगलुरु : दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बावजूद भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज आसान नहीं होगी लेकिन उन्होंने कहा कि अपने बेहतरीन स्पिन आक्रमण के दम पर उनकी टीम के पास 25 साल बाद भारत में सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी बार 1999-2000 में दिवंगत हैंसी क्रोन्ये की कप्तानी में भारत में पहली टेस्ट शृंखला जीती थी। दो मैचों की शृंखला का दूसरा मैच 14 नवंबर से कोलकाता में खेला जाएगा। बावुमा ने कहा दक्षिण आफ्रीका टीम ने लंबे समय से भारत में टेस्ट शृंखला नहीं जीती है। इस बार हमारे पास सुनहरा मौका है। उन्होंने भारत ए और दक्षिण आफ्रीका ए के बीच दूसरे चार दिवसीय मैच से पहले चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा विश्व चैम्पियन होने के नाते हमसे काफी अपेक्षाएं हैं। भारत में खेलना हमेशा कठिन होता है। भारत के पास बेहतरीन युवा खिलाड़ी हैं। बावुमा ने कहा विराट और रोहित ने लंबे समय तक भारत के लिए खेला और भारत को वहां पहुंचाया, जहां टीम आज है। युवा खिलाड़ी उनकी जगह लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह हालांकि बहुत बड़ी चुनौती है। जहां तक हमारी बात है तो हम पूरी तैयारी के साथ आये हैं और हमें यहां मिलने वाली चुनौती का अहसास है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। बावुमा की नजरें अच्छे स्पिन आक्रमण के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमी का फायदा उठाने पर भी लगी हैं। न्यूजीलैंड के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों को हुई परेशानी उनकी नजरों से बच नहीं सकी है। बावुमा ने कहा गेंदबाजी हमेशा से हमारी ताकत रही है। हम इस बार बेहतर स्पिन आक्रमण के साथ आये हैं।

शर्मा और चक्रवर्ती पुरुष टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई : सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी-20 खिलाड़ियों की बुधवार को जारी रैंकिंग में बल्लेबाजों और गेंदबाजों में शीर्ष स्थान कायम रखा है।

अभिषेक बल्लेबाजों की रैंकिंग में 925 रेटिंग अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि इंग्लैंड के फिल साल्ट और भारत के तिलक वर्मा उनके बाद हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव आठवें स्थान पर हैं। गेंदबाजों में चक्रवर्ती शीर्ष पर हैं जबकि आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर आ गए हैं। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

भारत का कोई अन्य गेंदबाज शीर्ष दस में नहीं है। हरफनमौलाओं की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या चौथे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के सईम अयूब शीर्ष पर, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा दूसरे और वेस्टइंडीज के रोस्टन चेस तीसरे स्थान पर हैं।

कुलदीप, सिराज और राहुल की नजर अच्छी तैयारी पर

बेंगलुरु, एजेंसी

- भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए का मुकाबला आज से

भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत पहले मैच की तरह अपनी फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी गुरुवार से यहां तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में लाल गेंद से महत्वपूर्ण मैच अभ्यास हासिल करने की कोशिश करेंगे।

पंत ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के इसी मैदान पर पिछले सप्ताह खेले गए पहले मैच में विकेटकीपर के रूप में 139.3 ओवर बिना किसी परेशानी के खेले और साथ ही बल्लेबाज के रूप में 133 गेंदें खेली। उन्होंने दूसरी पारी में 90 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी फॉर्म का भी अच्छा परिचय दिया। फिटनेस की चिंता पूरी तरह से पीछे छूट जाने के बाद बाएं हाथ का यह बल्लेबाज अब 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट शृंखला से पहले एक बार फिर अपने खेल के चरम पर पहुंचने की कोशिश करेगा।

सिराज, केएल राहुल और कुलदीप स्वदेश लौटने से पहले भारत के ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा सफेद गेंद के दौरे का हिस्सा थे और अब वे दक्षिण अफ्रीका ए जैसी प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ अपने लाल गेंद के कौशल को निखार सकते हैं।

स्मृति, जेमिमा हरमनप्रीत टीम की नई ब्रांड : घावरी

मुंबई : भारत के पूर्व तेज गेंदबाज करसन घावरी ने महिला वनडे विश्व कप विजेता भारतीय टीम की जमकर प्रशंसा करते हुए बुधवार को हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और स्मृति मंधाना को भारतीय क्रिकेट का नया ब्रांड करार दिया।

भारतीय महिला टीम ने रविवार को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का कोई टूर्नामेंट जीता। घावरी ने कहा भारतीय महिला टीम की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने पूरे विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया विशेष कर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो मैच में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। वह विश्व कप जीतने की असली हकदार थी।

ओलंपिक की तैयारी | अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने लॉस एंजेलिस 2028 के लिए ओलंपिक भार वर्गों का किया पुनर्गठन

मीराबाई चानू अपना भार वर्ग बदलने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) द्वारा सोमवार को घोषित लॉस एंजेलिस 2028 के लिए ओलंपिक भार वर्गों के पुनर्गठन के बाद भारतीय स्टार मीराबाई चानू को एक वर्ग ऊपर जाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

टोक्यो 2020 में महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाली और पेरिस 2024 में इसी वर्ग में चौथे स्थान पर रहने वाली मीराबाई चानू अब लॉस एंजेलिस में इस वर्ग में भाग नहीं ले पाएंगी। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में भारोत्तोलन के लिए महिलाओं की न्यूनतम श्रेणी अब 53 किग्रा होगी। आईडब्ल्यूएफ ने लॉस एंजेलिस 2028 में 12 नए वर्गों की पुष्टि की है- पुरुषों और महिलाओं के लिए छह-छह। पेरिस 2024 में प्रत्येक लिंग के लिए पांच वर्ग थे।

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक भारोत्तोलन भार वर्ग पुरुषः 65 किग्रा, 75 किग्रा, 85 किग्रा, 95 किग्रा, 110 किग्रा, 110 किग्रा महिलाः 53 किग्रा, 61 किग्रा, 69 किग्रा, 77 किग्रा, 86 किग्रा, 86 किग्रा पेरिस 2024 में, पुरुषों के लिए 61 किग्रा, 73 किग्रा, 89 किग्रा, 102 किग्रा और 102 किग्रा और महिलाओं के लिए 49 किग्रा, 59 किग्रा, 71 किग्रा, 81 किग्रा और 81 किग्रा थे। आईडब्ल्यूएफ ने अब एक साल से भी कम समय में दो बार भार वर्ग बदले हैं। भारत के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा का मानना है कि यह बदलाव मीराबाई के पक्ष में काम कर सकता है। शर्मा ने कहा यह (49 किग्रा हटाना) मीराबाई के लिए अच्छी बात है क्योंकि 48 किग्रा तक अपना वजन कम करना एक कठिन प्रक्रिया थी। 31 वर्षीय मीराबाई ने इस साल 48 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

ओलंपिक कार्यक्रम से हटा 49 किग्रा वर्ग

इस साल की शुरुआत में, आईडब्ल्यूएफ द्वारा ओलंपिक कार्यक्रम से 49 किग्रा वर्ग को हटाने के बाद, चानू 48 किग्रा वर्ग में आ गईं। 49 किग्रा वर्ग को तब से आईडब्ल्यूएफ के विश्व चैंपियनशिप जैसे आयोजनों में बहाल कर दिया गया है, लेकिन इसे ओलंपिक में शामिल नहीं किया जाएगा। मीराबाई चानू की सभी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां – जिनमें तीन विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप पदक और तीन राष्ट्रमंडल खेल पदक शामिल हैं – 50 किग्रा से कम भार वर्ग में ही आई हैं।